



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 48] नई दिल्ली, नवम्बर 23—नवम्बर 29, 2008, शनिवार/अण्डायण 2—अग्रहायण 8, 1930

No. 48] NEW DELHI, NOVEMBER 23—NOVEMBER 29, 2008, SATURDAY/AGRAHAYANA 2—AGRAHAYANA 8, 1930

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृष्ठक संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर

जयपुर, 18 नवम्बर, 2008

सं. 11/2008-09

का.आ. 3108.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उप-धारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एवंद्वारा निर्धारण वर्ष 2005-06 एवम् आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से “शारदा विद्या मन्दिर प्रबन्ध समिति, जयपुर” को स्वीकृति देते हैं।

बास्तें कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उप-धारा (vi) के ग्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक : मुआआ/अआआ/(मु.) जय/10 (23सी) (vi)/08-09]

की. एस. दिल्लौ, मुख्य आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF
INCOME TAX JAIPUR

Jaipur, the 18th November, 2008

No. 11/2008-09

S.O. 3108.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962 the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves “Sharda Vidya Mandir Prabaghd Samiti, Jaipur” for the purpose of said section for the A.Y. 2005-06 & onwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT (Hqrs.)/10 (23C) (vi)/2008-09]

B. S. DHILLON, Chief Commissioner of Income-tax

(क) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एवं द्वारा भारत का उच्चायोग, क्रिकेटरिया, माहे में श्री संजय कुमार सहायक को 27-10-2008 से सहायक कौसली अधिकारी का कार्य करने हेतु प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/I/2006]

आर के. पेरिंदिया, अवर सचिव (कौसली)

New Delhi, the 27th October, 2008

S.O. 3112.—In pursuance of the clause (ii) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officer (Oaths and fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorize Shri Sanjay Kumar Dey, Assistant to perform the duties of Assistant Consular Officer in the High Commission of India, Victoria, Mahe (Seychelles).

[No. T. 4330/I/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2008

का.आ. 3113.—राजनयिक कौसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41) की भाग 2 के अंक (क) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एवं द्वारा भारत का प्रधान कौसलालाल, जांबीबार में श्री संजय कुमार, उच्च श्रेणी सिपिक से सहायक कौसली अधिकारी का कार्य करने हेतु प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/I/2006]

आर के. पेरिंदिया, अवर सचिव (कौसली)

New Delhi, the 12th November, 2008

S.O. 3113.—In pursuance of the clause (ii) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorize Shri Sanjay Kumar, UDC to perform the duties of Assistant Consular Officer in the Consulate General of India, Zanzibar.

[No. T. 4330/I/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

बस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2008

का.आ. 3114.—केंद्रीय सरकार (संघ के शासकीय प्रयोजनों के प्रयोग के लिए) राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम 4 के अनुसरण में, बस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को जिसमें 90% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

1. केंद्रीय मूगा एवं अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बस्त्र मंत्रालय-भारत सरकार, लाइसेंसिङ्क-785 700 जोरहाट (असम)।

2. बुनियादी शीज प्राप्ति एवं प्रशिक्षण केंद्र, बुनियादी तसर रेशमकीट शीज-संगठन, केंद्रीय रेशम बोर्ड, पाललहड़ा-759 119 जिला-अनगुल (उडीसा)।

3. बुनियादी शीज प्राप्ति एवं प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, लक्ष्मी निवास, नौलखा मरिंद के सामने, पो. आश्रम करनीबाद, देवघर-814 112 (झारखण्ड)।

4. आंचलिक कार्यालय, केंद्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय रेशम बोर्ड, दूसरा तल, सत्यम कामशिष्टल कॉम्प्लेक्स, लिंक रोड, बिलासपुर-495 001 (छत्तीसगढ़)।

[सं. ई-11016/I/2005-Hindi]

पूर्णद सिंह, भाषुक सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 18th November, 2008

S.O. 3114.—In pursuance of Sub-rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union), Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Ministry of Textiles, whereof more than 90% staff have acquired working knowledge of Hindi :

- Central Mugaari Research and Training Institute, Central Silk Board, Ministry of Textiles-Govt. of India, Laidoigadh-785 700 Jorhat (Assam).
- Basic Seed Multiplication and Training Centre, Basic Tasar Silkwool Seed organization, Pallahada-759 119, Distt. Angul (Orissa).
- Basic Seed Multiplication and Training Centre, Central Silk Board, Laxmi Newas, Infront of Naulakha Temple, Post-Assam Karnibaad, Devghar-814 112 (Jharkhand).
- Regional Office, Central Silk Technology Research Institute, Central Silk Board, 2nd floor, Satyam Commercial Complex, Link Road, Bilaspur-495 001 (Chattisgarh).

[No. E-11016/I/2005-Hindi]

BHUPENDRA SINGH, Jr. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
(उपभोक्ता मामले विभाग)

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2008

का.आ. 3115.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के छंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक

ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (को) में संशोधन किया गया है :—

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक	संशोधन की संख्या को संख्या और वर्ष	संख्या और होने की तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
I आई एस 13365 (भाग 1) 1998	1 अक्टूबर, 2008	31 अक्टूबर, 2008	11 नवम्बर 2008

इन संशोधनों की प्रतिवाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोवृष्टिपुर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पूर्ण तथा तिरुवनंतपुरम पर्याक्रम में विक्री होने उपलब्ध है।

[संदर्भ : सीईडी. रजिस्टर]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियर)

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 14th November, 2008

S.O. 3115.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1 IS 13365 (Part 1): 1998	1 October, 2008	31 October, 2008	3 October, 2008

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: C.D.Gazette]

A.K. SAJN, Sc. 'F' & Head (Civil Engg.)
नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2008

का.आ. 3116.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक

ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित रखता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (को) में संशोधन किया गया है :—

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक	संशोधन को संख्या (को) की संख्या वर्ष	संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
I आई एस 15111 (भाग 1); 2002 सामान्य प्रकाश	3 अक्टूबर, 2008	31 अक्टूबर, 2008	11 नवम्बर 2008

व्यवस्थाओं के लिए स्वतः वालास्ट्रक्चर लैम्प : प्रयोग सुरक्षा अपेक्षाएँ

इस भारतीय संशोधन को प्रतिवाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोवृष्टिपुर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पूर्ण तथा तिरुवनंतपुरम में विक्री होने उपलब्ध है।

[संदर्भ : ईट-23/टी-82]

प्रकाश बचानी, बैंडा. ई. (निदेशक) (विद्युत तकनीकी विधाया)

New Delhi, the 14th November, 2008

S.O. 3116.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
I IS 15111 (Part 1); 2002 Self Ballasted Lamps for General Lighting Services : Part/Safety Requirements	3 October, 2008	31 October, 2008	11 November, 2008

Copies of this amendment are available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: FT-23/T-82]

PRAKASH BAJAJI, Sc. F. (Director) Electronic Department

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3117.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उप-विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द कर दिया गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या सीएमएल	लाइसेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अंतर्गत चास्ट्रु/प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द करने की तिथि
1. 7486390	Suyog Electricals Ltd. A-2, 2205, GIDC, Halol Distt. Panchmahal-389350	सुयोग इलैक्ट्रिकल लिमिटेड ए-2, 2205 जी आईडीसी होल हलोल, पंचमहल-389350	एल्युमीनियम कंडक्टर फार औवरहैड ट्रांसमिशन परपस आईएस 398 पार्ट 4	27-8-2008

[संख्या सीएमडी-13 : 13]

पौ. के. गम्भीर, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3117.—In pursuance of sub-regulation (6) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988 of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licences particulars of which are given below have been cancelled with effect from the date indicated against each :—

SCHEDULE

SL No.	Licences No. CM/L	Name and Address of the Licensee	Article/Process with relevant Indian Standards covered by the licence cancelled	Date of Cancellation
1. 7486390	Suyog Electricals Ltd. A-2, 2205, GIDC, Halol Distt. Panchmahal-389350	Aluminium Conductors for overhead transmission purpose IS 398 (Part 4)	27-8-2008	

[No. CMD/13 : 13]

P. K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3118.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम 4 के उप-विनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

अगस्त 2008 में स्वीकृत किये लाइसेंस

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	फर्म का नाम तथा पता	वर्तपाद का नाम तथा आई एस नंबर	स्वीकृत करने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 7861794	पदमावती डैकोर प्रा. लि. प्लाट नंबर 47/48, फेस 1, जी आई डी सी आपी 396195, बलसाद	प्लाईवुड फार जनरल परपस आई एस 303 : 1989	प्लाईवुड फार जनरल परपस आई एस 303 : 1989	08-08-2008
2. 7865705	पदमावती डैकोर प्रा. लि. प्लाट नंबर 47/48, फेस 1, जी आई डी सी आपी 396195, बलसाद	वीनसड डैकोरेटिव प्लाईवुड आई एस 1328 : 1996	वीनसड डैकोरेटिव प्लाईवुड आई एस 1328 : 1996	22-08-2008

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
3.	7860489	श्रीजो कृष्ण बैंगल वर्क शहेप नंदर ५, पुनित शार्पिंग सेटर वाला ना रोड, मुमुक्षु	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	०४-०८-२००८
4.	7860590	ओम ज्यैलसॉ ११६२), सोनो की खादकी के नामन एम जी हवेली रोड, मानेक चोक अहमदाबाद	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	०४-०८-२००८
5.	7862293	धातुकृष्णा ज्वैलसॉ, डॉ गांधी रोड, एड तथा पी ओ, तालनुका लिप्पतार, मध्यप्रदेश	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	१२-०८-२००८
6.	7864804	पितृजाया बैंगल यर्क लाल नरस ; पुनित शार्पिंग सेटर, बोनाजी गलसी स्कूल के सामने, सूरज	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	१४-०८-२००८
7.	7866707	के भीरचंद्रभाई गोहड़ फैलोस, ३७-३८, सिटी काइट मार्किट, स्टेनन रोड, पाटन भेहसाना	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	२३-०८-२००८
8.	7866808	पानेकलात वी ज्वैलरम गामडीबाड़ के पास, सर्वोदय के सामने, आगरा	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस १४१७ : १९९९	२५-०८-२००८
9.	7868010	राज्योमार हेत्थ केवर इंडस्ट्रीज, बड़ोड़ा रोड, लिलोसरा चावर स्टेशन के पांच, छललेसर, गोद्वारा, राजमहल	पैकेजर्स फैलोसेंट आई एस १४५४ : २००४	२९-०८-२००८
10.	7867810	सांग इलेक्ट्रिकल, ई ५, चिरबू अपार्टमेंट, आजोद सेक्टर १० के सामने, अंबावाडी, अहमदाबाद-१	न्यायर्स फार फ्लोरोसेंट लैम्प आई एस २२१५	२६-०८-२००८
11.	7862089	ठन्क एनास्टो ट्रैकिन्क जा. लिमिटेड, एन एच १४, दीसा हाईवे, टोटल योग वड सामने चदरगुगा, परलनपुर इलाय मुजराह	सबमर्सियल पम्पसेट आई एस ८०३४ : २००२	०८-०८-२००८
12.	7862706	अमरज्ञोत इंडस्ट्रीज, सर्वे नंबर २१८/२, एट तथा पी ओ माधवास, हलोल कलोन हाइवे रोड, काशील	सबमर्सियल पम्पसेट आई एस ८०३४ : २००२	१२-०८-२००८
13.	7864703	वार्षेगन गम्प, ३११, आशीर्वाद, फुट मार्किट नगदा रोड, अहमदाबाद	सबमर्सियल पम्पसेट आई एस ८०३४ : २००२	१४-०८-२००८
14.	7866101	वीरगम मिमेट लिंपेंड, ३०५, लोमरी भौजिल, सम्मान कालानगर मत्त्याप मार्क के सामने, ज़राखपुर ग्रामपंचायत	४३ ग्रेड ओ पी सी आई एस ४११२ : १९८९	२२-०८-२००८

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
15.	7865503	सालर पम्प प्रा. लि. यूनिट 2, शिव शक्ति एस्टेट, खेमचंद दयालजी गोडाडन के पीछे, नेशनल हाईवे नंबर 8, नारोल अहमदाबाद	इलैक्ट्रिक बोनोसैट पम्प फार कलीयर कोल्ड बाटर फार एंग्रीक्सचरल तथा बाटर सप्लाई आई एस 9079 : 2002	21-08-2008
16.	7864093	पंकज इलैक्ट्रिकल, 13/5, संकल्प एस्टेट, पन्ना एस्टेट रोड, बी औ सी के पीछे, सोनी की चाल के पास, गरुदगाम अहमदाबाद	ओपलवैल सबमर्सिवल पम्पसैट आई एस 14220 : 1994	14-08-2008
17.	7865196	डिलाईट पम्प, 40, तिरुपति एस्टेट, अंबर सिनेमा के पीछे, बापुनगर अहमदाबाद	ओपलवैल सबमर्सिवल पम्पसैट आई एस 14220 : 1994	19-08-2008
18.	7867204	शालाजी फाइबर रेनिकोर्स प्रा. लि. सर्वे नंबर 293-1 और 2, सकारदा, भाद्रवा रोड, पोचा क्रासिंग के पास गाँव फोका खांडी	जो आर पी पाईप जाइंट तथा फिटिंग फार सिक्करेज, इंडस्ट्रियल वेस्ट तथा बाटर आई एस 14402 : 1996	26-08-2008
19.	7862695	सकेत बिवरेज, मठालक्ष्मी मंदिर के सामने, नाडा रोड, जाहेरा, पंचमहल	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	12-08-2008
20.	7863394	शक्ति बिवरेज, 168, कृष्ण एस्टेट, कोहिनूर फ्लॉर मिल के पास में, गोरखा लडोदरा	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	13-08-2008
21.	7866909	एल एस बिवरेज इंडस्ट्रीज 39 मठागुजरात इंडस्ट्रियल एस्टेट, रिलायेंस पेट्रोल पम्प के पास, गाँव मोरिया, चांगोदर, ता. सानंद, अहमदाबाद	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	26-08-2008
22.	7867002	भूमि बिवरेज, भाग्योदय होटल बिसिंग, सरखेज सानंद साइने, अहमदाबाद	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	26-08-2008
23.	7867608	डिलक्स बिवरेज, जलाय मंदिर गामढी रोड के पास, दाहोद-389170	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	27-08-2008
24.	7868105	फ्रेश पैकेज हिंदिंग बाटर ब्राह्मण फालिया, गुजराती स्कूल के पीछे, दिनडोली उधना	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008
25.	7868206	पैसिफिक किनस्टाक लिमिटेड, ५ वीं माऊल, गालव चैम्बर्स, सरकार स्टैचू के पास, सवाजीगंज, चडोदरा	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008
26.	7868408	सनराईस बिवरेज तथा फूड, 17-18, सप्लाई इंडस्ट्रियल एस्टेट, रेलवे क्रासिंग के पास, गोदादरा दिनडोली रोड, सूरत	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3118... In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule:

SCHEDULE**Granted licences for the month of August 2008**

S. No.	Licence No.	Name of the firm and address	IS Number & Product	Date of Grant
1	2	3	4	5
1	7861794	Padmavati Decor Pvt Ltd, Plot No 47/48 Phase-I GIDC Vapi 396195, Valsad	Plywood for General Purposes IS 303: 1989	8-8-2008
2	7865705	Padmavati Decor Pvt Ltd., Plot No 47/48 Phase-I GIDC Vapi 396195, Valsad	Veneered Decorative Plywood IS 1328:1996	22-8-2008
3	7860489	Shreeji Krupa Bangles Works Shop No 5 Punit Shopping Centre Balaji Road Surat	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	4-8-2008
4	7860590	Aum Jewellers 1162/1, Opp Soni Ni Khadki, M G Haveli Road, Manek Chowk, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	4-8-2008
5	7863293	Balkrushna Jewellers Dr. Gandhi Road, At & Po, Taluka Himatnagar Dist Sabarkantha	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	12-8-2008
6	7864804	Pitrukhaya Bangle Works Shop No.1, Punit Shopping Centre. Opp. Balaji Girls School Surat	Gold and Gold Alloys. Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	18-8-2008
7	7866707	K. Virchandbhai Gold Palace 37-38, City Point Market, Station Road, Patan Mehsana	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	25-8-2008
8	7866808	Maneklal V. Jewels Near Gamdiwad, Opp. Sarvoday Anand	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	25-8-2008
9	7868610	Shalimar Health Care Industries Baroda Road Behind Lilesra Power Station Lilesra Godhra Dist Panchmahals	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	29-8-2008
10	7867810	Sangam Electricals E/9, Birju Apartments, Opp. Azad Society, Ambawadi, Ahmedabad 15	Starters for Fluorescent Lamps IS 2215:2006	28-8-2008

1	2	3	4	5
11	7862089	Duke Plasto Technique Pvt. Ltd., N. H. 14 Deesa High Way, Opp. Hotel Green Wood, Badarpura, Palanpur (N. Gujarat)	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	8-8-2008
12	7862796	Amarjyot Industries Survey No. 208/2, At & PO Madhwas, Halol-Kalol Highway Road, Tal-Kalol	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	12-8-2008
13	7864703	Vardhman Pumps 212 Ashirwad Estate Opp Fruit Market Naroda Road, Ahmedabad	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	18-8-2008
14	7866101	Shriram Cement Limited 305 Third Floor Samaan Complex, Opp Satyam Mall Jodhpur Premchandnagar Raod Satellite, Ahmedabad	43 grade ordinary Portland cement IS 8112:1989	22-8-2008
15	7865503	Sabar Pumps Pvt. Ltd. (Unit 2), Shiv Shakti Estate Behind Khemchand Dayaljee S Godown National Highway No. 8 Narol, Ahmedabad	Electric Monoset Pumps for Clear, Cold Water for Agricultural and Water Supply Purposes IS 9079:2002	21-8-2008
16	7864093	Pankaj Electricals 13/5 Sankalp Estate Panna Estate Road B/H BOL Near Soni Chal Rakhial Ahmedabad	Openwell Submersible Pumpsets IS 14220:1994	14-8-2008
17	7865196	Delite Pumps 40, Tirupati Estate, B/H, Amber Cinema, Bapunagar	Openwell Submersible Pumpsets IS 14220:1994	19-8-2008
18	7867204	Balaji Fibre Reinforce Pvt. Ltd. Survey No. 293-1&2, Sakarda Bhadarva Road, Near Poicha Crossing, Village Poicha (Khandi)	GRP pipes joints and fittings for sewerage, industrial waste and water (other than potable) IS 14402:1996	26-8-2008
19	7862695	Sanket Beverages Opp Mahalaxmi Temple, Nada Road, Shahera Panchmahal	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	12-8-2008
20	7863394	Shakti Beverages 168, Krishna Estate, Beside Kohinoor Floor Mill, Gorwa Vadodara	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	13-8-2008
21	7866909	L S Beverages Industries 39, Maha Gujarat Industrial Estate, NR Relience Petrol Pump, Village Moriya Changodar, Tal Sanand, Dist Ahmedabad	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	26-8-2008
22	7867002	Bhoomi Beverages Bhagyoday Hotel Building Sarkhej Sanand Highway, Ta Ahmedabad	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	26-8-2008

1	2	3	4	5
23	7867608	Delux Beverages NR Jalai Mandir Gamdi Road Dahod 389170	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	27-8-2008
24	7868105	Fresh Packaged Drinking Water Brahmin Falta Behind Gujarati School Dindoli 393501	Packaged Drinking Water IS 14543:2001	29-8-2008
25	7868306	Pacific Enterprise Ltd 944 Piroor Chavda Chavda Near Sardar Stanze Sayajigunj Vadodara	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	29-8-2008
26	7868408	Sunrise Beverages & Co. 17-18 Samrat Industrial House Near Railway Crossing Godadara-Dindoli Road 393501	Packaged Drinking Water IS 14543:2001	29-8-2008

[No. CMD 13:11]

P. K. GAMITHIR, Dy. Director General (Marks)

ग्रंथालय, 20 नवम्बर, 2008

का.3।. 3119.—भारतीय पातक अनुसार प्रमाणण विभाग 1988 के विसियम 5 के उपर्याखियम 6 के अनुसरण में भारतीय पातक अनुसार अधिसूचित आया है कि निम्न विवरण द्वारा सुलिख वाले उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द कर दिया जाता है :- 26-7-2008 से 25-8-2008

अधिसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी का नाम व पर्याप्ति	लाइसेंस के अंतर्गत वर्ष्यु प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय पातक का विवरण	रद्द करने की तिथि
1	1149948	आर आर विन्डल्स पाला न. 3 अँड एन. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 चॉल, चंदपाकडी गांव, ६१०५३२ पाटी कोल्हाळी पाटीच्या, पुर्वी ४००५८२	भा. मा. 4246:2002 सिंगल, डबल, त्रिपल और फोर बर्नर स्टेनलेस स्टील बोटी के साथ ब्रास कॉप. यी आय बर्नर, एल यी जी के साथ प्रयोग होते चाहे जैस स्टीच	5-8-2008

[सोएमडी. 13:13]

पी. के. गमीर, उप महानिदेशक (मुद्रा)

New Delhi, the 20th November, 2008

S.O. 3119.—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the licences particulars of which are given in the following schedule have been cancelled with effect from the date indicated against each.

SCHEDULE

S. No.	Licence No.	Name and address of the licensee	Article/Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled	Date of Cancellation
1	1149948	R.R. Windals Gata No. 3& A-10, Haji Ali, Mumbai Chawla, Bandarpekhadi Road, Dhanukar Wadi, Khar, Mumbai (W) Mumbai -400067 Greater Bombay Kandivali West Maharashtra 400067	IS 4246:2002 Single, Double, Triple and Four Burner Stainless Steel Body with Brass Cap. C.I. Burner	5-8-2008

[No. CMD 13:13]

P. K. GAMITHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2008

का.आ. 3120.—भारतीय मानक व्यूरो प्रमाणन विनियम 1988 के विनियम 4 के उप-विनियम 5 के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :- 26-7-2008 से 25-8-2008

अधिसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	लागू तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	उत्पाद	भा. मा. स./ पाणि/अनुबंध
1	2	3		4	5
1.	7865095	18-08-2009	बीर इंजिनीयरिंग अँड अप्लायन्सेस, पहला माला, रोड नं. 3, सिंग इस्टेट, टाक्कुर विलेज, कांडिवली (पूर्व), पुणे-400101	एल पी जी के साथ प्रयोग हेतु घरेलू गैस स्टोर	भा. मा. 4246:2002
2.	7864396	17-08-2009	रुक्मणीरामा स्टोल रोलिंग्स, (मैलिंग डिव्हीजन), प्लॉट नं. एल-17, कनकोलिम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कनकोलिम, सालसेट, गोवा-403703,	सामान्य संरचना इस्पात में पुनर्वैलन के लिए कार्बन फलवां इस्पात, बिलेट, इंगट बिलेट, ब्लूम और स्लैब की विशिष्टि	भा. मा. 2830:1992
3.	7860994	29-07-2011	कावेरी ज्वेलर्स, 7, साई-धाम निवास, यशोधाम नगर के नजदीक, बस स्थानक, लोकमान्य नगर नं. 2, ठाणे - 400606	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417:1999
4.	7863802	12-08-2011	प्रकाश ज्वेलरी ए-66, बिंग-स्लैश, सेक्टर 17, वारो, नवी मुंबई 400705	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417:1999
5.	7863192	3-08-2011	मंगलमणी ज्वेलर्स, शॉप नं. 9, चैरल कृष्ण बिलिंग, लक्ष्मी मार्केट के सामने, एन जी आचार्य मार्ग, स्टेशन रोड, चैरल, पुणे-400071	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417:1999
6.	7866606	24-08-2011	नवकार ज्वेलर्स, शॉप नं. 8, टाक्कुर आर्केड, विका सुपर मार्केट, वसई विकास बैंक, विरार (परिचम), ठाणे 401303	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417:1999
7.	7862392	10/08/2009	वेस्ट कोएस्ट इन्गेनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 1, कुरैम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुरैम, उत्तर गोवा 403115	सामान्य संरचना इस्पात में पुनर्वैलन के लिए कार्बन फलवां इस्पात, बिलेट, इंगट बिलेट, ब्लूम और स्लैब की विशिष्टि	भा. मा. 2830: 1992

		3	4	5	
8.	7864404	24/08/2009	कर्वाचूल मंदिर इंडस्ट्रीज, (ए. हिविला) प्रैक्टिक व्हिलीर मेटल्स ऑन्ड एक्स प्रा. लि.), एस न. १६३-१८, सायली गाँव, सिल्वारा, दृष्टि और नार हड्डेली - ३९६२३०	साप्तर्ण मरणना प्रवाजनों के लिए इमग्रेश-विशिष्ट	भा. मा. 2162; 1999
9.	7864295	12/08/2011	शा. ज्योतिरा लुम्बाजी ओसवाल, १९७०ए, बाजरचंड, रत्नागिरी, निपटन ५१३६०५	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
10.	7889306	28/07/2011	ज्योतरबा, ३३०, पुरापोतम खिला, ३३९, पुरापोतम खिला, सातवाँ रोड, छारा, मुंबई-४०००५२	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
11.	7864497	13/08/2011	इकात अंडवार्ड्जर लिमिटेड, नोंदहवाँ माला, एक्सप्रेस टाउर, नरीमन पॉइंट, मुंबई-४०००२१	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
12.	7861188	03/08/2011	आर ऊ वैगा प्रा. लि., चूनिट नं. २५२, ए-जेट अंडिस्ट्रियल इस्टेट, जो के भारी लोअर परेल, मुंबई ४०००१३	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
13.	7862211	10/08/2009	मोदित डग्गान निगिटेव, प्लाट नं. ३५५-३५६, कुंदन इडांगाजन इस्टेट पोहा इलाया-पा. ४०३११५	मापदं यंत्रणा उभयत में पूर्वललन के लिये कर्वेन दलवाँ इमग्रेश, पिलंट, इंगट पिलंट, ल्यूग और स्नैच को विशिष्ट	भा. मा. 2830; 1992
14.	7860303	24/08/2009	ओ शेषव डग्गान प्रा. लि., गट नं. ३५२, प्रैक्टिक भारत फिल्म्स इंडिया एंड, शापुल खंडवाडी, तालुका बाटा, दागे	सामना वंगमा प्रयोगों के लिए उभयत विशिष्ट	भा. मा. 2062; 1999
15.	7889681	31/07/2011	अनमोन नवर्ण्य, ३, विष्वास मंदिर चौक, फुलोग इला, आवा.आन्ध्रा. मेन गट, गवर्नर, पुर्णे-४०००७६	मर्दां और मर्दां स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
16.	7861289	03/08/2011	आरी गढ़, २०९, अवना इंडिस्ट्रियल इस्टेट, सर्वामय कंसल्टेंट, लोअर परेल, मुंबई ४०००१३	मर्दां और मर्दां स्वर्ण मिश्र धानुओं के आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता व मूहरकल	भा. मा. 1417; 1999
17.	7864501	13/08/2011	ए.ए.ए. लैंबारे, चौ.२ एक्सप्रेस ३०३१४,	मर्दां और मर्दां [प्रथा] उभयत के आभूषण	भा. मा. 1417; 1999

1	2	3	4	5	6
18.	7863091	10-08-2011	कोहिनूर ज्वेलर्स, 7, सुकुमार कॉर्नर, दाकद बाग, 127 जे.पी. रोड, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई-400058	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
19.	7859508	29-07-2011	एस.जी. बाफना ज्वेलर्स प्रा.लि., 275, बाजारपेट थोलिस स्टेशन, मिंवँडी, ठाणे 400058	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
20.	7859104	28-07-2011	डॉ-निलांक्षण्योर्ट ऑन्ड इम्पोर्ट, 502, रिगल, एस छो रोड, सांताकुब पश्चिम, मुंबई-400054	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
21.	7864905	12-08-2011	एडवेन्चर ज्वेलर्स, सुप्रिय मार्केट, किलवानी रोड, सिल्वासा, दादरा ऑन्ड नगर हवेली-396230	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
22.	7864602	13-08-2011	ऑलिवन ज्वेलर्स, 307, गोल्डन प्लाजा, 93/95, धानजी स्ट्रट, मुंबई-400003	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
23.	7860691	31-07-2011	जाधव ज्वेलर्स, शॉप नं. जी.37, नेहरु नगर, बवे रोड, कुरुक्षेत्र पूर्व, मुंबई-400024	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999
24.	7858708	21-07-2011	हिंतेश ज्वेलर्स, 7/9, डी डी प्लाजा, तीसरा अंगियारी लेन, 103/105, प्रथम तला, जावेरी बाजार, प्रेटर बाबू, महाराष्ट्र 400003	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/ शिल्पकारी-शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417: 1999

[स. सी. एम. डी/13 : 11]

पी.के. गम्भीर, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 20th November, 2008

S.O. 3120—In pursuance of sub-regulation (5) of Regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule : (26 July, 2008 to 25 August, 2008)

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Validity Date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./Part/ Sec/Year
1	2	3	4	5	6
1	7865095	18-8-2009	Veer Engineering & Appliances, 1st Floor, Road No. 3, Singh Estate, Thakur Village, Kandivali (E), Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400101	Domestic Gas Stoves for use with Liquefied Petroleum Gases- Specification	IS 4246: 2002

1	2	3	4	5	6
2	7864396	17-8-2009	Rukminirama Steel Rollings Pvt. Ltd., (Melting Division.) Plot No. L-17, Cuncolin Indl. Estate, Cuncolin, Salcete, GOA-403703 North Goa SALCETE Goa-403703	Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes	IS 2830: 1992
3	7860994	29-7-2011	Kaveri Jewellers, 7, Sai-Dham Niwas, Near Yashodhan Nagar Bus Stop, Lokmanya Nagar No. 2, Thane, Maharashtra-400606	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery Artefacts- Fineness and Marking-Specification	1999
4	7863802	12-8-2011	Prakash Zaveri, A-66, Big-Splash, Sector 17, Vashi, Navi Mumbai Thane, Navi Mumbai, Maharashtra-400705	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery Artefacts- Fineness and Marking-Specification	1999
5	7863192	3-8-2011	Mangal Mani Jewellers, Shop No. 9, Inside Bhairav Kripa Bldg., Opp. Laxmi Market, NG Acharya Marg, Station Road, Greater Bombay, Chembur, Maharashtra-400071	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery Artefacts- Fineness and Marking-Specification	1999
6	7866606	24-8-2011	Navkar Jewellers, Shop No. 8, Thakur Arcade, Viva Super Market, Opp. Vasai Vikas Bank, Thane Virar (W) Maharashtra-401303	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery Artefacts- Fineness and Marking--Specification	1999
7	7862392	10-08-2009	West Coast Ingots Private Limited, Plot No. 1, Kundaim Industrial Estate, Kundaim, GOA- 403115 North Goa, Kundaim Goa Marking-403115	Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes	IS: 2830 1992
8	7866404	24-08-2009	Quartz Metal Industries, (A Division of Balbir Metals & Power Pvt. Ltd.), S. No. 263/2/8 Village Sayli, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa Dadra and Nagar Haveli 396230	Steel for General , Structural Purposes- Specification	IS : 2062 1999
9.	7864295	12-08-2011	Sha Jawanmal (Lumbaji) Oswal, 1999, Bazaerpeth Ratnagiri Chiplun Maharashtra 415605	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery Artefacts- Fineness and Marking-Specification	1999
10.	7859306	28-07-2011	Jeweleravi, 339, Putshottam Villa, 7th Road, Greater Bombay Khar (W), Maharashtra-400052	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery/Artefacts Fineness and Marking-Specification	1999
11.	7864497	13-08-2011	ECAL Advisors Limited, 14th Floor, Express Towers, Nariman Point, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400021	Gold and Gold Alloys, IS: 1417 Jewellery/Artefacts Fineness and Marking-Specification	1999

1	2	3	4	5	6
12.	7861188	03-08-2011	R.G. Bangle Pvt. Ltd., Unit No. 252, A-Z Industrial Estate, G.K. Marg, Lowerparel, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400013	Gold and Gold Alloys, IS:1417 Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking Specification	
13.	7862291	10-08-2009	Mohit Ispat Limited, Plot No. 339/340 Kundaim Indl. Estate, Kundaim, Ponda, GOA, North Goa, Kundaim, Ponda, Goa-403115	Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural pur- poses	IS 2830: 1992
14.	7866303	24-08-2009	Shree Vaishnav Ispat Pvt. Ltd., gut No. 352, off Bharat Fertilizer Road, Bagul Kharewali, Thane Tal wada Maharashtra	Steel for General Structural Purposes- Specification	IS 2062: 1999
15.	7859609	31-07-2011	Anmol Jewellers, 3, Vimla Sadan Chawl, Opp. Phulora Hsg. Soc., IIT Main gate, Powai, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400076	Gold and Gold Alloys, IS 1417: Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking- Specification	
16.	7861289	03-08-2011	Arya Gold, 209, Parvati Indl. Estate, Sunmill Compound, Lower Parel, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400013	Gold and Gold Alloys, IS 1417: Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking Specification	
17.	7864501	13-08-2011	S.M. Jewellers B/2, Sector 15, 13/18, Bldg. No. 8, Road No. 4 Vashi, Thane Navi Mumbai, Maharashtra-400703	Gold and Gold Alloys, IS:1417 Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking- Specification	
18.	7863091	10-08-2011	Kohinoor Jewellers, 7, Sukumar Corner, Dawood Baug, 127 J.P. Road, Andheri (W), Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400058	Gold and Gold Alloys, IS:1417 Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking- Specification	
19.	7859508	29-07-2011	S.G. Bafna Jewellers Pvt. Ltd., 275, Bazarpeth, Opp. Bazarpeth Police, Station Thane, Bhiwandi, Maharashtra-421302	Gold and Gold Alloys, IS:1417 Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking- Specification	
20.	7859104	28-07-2011	Do-Nil Export and Import 502, Regal, S.V. Road, Santacruz (W), Greater Bombay, Maharashtra-400054	Gold and Gold Alloys, IS:1417 Jewellery/Artefacts- 1999 Fineness and Marking- Specification	
21.	7864905	12-08-2011	Adventure Jewellers Supreme Market, Kilwani Road, Silvassa Dadra and Nagar Haveli Silvassa, Dadra and Nagar Haveli- 396230	Gold and Gold Alloys. IS:1417 Jewellery/Artefacts- 1999 Fineness and Marking- Specification	
22.	7864602	13-08-2011	Allwin Jewellers, 307, Golden Plaza, 93/95, Dhanji Street, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400003	Gold and Gold Alloys, IS:1417 . Jewellery/Artefacts- 1999 Fineness and Marking- Specification	

1	2	3	4	5	6
23.	7860691	31-07-2011	Jadbay Jewellers, Shop No. G-37, Nehru Nagar, Barve Road, Kurla (E), Greater Bombay, Mumbai Maharashtra-400024	Gold and Gold Alloys, IS : 1417 Jewellery/Artefacts- 1999 Fineness and Marking- Specification	
24.	7858708	21-07-2011	Hitesh Jewellers 79, DD Plaza, 3rd Agiyari Lane, 103/105 1st Floor, Zaveri Bazar, Greater Bombay, Maharashtra-400003	Gold and Gold Alloys, IS : 1417 Jewellery/Artefacts 1999 Fineness and Marking- Specification	

[No. CMD 11111]

P.K. GAMKAR, Dy. Director General/Marks

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2008

का.आ. 3121. भारतीय मानक व्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के संदर्भ में इन व्यापार में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसृती में दिये गये मानक (ओं) में संशोधन किया गया/किया जाये :

अनुसृती

क्रम	संशोधित भारतीय मानक	संशोधन दली मंलग और तिथि	संशोधन लागू होने का दिन
संख्या	की संख्या और तर्फ		

(1)	(2)	(3)	(4)
1	आई एस 4326 : 1993	संशोधन संख्या 4, अक्टूबर, 2008	31 अक्टूबर 2008

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक व्यूरो, भारत, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, नेल्लई, मुम्बई लघा शह, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे तथा तिम्बा : हातु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सोईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियर)

New Delhi, the 20th November, 2008

S.G. 3121—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS 4326 : 1993	Amendment No. 4, October 2008	31 October 2008

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manek Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhurbaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: CED/Gazette]

A. K. SAINI, Sc. 'F' & Head (Civil Engg.)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का.आ. 3122.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 से प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 255 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-पालसमुद्रम, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेनै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफ़ेरेंस से देवनगुडि टर्मिनल, बैगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह सम्पादन हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : पालसमुद्रम		जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
गाँव का नाम	संख्यण संखण सं.	उप-खण्ड सं.	श्रेत्रफल			वर्ग मिटर
			हेक्टर	एकर		
1	2	3	4	5	6	
47, श्रीकोवेरिराजुपुरम	111	8	00	00	81	
	111	9	00	00	81	
	111	15	00	02	83	
48, पालसमुद्रम	76	9	00	01	21	
49, वैगलराजुकुप्पम	185	2	00	02	83	
	148	5	00	02	83	
	86	2	00	00	81	
	33	8	00	08	10	
50, अमुदला	265	5	00	07	29	
	251	10	00	01	62	
51, अमिदुला पुत्तुर	98	1	00	00	81	
	98	2	00	00	81	
	98	3	00	01	21	
	103	2	00	00	81	

[फा. सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर-1]

एस. के. चिट्कारा, अवर सचिव

Ministry of Petroleum and Natural Gas

New Delhi, the 11th November, 2008

S.O. 3122.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. No. 255 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Palasamudram, Dist. Chittoor, State Andhra Pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, Manali to Devangudi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited. And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20-05-2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government; And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Palasamudram		District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Acre	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
47. SRIKAVERIRAJUPURAM	111	8	00	00	81	
	112	9	00	00	81	
	113	15	00	02	83	
48. PALASAMUDRAM	79	9	00	01	21	
49. VENGALRAJUKUPPAM	186	2	00	02	83	
	145	5	00	02	83	
	86	2	00	00	81	
	33	8	00	08	10	
50. AMUDALA	265	5	00	07	29	
	251	10	00	01	62	
51. AMUDALA PUTTUR	94	1	00	00	81	
	93	2	00	00	81	
	89	3	00	01	21	
	102	2	00	00	81	

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3123.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 से प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 256 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-चित्तूर, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनरी से देवनगुड़ि टर्मिनल, बैंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार भें निहित होने के बजाय सभी विल्लागमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : चित्तूर	जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश			
	सरक्षण स-खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हंकटर	एयर	वर्ग मिटर	
गाँव का नाम	1	2	3	4	5	6
55, अनंतपुरम्	212	2A	00	04	05	
	177	2	00	00	81	
	177	5	00	00	81	
	112	9	00	02	43	
	112	6	00	03	24	
	114	3	00	01	21	
	114	9	00	00	81	
	115	7	00	00	81	
57, तालांबेडु	51	5D	00	00	81	
	51	6C	00	00	81	
	51	8	00	01	21	
	63	1	00	00	81	
	63	2	00	01	21	
	63	5	00	02	43	
	63	6	00	02	02	
	63	9	00	01	21	
	63	10	00	00	81	

	1	2	3	4	5	6
57, तालोबड़ी गां.	69	2	00	01	62	
	69	1A	00	04	05	
58, चिंतलगुंडा	41	11	00	01	21	
60, गारियापेट्टि	257	3	00	02	02	
	08	3	00	00	81	
61, अनुपवन	153	7	00	00	81	

[का. सं. क्र. 25011/5/2007-ओ.आर-
एम. के. चिट्टोर, अयर सर्व]

New Delhi, the 11th November, 2008

S.O. 5123.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 256 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Chittoor, Dist. Chittoor , State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited .

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Chittoor		District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Afe	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
55, ANANTAPURAM	212	2A	00	04	05	
	177	2	00	00	81	
	177	5	00	00	81	
	112	9	00	02	43	
	112	6	00	03	24	
	114	3	00	01	21	
	114	9	00	00	81	
	115	7	00	00	81	
57, THALAMBEDU	51	5D	00	00	81	
	51	5C	00	00	81	
	51	8	00	01	21	
	63	1	00	00	81	
	63	2	00	01	21	
	63	5	00	02	43	
	63	6	00	02	02	
	63	9	00	01	21	
	63	10	00	00	81	
	69	2	00	01	62	
	69	1A	00	04	05	
58, CHINTALAGUNTA	41	11	00	01	21	
60, NARIGAPALLE	257	3	00	02	02	
	99	3	00	00	81	
61, ANUPPALA	153	7	00	00	81	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I]

S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3124.—केंद्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 257 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-गंगावरम, जिला-चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनरी से देवनगुद्धि टर्मिनल, बैंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हैंडियन ऑफल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन विछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय को घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सचिव प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केंद्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केंद्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिल्डने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि परे विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी वित्तसंगठनों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : गंगावरम	जिला : चित्तूर			राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
	गाँव का नाम	संबंधित से-खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल	हेक्टर	एकर
1	2	3	4	5	6	
74. गंगावरम	761 763 763	7 3A 3	00 00 00	02 16 04	43 32 06	
75. सारद्युपल्लि	131 129	7A 3	00 00	00 02	01 02	
76. दंटपल्लि	906	1B	00	00	48	
78. गाणपत्यम्	661 661 523 523 523	2 4 1 2B 2C	00 00 00 00 00	01 01 08 07 01	64 62 10 29 21	
79. पारिक्कोडा	421 421 312 150	3 1 1A 1	00 00 00 00	05 06 12 01	20 48 96 62	
80. कोल्लापुरम्	117 91 91	3 1 4	00 00 00	05 03 02	26 07 02	

[पा. सं. आर-250 '1/5/2007 अं.आर. 1]

एन. के. चिह्नकारा, अवार मन्त्री

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3124.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 257 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Gangavaram, Dist. Chittoor , State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguihi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited .

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 - 05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Gangavaram	District : Chittoor	State : Andhra Pradesh	Area		
			Hectare	Are	Sq. Mtr.
1	2	3	4	5	6
74, GANGAVARAM	761	7	00	.02	43
	739	3A	00	18	32
	769	3	00	04	05
75, MAREDUPALLI	131	7A	00	00	.81
	129	3	00	02	02
76, DANDAPALLE	806	1B	00	06	48
78, MAMADUGU	661	2	00	01	62
	661	4	00	01	62
	523	1	00	08	10
	523	2B	00	07	29
	523	2C	00	01	21
79, PATHIKONDA	421	3	00	05	26
	421	1	00	06	48
	312	1A	00	12	96
	150	1	00	01	62
80, KEELAPALLI	117	3	00	05	26
	91	1	00	06	07
	91	4	00	02	02

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3125.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 258 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपावद अनुसूची मंडल-विजयपुरम, जिला- चित्तूर, राज्य अन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफ़ैनरी से देवगढ़ि टर्मिनल, वैगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन विछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के आपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतिक्रिया ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा था गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपावद अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन विछाने के लिए इस अधिसूचना से उपावद अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से भुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

गाँव का नाम	जिला : चित्तूर		राज्य : अन्ध्रप्रदेश		
	सर्वक्षण सं-खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एकर	बग्ग मिटर
1	2	3	4	5	6
28. श्रीहरिपुरम	136	15A	00	01	62
	133	19	00	02	83
	124	2	00	04	86
	124	3	00	06	07
	124	5	00	01	21
29. महाराजापुरम	47	2	00	05	10
	45	5	00	07	29
32. पाथअरकोट	246	3	00	02	43
	101	1	00	00	81
	154	3A	00	07	29
	154	3B	00	08	10
	155	6	00	07	29

[फा. सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर.-I]

एस. के. चिटकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3125.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 258 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Vijayapuram, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20-05-2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Vijayapuram	District : Chittoor		State : Andhra Pradesh			
	Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area		
1				Hectare	Are	Sq. Mtr.
28, SRIHARIPURAM		136	15A	00	01	62
		133	19	00	02	83
		124	2	00	04	86
		124	3	00	06	07
		124	5	00	01	21
29, MAHARAJAPURAM		47	2	00	08	10
		48	5	00	07	29
32, PATHA ARCOD		246	3	00	02	43
		101	1	00	00	81
		154	3A	00	07	29
		154	3B	00	08	10
		155	6	00	07	29

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I]
S. K. CHITKARA, Under Secy.

नंद दिवाली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3126.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 259 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-बैरेलीपल्लि, जिला-चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चैनै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफेनेरी से देवनगुहि टर्मिनल, बैगतुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियोगी वा. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : बैरेलीपल्लि		जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
गाँव का नाम	सर्वेक्षण सं. खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
	1	2	3	4	5	6
83, गांवानीमन्डल	८५	१	००	०१	२१	
84, अनान्दमन्डल	८२०	१	००	०६	०७	

[का. सं. आर. 25011.5/2007-ओआर-1]
एग. के. चिट्कारा, अमर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3126.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 259 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its Intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Baireddypalli, Dist. Chittoor , State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited .

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Baireddypalli		District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Are	Sq. Mtr.	
1 83, GOLLACHEEMANAPALLI	2 65	3 1	4 00	5 01	6 21	
84, ALAPALLI	269	1	00	06	07	

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3127.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 260 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-बंगारुपालेम, ज़िला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफ़ेरेंस से देवनगुडि टर्मिनल, बैंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20 - 05 -2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है :

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लामों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : बंगारुपालेम	ज़िला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
	संदर्भ सं-खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एकर	वर्ग मिटर
गाँव का नाम	खण्ड सं.				
1	2	3	4	5	6
69, नंबुर्चरपल्लि	103	2	00	01	62
	99	1	00	02	83
70, गोल्लामल्ले	90	6	00	02	02
	90	8	00	01	21
	147	1	00	10	12
72, गांगिनि	173	2	00	02	02
	172	2	00	03	24
	99	2	00	04	05
	48	1	00	09	31
	140	5	00	02	02
	48	4	00	08	10
	51	4	00	11	34

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3127.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 260 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Bangarupalyam, Dist. Chittoor , State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manall to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Bangarupalem		District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Acre	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
69, JAMBUVARIPALLI	103	2	00	01	62	
	99	1	00	02	83	
70, GOLLAPALLE	90	6	00	02	02	
	90	8	00	01	21	
	147	1	00	10	12	
72, MOGILI	173	2	00	02	02	
	172	2	00	03	24	
	99	2	00	04	35	
	48	1	00	09	31	
	146	5	00	02	02	
	48	4	00	08	10	
	51	4	00	11	34	

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3128.—केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 से प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्रकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 261 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-यादामारि, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पनाली कि रिफैनरी से देवनगुड़ि-टर्मिनल, बैगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता 20 - 05 -2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है :

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विलगणों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : यादामारि		जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
गाँव का नाम	सरकारी संख्या सं.	उप-खण्ड सं.		क्षेत्रफल		
1	2	3	4	हेक्टर	एकर	बर्ग मिटर
64, पेरियांबाडि	246	1A	00	04	86	
	246	1C	00	01	62	
	246	1E	00	03	64	
	243	3	00	02	02	
	242	4	00	01	62	
	237	1	00	14	02	
68, बुडिटिरेड्डिपल्ले	76	3	00	04	86	
	41	7	00	02	02	
	42	5	00	04	05	

[का. सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर.-I]

एम. के. चिट्कारा, अमर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3128.—Whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.No. 261 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Yadamari, Dist. Chittoor , State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited .

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 - 05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Yadamari		District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
64, PERIYAMBADI	246	1A	00	04	86	
	246	1C	00	01	62	
	246	1E	00	03	64	
	243	3	00	02	02	
	242	4	00	01	62	
	237	1	00	14	02	
66, BUDITIREDDIPALLE	76	3	00	04	86	
	41	7	00	02	02	
	42	5	00	04	05	

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3129.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बैगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिथाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिवीजन, हाउस नं. 142/2, 2 - क्रस, मुनी रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसवाड़ी, बैगलुरु-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा ।

अनुसूची

तालूका : मुलबागल	जिला : कोलार	राज्य : कर्नाटक		
		शत्रफल		
गाँव का नाम	सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एकड़	बग मीटर
1	2	3	4	5
रामचन्द्रपुरा	82	00	00	48
पड़ाकास्ति	69/5	00	38	69
चित्थेरी	77	00	23	78
	78	00	05	04
	65/3	00	02	18
	64	00	18	60
	66/P1	00	39	60
बन्डहल्लि	4/1 } 4/2 }	00	27	36
मिणिजेनहल्लि	20/5 82/6	00 00	01 03	83 21

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3129.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Doddabanasavadi Bengaluru – 560043.(Karnataka)

SCHEDULE

Taluk : Mulbagal	District : Kolar	State : Karnataka		
		Area		
Name of the village	Survey No/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
RAMACHANDRAPURA	82	00	00	48
PADAKASTI	69/5	00	38	69
CHITTHERI	77	00	23	78
	78	00	05	04
	65/3	00	02	18
	64	00	18	60
	66/P1	00	39	60
BANDAHALLI	4/1 } 4/2 }	00	27	36
MINIJENAHALLI	20/5	00	01	83
	82/6	00	03	21

वा. अ. 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3130.—केंद्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि गमिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य दें बेंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 7% पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केंद्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जो इस आधिकारिक से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपर्योग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 वा 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपर्योग का अधिकार का अर्जन करने के आगे आशय की घोषणा करता है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्ता अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता के उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिवीजन, हाउस नं. 142/2, 2 - क्रस. मुर्ना रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसबाड़ी, कर्नाटक-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा ।

अनुसूची

तालूका : बंगरपेट	ज़िला : कोलार	राज्य : कर्नाटक		
		क्षेत्रफल	हेक्टर	एकर
ग्राम का नाम	मर्यादित नं. रुप-खण्ड सं.			
बादंडाहल्लि	16	00	00	20
	64	00	27	00
मावहल्लि	58/2	00	00	18
	57/2	00	04	75
मुगालावेले	72/4	00	10	52
	156/2	00	00	40

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3130.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Doddabanasavadi Bengaluru – 560043.(Karnataka)

SCHEDULE

Taluka:-Bangarpet	District:- Kolar	State :- Karnataka		
		Area		
Name of village	Survey No/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
VADANDAHALLI	16	00	00	20
	64	00	27	00
MAVAHALLI	58/2	00	00	18
	57/2	00	04	75
MUGALBELE	72/4	00	10	52
	156/2	00	00	40

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3131.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बेगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाइ जानी चाहिए;

और, केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की वोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इकोसिस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिवीजन, हाउस नं. 142/2, 2 - क्रस, मुनी रैडी लेआउट, हारमाव मेन रोड, डोडा बानसवाड़ी, बैंगलुरु-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा।

अनुसूची

तालुका : मालुर	ज़िला : कोलार	राज्य : कर्नाटक		
		क्षेत्रफल		
गाँव का नाम	सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एकर	बग्गे मोटर
1	2	3	4	5
नाक्कनाहलिल	74	00	27	00
निश्चरमंगला	155	02	26	15
कडसनहलिल	9	00	03	60
पुरमाकनहलिल	29	00	16	25
योशवन्तपुरा	98/1	00	19	15
	19/6P1	00	03	92
भाङ्कडथुरु	60	00	11	87
	158	00	12	24

[फा. सं. अर-25011/8/2007-ओ.आर.-1]

एम. के. चिटकारा, अबर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3131.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Doddabanasavadi Bengaluru – 560043. (Karnataka)

SCHEDULE

Taluka : Malur	District : Kolar	State : Karnataka		
Name of village	Survey No/Sub-division No	Area		
		Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
NAKKANAHALLI	74	00	27	00
NIDHARAMANGALA	155	02	26	15
KADASANNAHALLI	9	00	03	60
PURAMAKANHALLI	29	00	16	25
YESHWANTHAPURA	98/1	00	19	15
	19/6P1	00	03	92
DHADDA KADATHURU	60	00	11	87
	158	00	12	24

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का. आ. 3132.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बैंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है :

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिवाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिवीजन, हाउस नं. 142/2, 2 - क्रास, मुनी रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसवाडी, बैंगलुरु-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा ।

अनुसूची

तालूका : होसकोटे	जिला : बैंगलुरु रुल	राज्य : कर्नाटक		
		क्षेत्रफल	हेक्टर	एकर
गाँव का नाम	सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं.			
1	2	3	4	5
कटिगेनाहल्लि	58	00	07	20
देवरगेल्लहल्ली	21	00	01	00

[फा. सं. आर-25011/8/2007-ओ.आर.-I]

एस. के. चिट्कारा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3132.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout ,Horamavu Main Road, Doddabanasavadi Bengaluru – 560043.(Karnataka)

SCHEDULE

Taluka : Hoskote	District : Bengaluru Rural	State : Karnataka		
		Area		
Name of village	Survey No/Sub-division No	Hectare	Are	Sq. mtr.
1	2	3	4	5
KATTIGENAHALLI	58	00	07	20
DEVROGOLLAHALLY	21	00	01	00

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 2008

का. आ. 3133.— केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1296 तारीख 5 जून, 2008, जो भारत के राजपत्र तारीख 7 जून, 2008 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मध्यप्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए बीना—कोटा पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 18 सितम्बर, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : अशोक नगर		जिला : अशोक नगर		राज्य : मध्य प्रदेश
क्र.सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	
1	2	3	4	
1	खजूरिया खुद	173	0.1625	
2	बीरपुर	133	0.0800	
		113	0.5495	
		101	0.3900	
3	सागर	85	0.0585	
		86	0.2080	
		88	0.0910	
		110	0.3125	

क्र.सं.	योग का नाम	सर्वे नंबर	कोट्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
4	आमखोड़ा तूमेन	266 3 1	0.0715 0.1755 0.6910
5	डंगाढी	257 252	0.1500 0.2500
6	मेंसरवास	732 614 496 499 475 473	0.0150 0.1305 0.2990 0.1655 0.1610 0.0590
7	दासरा	131 133 122 107	0.3000 0.4450 0.2650 0.4665
8	कुरवाय	117	0.0900
9	बहरीफलार	12 14 15	0.0845 0.3835 0.3185
10	दमोह	245	0.1560
11	भड़ी कानूनगाँ	244 110 382 20 404	0.1400 0.1235 0.3705 0.2600 0.4945
12	विजयपुरा	96	0.1300
13	कैथाई	78 180 148	0.3030 0.0050 0.1040
14	केलारस	51 41	0.1885 0.2210

[का. सं. आर-31015/8/2008-ओ.आर-II]

ए. गोस्त्यामी, अमर सचिव

New Delhi, the 27th November, 2008

S. C. Chauhan, Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas Sector, No. 1205, dated the 5th June, 2008, issued in the sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Use in Land) Act, 1962 (33 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 7th June, 2008, the Central Government declared its intention to acquire the right of way in the land, specified in the Schedule appended to the notification for the purpose of laying a pipeline for transportation of petroleum products through Bina-Kota (Dhroni) Pipeline Project in the state of Madhya Pradesh to Kota in the State of State of Raigarh, Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas no objection or other contrary contention were made available to the public on the 1st August, 2008;

A notice containing statement made under sub-section (1) of section 3 of the said Act,
is hereby published as follows:

Notified by the Secretary to the Government of India by the said notification, being entitled
Central Government, that the said pipeline has decided to exercise the right of user
hereunder.

Now, therefore, notice is hereby given that, in accordance by sub-section (1) of section 3 of the said
Act, it is hereby notified that the said pipeline has decided the right of user in the land, so specified
in the Schedule appended to the notification acquired for laying the said pipeline.

And further, notice is hereby given that, in accordance by sub-section (1) of section 3 of the said
Act, the right of user so acquired shall be for laying the right of user in the said land for laying
and maintaining the said pipeline, which is the Central Government, on the date of the
notification, namely, the 27th November, 2008, Bharat Petroleum Corporation Limited, file from th-

SCHEDULE**TEHSIL : ASHOK NAGAR DISTRICT : ASHOK NAGAR STATE : MADHYA PRADESH**

S.N.C.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
1	KHAJURIA KHURD	173	0.1625
2	BIRPUR	133	0.0800
		113	0.5495
		101	0.3900
3	SAGAR	85	0.0585
		86	0.2080
		88	0.0910
		110	0.3125
4	AMEKHEDA TUMEN	266	0.0715
		3	0.1755
		1	0.6910
5	DANGAHI	257	0.1500
		252	0.2500
6	BHAISARWAS	732	0.0150
		614	0.1305
		496	0.2990
		499	0.1655
		475	0.1610
		473	0.0590
7	BASRA	131	0.3000
		133	0.4450
		122	0.2650
		107	0.4665
8	KURVAY	117	0.0900
9	BAHERI PACHHAR	12	0.0845
		14	0.3835
		15	0.3185
10	DAMOH	245	0.1560
		244	0.1400

S.NO.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
11	MADHI KANUNGO	110 382 20 404	0.1235 0.3705 0.2600 0.4915
12	VIJAYPURA	96	0.1300
13	KAITHAI	78 180 148	0.3030 0.0050 0.1040
14	KELARAS	51 41	0.1885 0.2210

[No. R-31015/8/2008-O.R.-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 2008

का. आ. 3334 — पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भू उपयोग अधिकार अधिग्रहण) अधिनियम 1962 (1962 के 50) के छंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री के नागेश्वर राव, स्पेशल डिप्टी कलेक्टर, आंध्र प्रदेश सरकार को आंध्र प्रदेश राज्य की सीमा में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की विशाख-विजयवाडा-सिकन्द्राबाद पाइप लाइन में श्री टी अप्पाराव, जिन्हें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस.ओ. 3320 के द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 2007 को प्राधिकृत किया गया था, के स्थान पर उक्त अधिनियम के दृष्टि सक्षम प्राधिकारी के रूप में कार्य करने और कार्य लिप्पाइन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[का. सं. नं. R-31015/11/2003-ओ.आर. II]

ए. गोस्वामी, अबर सचिव

New Delhi, the 25th November, 2008

s.o. 3334.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorizes Shri K. Nageswara Rao, Special Deputy Collector, Government of Andhra Pradesh to perform the functions of competent authority under the said Act within the territory of the State of Andhra Pradesh for Hindustan Petroleum Corporation Limited's Visakh-Vijayawada-Secunderabad Pipeline in place of Shri T. Appa Rao authorized vide notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3320 dated the 16th November, 2007

[No. R-31015/11/2003-O.R.-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2008

का. आ. 3135.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (अ) अनुसरण में, भारत के राजपत्र, तारीख 27 दिसम्बर, 2007 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस पंचालय की अधिसूचना संख्या का आ. 3621 तारीख 29 दिसम्बर, 2007 का निम्नलिखित रूप से संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के स्तम्भ 1 में “नं 719 ग्राउंड फ्लोर, 4th क्रास, 7th मेन रोड, कल्याण नगर, 1 ब्लॉक, बैंगलुरु -560043 (कर्नाटक)” शब्दों और अंकों के स्थान पर “हाउस नं 142/2, 2nd क्रास, मुनी रेडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसवाड़ी, बैंगलुरु-560043 (कर्नाटक)” शब्द और अंक रखे जाएंगे।

[फा. सं. आर-25011/12/2006-ओ.आर.-I
एस. के. चिटकारा, अवर सचिव]

New Delhi, the 29th November, 2008

S. O. 3135.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government here by makes the following amendments in the notification of the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India number S.O. 3621 dated the 27th December 2007 published in the Gazette of India dated the 29th December, 2007 as follows, namely:-

In the said notification, in the schedule, under column 1, for the words and numbers, “No-719, Ground Floor, 4th cross, 7th Main Road, Kalyana nagar, 1st Block, Bangalore-560043 (Karnataka)” the words and numbers, “House No-142/2, 2nd Cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi, Bengaluru-560043.(Karnataka)”, shall be substituted.

[F. No. R-25011/12/2006-O.R.-I]
S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2008

का. आ. 3136.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनीज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 26 अप्रैल, 2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. संख्या ४३३ तारीख 24 अप्रैल, 2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, गुजरात राज्य में स्थापित कोयली – दहेज पाइपलाइन की शाखा आमोद से हजारी हत्के पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जानता को तारीख 1 मई, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सकार प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर ध्यार करने के पश्चात यह रामाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि, पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उचल भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड में सभी वित्तगमों से गुक्त घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

राज्य	जिला	तालुका	गाव	सर्कारी सं.	सप - खण्ड सं.	क्रमांक		
						हेक्टेयर	एयर	कर्मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
गुजरात	भरuch	आनोद	इलोला	210		00	13	71
				211		00	13	22
				212		00	12	10
				226		00	05	06
				290	P1	00	39	80
				289		00	09	20
				281		00	14	45
				282		00	22	71
				283		00	00	51
				385		00	22	42
				388		00	00	32
				384		00	00	45
				382		00	16	13
				376		00	05	30
				375		00	04	82
				374		00	12	77
				360		00	05	54
				369		06	26	26
				451		00	04	25
				462		00	16	13
				460		00	06	41
				461		00	12	15
				459	1	00	04	52
				489		00	08	95
				488		00	06	53
				490		00	00	05
				491		00	14	51
				493	1	00	17	52
कोलवण्णा				782	1	00	00	90
				782	2	00	04	51
				782	3	00	14	03
				781		00	15	77
				754	1	00	02	21
				780		00	06	09
				772		00	00	70
				779		00	09	10
				785	3	00	19	81
				776		00	21	04
				791		00	00	05
				773		00	01	44
				792		00	19	07
				793		00	25	06
				827	A	00	00	58
				827	B	00	10	87
				828		00	00	45
				826		00	18	32
				852		00	05	71
				851		00	23	76
				850		00	10	31
				853		00	00	08
				1026		00	09	23
				1016		00	00	36
				1017		00	01	44
				1018		00	02	15

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			कोलदणा	1019		00	01	87
			(वारी)	1025		00	05	64
				1024		00	01	59
				1020		00	09	95
				1023		00	02	18
				1021		00	16	08
				1022		00	00	09
				1011		00	17	84
				1010		00	10	58
				1099		00	00	05
				1114		00	12	09
				1128		00	03	98
				1115		00	00	67
				1116		00	07	64
				1117		00	34	97
				1118	P2	00	07	41
				1123		00	23	48
				1207		00	07	50
				1208		00	33	55
				1223		00	07	91
				1224		00	09	44
				1225		00	08	00
				1251		00	14	74
				1252		00	05	40
				1253		00	05	22
				1256		00	05	43
				1259		00	03	67
				1287		00	00	82
				1288		00	13	20
				1327		00	18	23
				1329		00	01	22
				656		00	05	45
				657		00	13	62
				1376		00	12	62
				1377		00	00	70
				1380		00	15	05
				1379		00	01	24
				1381		00	28	31
				1391		00	05	02
				648		00	21	71
				1409		00	06	43
				1408	3	00	02	61
				652	3	00	02	06
				654	3	00	03	62
				682	1	00	05	97
				682	3	00	04	08
				1404	1	00	11	61
				749		00	01	18
				1403		00	29	30
				1401	1	00	06	08
				1401	2	00	00	86
				1402	1	00	02	08
				1402	2	00	01	09
<hr/>								
	गांगरा		ग्रीष्मः वात	133	1	00	07	71
				133	2	00	02	37
				136	A	00	30	06
				136	B	00	07	72
				142		00	36	57
				114		00	36	53

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			कीचीआड	92	A/1-1	00	07	77
			(जारी)	92	A/2-P3	00	35	64
				92	B-P3	00	29	34
				93		00	25	06
				81	1	00	59	18
			सावण	121		00	14	19
				120	A	00	41	76
				120	B	00	42	50
				145	1	00	28	35
				145	2	00	72	83
				135		00	16	92
				150		00	10	75
				163		00	32	50
				166		00	17	17
				169	P1	00	02	10
				169	P2	00	12	56
				187		00	10	05
				185		00	23	35
				189		00	01	78
				181		00	51	25
				180		00	11	51
				211		00	24	26
				210	1	00	11	69
				212	P1	00	11	36
				212	P2	00	10	35
				214		00	03	49
				213	P1	00	21	45
				213	P2	00	30	89
				225	3	00	00	97
			वामरा	682		00	12	42
				683		00	20	62
				728	A	00	00	05
				727		00	16	99
				724		00	01	15
				723		00	08	58
				709		00	01	83
				722		00	05	98
				711		00	05	41
				713		00	08	00
				714		00	03	42
				720		00	12	82
				719		00	15	87
				718		00	06	46
				746	1	00	27	83
				752	1	00	04	68
				752	2	00	02	55
				752	3	00	27	10
				762		00	24	41
				764		00	11	12
				765		00	31	56
				795		00	14	44
				796		00	00	90
			गोसाव	66		00	61	34
				67		00	16	20
				71		00	00	74
				70	P1	00	28	22
				70	P2	00	09	25

THE "ACEITE DE INDIA" OF S. L. T. P. DE SWAGRAVYANAVAR - 20
[P. 1. 1911-1912]

S. N.	P. %	T. °C.	A. C. E. I. T. P.		P. %	T. °C.
			1	2		
1	22	56	33	32	21	52
2	22	55	34	31	21	51
3	21	54	37	26	21	50
4	22	52	32	30	21	49
5	22	51	31	29	21	48
6	22	50	31	28	21	47
7	22	49	31	27	21	46
8	22	48	31	26	21	45
9	22	47	31	25	21	44
10	22	46	31	24	21	43
11	22	45	31	23	21	42
12	22	44	31	22	21	41
13	22	43	31	21	21	40
14	22	42	31	20	21	39
15	22	41	31	19	21	38
16	22	40	31	18	21	37
17	22	39	31	17	21	36
18	22	38	31	16	21	35
19	22	37	31	15	21	34
20	22	36	31	14	21	33
21	22	35	31	13	21	32
22	22	34	31	12	21	31
23	22	33	31	11	21	30
24	22	32	31	10	21	29
25	22	31	31	9	21	28
26	22	30	31	8	21	27
27	22	29	31	7	21	26
28	22	28	31	6	21	25
29	22	27	31	5	21	24
30	22	26	31	4	21	23
31	22	25	31	3	21	22
32	22	24	31	2	21	21
33	22	23	31	1	21	20
34	22	22	31	0	21	19
35	22	21	31	-1	21	18
36	22	20	31	-2	21	17
37	22	19	31	-3	21	16
38	22	18	31	-4	21	15
39	22	17	31	-5	21	14
40	22	16	31	-6	21	13
41	22	15	31	-7	21	12
42	22	14	31	-8	21	11
43	22	13	31	-9	21	10
44	22	12	31	-10	21	9
45	22	11	31	-11	21	8
46	22	10	31	-12	21	7
47	22	9	31	-13	21	6
48	22	8	31	-14	21	5
49	22	7	31	-15	21	4
50	22	6	31	-16	21	3
51	22	5	31	-17	21	2
52	22	4	31	-18	21	1
53	22	3	31	-19	21	0
54	22	2	31	-20	21	-1
55	22	1	31	-21	21	-2
56	22	0	31	-22	21	-3
57	22	-1	31	-23	21	-4
58	22	-2	31	-24	21	-5
59	22	-3	31	-25	21	-6
60	22	-4	31	-26	21	-7
61	22	-5	31	-27	21	-8
62	22	-6	31	-28	21	-9
63	22	-7	31	-29	21	-10
64	22	-8	31	-30	21	-11
65	22	-9	31	-31	21	-12
66	22	-10	31	-32	21	-13
67	22	-11	31	-33	21	-14
68	22	-12	31	-34	21	-15
69	22	-13	31	-35	21	-16
70	22	-14	31	-36	21	-17
71	22	-15	31	-37	21	-18
72	22	-16	31	-38	21	-19
73	22	-17	31	-39	21	-20
74	22	-18	31	-40	21	-21
75	22	-19	31	-41	21	-22
76	22	-20	31	-42	21	-23
77	22	-21	31	-43	21	-24
78	22	-22	31	-44	21	-25
79	22	-23	31	-45	21	-26
80	22	-24	31	-46	21	-27
81	22	-25	31	-47	21	-28
82	22	-26	31	-48	21	-29
83	22	-27	31	-49	21	-30
84	22	-28	31	-50	21	-31
85	22	-29	31	-51	21	-32
86	22	-30	31	-52	21	-33
87	22	-31	31	-53	21	-34
88	22	-32	31	-54	21	-35
89	22	-33	31	-55	21	-36
90	22	-34	31	-56	21	-37
91	22	-35	31	-57	21	-38
92	22	-36	31	-58	21	-39
93	22	-37	31	-59	21	-40
94	22	-38	31	-60	21	-41
95	22	-39	31	-61	21	-42
96	22	-40	31	-62	21	-43
97	22	-41	31	-63	21	-44
98	22	-42	31	-64	21	-45
99	22	-43	31	-65	21	-46
100	22	-44	31	-66	21	-47
101	22	-45	31	-67	21	-48
102	22	-46	31	-68	21	-49
103	22	-47	31	-69	21	-50
104	22	-48	31	-70	21	-51
105	22	-49	31	-71	21	-52
106	22	-50	31	-72	21	-53
107	22	-51	31	-73	21	-54
108	22	-52	31	-74	21	-55
109	22	-53	31	-75	21	-56
110	22	-54	31	-76	21	-57
111	22	-55	31	-77	21	-58
112	22	-56	31	-78	21	-59
113	22	-57	31	-79	21	-60
114	22	-58	31	-80	21	-61
115	22	-59	31	-81	21	-62
116	22	-60	31	-82	21	-63
117	22	-61	31	-83	21	-64
118	22	-62	31	-84	21	-65
119	22	-63	31	-85	21	-66
120	22	-64	31	-86	21	-67
121	22	-65	31	-87	21	-68
122	22	-66	31	-88	21	-69
123	22	-67	31	-89	21	-70
124	22	-68	31	-90	21	-71
125	22	-69	31	-91	21	-72
126	22	-70	31	-92	21	-73
127	22	-71	31	-93	21	-74
128	22	-72	31	-94	21	-75
129	22	-73	31	-95	21	-76
130	22	-74	31	-96	21	-77
131	22	-75	31	-97	21	-78
132	22	-76	31	-98	21	-79
133	22	-77	31	-99	21	-80
134	22	-78	31	-100	21	-81
135	22	-79	31	-101	21	-82
136	22	-80	31	-102	21	-83
137	22	-81	31	-103	21	-84
138	22	-82	31	-104	21	-85
139	22	-83	31	-105	21	-86
140	22	-84	31	-106	21	-87
141	22	-85	31	-107	21	-88
142	22	-86	31	-108	21	-89
143	22	-87	31	-109	21	-90
144	22	-88	31	-110	21	-91
145	22	-89	31	-111	21	-92
146	22	-90	31	-112	21	-93
147	22	-91	31	-113	21	-94
148	22	-92	31	-114	21	-95
149	22	-93	31	-115	21	-96
150	22	-94	31	-116	21	-97
151	22	-95	31	-117	21	-98
152	22	-96	31	-118	21	-99
153	22	-97	31	-119	21	-100
154	22	-98	31	-120	21	-101
155	22	-99	31	-121	21	-102
156	22	-100	31	-122	21	-103
157	22	-101	31	-123	21	-104
158	22	-102	31	-124	21	-105
159	22	-103	31	-125	21	-106
160	22	-104	31	-126	21	-107
161	22	-105	31	-127	21	-108
162	22	-106	31	-128	21	-109
163	22	-107	31	-129	21	-110
164	22	-108	31	-130	21	-111
165	22	-109	31	-131	21	-112
166	22	-110	31	-132	21	-113
167	22	-111	31	-133	21	-114
168	22	-112	31	-134	21	-115
169	22	-113	31	-135	21	-116
170	22	-114	31	-136	21	-117
171	22	-115	31	-137	21	-118
172	22	-116	31	-138	21	-119
173	22	-117	31	-139	21	-120
174	22	-118	31	-140	21	-121
175	22	-119	31	-141	21	-122
176	22	-120	31	-142	21	-123
177	22	-121	31	-143	21	-124
178	22	-122	31	-144	21	-125
179	22	-123	31	-145	21	-126
180	22	-124	31	-146	21	-127
181	22	-125	31	-147	21	-128
182	22	-126	31	-148	21	-129
183	22	-127	31	-149	21	-130
184	22	-128	31	-150	21	-131
185	22	-129	31	-151	21	-132
186	22	-130	31	-152	21	-133
187	22	-131	31	-153	21	-134
188	22	-132	31	-154	21	-135
189	22	-133	31	-155	21	-136
190	22	-134	31	-156	21	-137
191	22	-135	31	-157	21	-138
192	22	-136	31	-158	21	-139
193	22	-137	31	-159	21	-140
194	22	-138	31	-160	21	-141
195	22	-139	31	-161	21	-142
196	22	-140	31	-162	21	-143
197	22	-141	31	-163	21	-144
198	22	-142	31	-164	21	-145
199	22	-143	31	-165	21	-146
200	22	-144	31	-166	21	-147
201	22	-145	31	-167	21	-148
202	22	-146	31	-168	21	-149
203	22	-147	31	-169	21	-150
204	22	-148	31	-170	21	-151
205	22	-149	31	-171	21	-152
206	22	-150	31	-172	21	-153
207	22	-151	31	-173	21	-154
208	22	-152	31	-174	21	-155
209	22	-153	31	-175	21	-156
210	22	-154	31	-176	21	-157
211	22	-155	31	-177	21	-158
212	22	-156	31	-178	21	-159
213	22	-157	31	-179	21	-160
214	22	-158	31	-180	21	-161
215	22	-159	31	-181	21	-162
216	22	-160	31	-182	21	-163
217	22	-161	31	-183	21	-164
218	22	-				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			सांखेख्य	410	1	00	20	92
			(जारी)	410	2	00	01	59
				295		00	30	36
				308		00	15	32
				293		00	28	70
				310		00	28	51
			नंस्कार	1012		00	C9	23
				1013		00	14	78
				1014		00	56	56
				1031		00	50	29
				1032		00	22	37
				1038		00	07	35
				1042		00	81	67
				1039		00	00	20
				1046		00	04	14
				1045		00	24	96
				951		00	08	87
				952		00	07	28
				941		00	12	78
				950	P	00	06	38
				942		00	07	28
				944		00	08	28
				346		00	00	05
				340		00	02	51
				945		00	06	29
				868		00	32	04
				891		00	32	47
				877		00	56	77
				878	A	00	02	45
				875		00	18	47
				872		00	09	15
				867		00	15	21
				861		00	27	04
				865		00	13	16
				864		00	23	61
				778		00	09	55
				779		00	03	45
			शंखेवास	28		00	48	92
				40		00	12	35
				41		00	33	68
				42		00	01	22
				72		00	04	78
				71		00	18	09
				88	P2	00	23	78
				70		00	10	63
				89		00	07	22
				86	P1	00	40	28
				92		00	05	14
			नवेता	110		00	D9	84
				111		00	01	72
				112		00	20	38
				134		00	05	15
				136		00	19	67
				135		00	10	46
				139		00	01	00
				146		00	13	90
				148		00	16	31

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			नवेदा	149		00	19	07
			(जारी)	150		00	07	79
				128	B	00	00	25
				150	P	00	09	19
				180		00	19	52
				192		00	23	25
				192	P	00	20	69
				217		00	16	98
				216		00	12	86
				214		00	15	87
				312		00	16	52
				311		00	14	82
				313		00	01	74
				310		00	29	55
				309		00	03	13
				270		00	14	00
				324		00	17	60
				274		00	29	06
				277		00	04	42
			मुस्तकाम	277	P1	00	04	29
			(जाह्नवी)	188		00	29	75
				185		00	10	23
				187		00	15	40
				195		00	25	04
				199		00	20	46
				180		00	37	02
				178		00	17	90
				200		00	06	76
				201	P1	00	15	38
				202		00	13	94
				179		00	10	22
				252	P1	00	05	67
				248	P1	00	55	81
				249		00	01	54
				246	P1	00	00	15
				313		00	23	69
				318		00	21	51
				317		00	13	98
				316		00	01	87
				339	P1	00	27	85
				340		00	37	83
				341		00	00	16
				337	P1	00	19	10
				344		00	19	96
				376		00	19	78
				359		00	45	24
				375		00	00	42
				370		00	05	84
				371		00	06	98
				437		00	30	53
				428		00	03	28
				445		00	14	16
			अकलेश्वर	381		01	52	36
				753		00	12	09
				381		00	08	99
				373		00	11	82
				372		00	15	20
				337		00	15	32

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			धंगुरीया	338	00	08	38	
			(जारी)	314	1	00	11	29
				330	00	25	96	
				317	1	00	00	68
				317	2	00	11	76
				318	00	32	18	
				316	3	00	00	07
				319	00	23	34	
				287	A	00	12	57
				288	2A	00	13	21
				286	2B	00	04	80
				278		00	08	45
				280	B	00	05	95
				281	1	00	12	58
				281	2A	00	01	18
				282		00	00	68
				283		00	26	88
				284		00	13	96
				240		00	11	25
				175	2	00	07	47
				176		00	25	48
				177	1	00	12	47
				177	2	00	03	14
				178		00	04	87
				178	2	00	12	43
				180		00	06	10
				133	A	00	06	67
				92	A	00	06	25
				92	B1	00	11	85
				91	B	00	17	63
				90	B	00	17	45
				62		00	07	67
				63		00	10	14
				60	1	00	07	15
				55		00	18	47
				54		00	09	58
				18	1	00	14	62
				44		00	12	94
				43	1	00	05	70
				43	2	00	00	06
				42	1	00	11	75
				42	2	00	26	66
				42	3	00	18	50
				23	2	00	12	12
				24		00	02	84
				25	1	00	15	32
				28		00	00	36
				26	1	00	00	76
				27		00	23	76
				29	1	00	00	46
				29	2	00	09	12
			माटीओड	509	1	00	18	74
				509	2	00	22	36
				509	3	00	34	00
				510	3	00	18	91
				510	2	00	70	28
				507	3	00	06	90
				550		00	24	99
				549		00	13	71

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			गार्डलेट	542		00	12	88
			(जारी)	636		00	04	87
				638		00	04	19
				639		00	20	61
				640		00	15	36
				642		00	13	29
				657		00	13	50
				658		00	23	59
				659		00	00	05
				661		00	13	91
				662		00	19	20
				669		00	01	02
				672		00	18	07
				666		00	35	90
				223		01	16	39
				219		00	33	74
				218		00	29	17
				217		00	26	47
				214		00	09	30
				209		00	17	12
				180		00	12	93
				190		00	10	07
				186		00	02	40
				179		00	18	57
				180		00	14	10
				181		00	01	99
				171		00	25	34
				170		00	19	85
				165		00	09	85
				164		00	09	97
				163		00	28	77
				160		00	19	45
	हासोट	मोठिया		33		00	22	05
				57		00	15	42
				56		00	18	87
				59		00	09	80
				60		00	07	24
				61		00	15	84
				62		00	08	79
				82		00	19	92
				83	A	00	18	26
				219		00	02	53
	चौपास			583		00	05	31
				586		00	37	46
				609		00	21	77
				608	A	00	03	22
				608	B	00	18	18
				314	B	00	00	78
				615		00	25	92
				643		00	22	08
				616		00	00	72
				617		00	01	61
				642		00	07	50
				618		00	01	95
				619		00	02	01
				624		00	08	60
				526		00	33	55

[भाग II—खण्ड 3(ii)]

भारत का राजपत्र : नवम्बर 29, 2008/अग्रहायण 8, 1930

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			दीपस	527		00	10	23
			(जारी)	532		00	07	86
				529		00	05	30
				531		00	32	81
				605		00	03	21
				503	A	00	11	63
				503	B	00	16	04
				492		00	25	51
				473		00	18	50
				470		00	16	64
				464		00	25	83
				450		00	23	58
				451		00	16	58
				452		00	03	60
				453		00	08	70
				454	A	00	05	42
				454	B	00	10	31
				442		00	00	81
				440		00	20	41
				438		00	11	49
				437		00	15	78
				416	A	00	27	64
				416	B	00	07	99
				404		00	54	02
				403		00	12	18
				401		00	09	27
				402	B	00	06	05
				393		00	14	29
				316		00	18	58
				317		00	44	68
				347		00	13	06
				352		00	14	90
				354		00	18	83
				361		00	17	24
				360		00	01	79
				338	A	00	11	28
				338	B	00	11	98
				362		00	05	10
अंकसंधर		मोलवाण		172		00	03	70
				173		00	17	32
				191		00	10	42
हांसोट		कलम		28	F1	00	14	39
				57		00	05	51
				58		00	04	90
				69		00	16	54
				60		00	15	74
				5		00	10	67
				61		00	19	86
				67	A/2	00	08	26
				67	B/1	00	03	23
				68	B	00	10	07
				69	A/2	00	06	95
				74		00	06	58
				75	A	00	15	03
				75	B	00	03	98
				76	A+B	00	04	87
				78		00	31	07
				77		00	02	48

1	2	3	4	5	6	7	8	9
		टास्टेट	कलम	१४	A	००	३७	४२
			(जारी)	२८	G	००	०१	१६
		रोही८		५२५	A	००	००	४७
				५२३		००	१३	६२
				४९४		००	०८	९९
				४९५		००	०७	४३
				४९६		००	०६	४०
				५२१		००	१४	५५
				५२०		००	१२	३६
				५१९		००	१२	७७
				४८	B	००	१६	४४
				४७६	A	००	०६	०३
				४७४		००	०६	०६
				५००	A	००	००	०५
				५०१	A	००	३१	४७
				५०२		००	१५	४७
				५०३	A	००	०३	६९
				३९३		००	१२	५२
				३८३		००	०९	८६
				३८४		००	०२	७६
				३८५		००	०४	८९
				३८६		००	१४	८२
				३८७		००	९५	३२
				३८९		००	०६	२७
				३८०		००	२०	४१
				२६४	B	००	०६	७३
				२८१		००	०३	४१
				२८०		००	१४	०८
				२७८	A	००	१५	९३
				२७९	B	००	२३	४७
				२६५		००	००	०६
				२७७	A	००	१३	३९
				२८६		००	१४	७०
				२८९	A	००	०६	७३
				२८९	B	००	०१	३४
				२८१		००	००	०८
				२८०		००	१०	९३
				२८६	B	००	१३	१७
				२८५		००	०९	५९
		कुल		१३५	B	००	०९	५७
				१५३		००	००	०५
				१५२		००	१३	६४
				१४५		००	१६	१२
				१४४		००	१७	७७
				१४३	A	००	१७	२८
				१४३	B	००	०६	५६
				१३९		००	०८	४४
				१३६		००	०९	४४
				१३७		००	०७	९२
				१३३		००	०२	६०
				८२		००	१३	५७
				८१		००	०४	६१
				८५		००	०९	११
				८७		००	२७	३३
				८८		००	२३	८६
				७७		००	११	३०
				७५		००	०९	५३
				८९	A	००	२९	१२

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			कुलदरा:	89	P2	00	26	71
			(जारी)	92		00	00	34
				91		00	06	34
			परकट	418	B	00	21	86
				417		00	11	89
				415	1	00	38	84
				415	2	00	18	01
				413		00	05	09
				414		00	01	68
				288		00	29	54
				286		00	01	08
				287		00	21	72
				285		00	00	15
				319		00	08	70
				320		00	18	45
				325		00	00	23
				324		00	21	09
				327		00	03	46
				328		00	59	80
				333		00	03	21
				370		00	08	40
				368		00	21	49
				364		00	33	84
				363		00	22	33
				341		00	35	98
				342		00	05	13
				340		00	03	21
				189		00	05	98
				188		00	03	64
				190		00	33	67
				186		00	04	84
				197		00	05	43
				198		00	15	13
				199		00	06	58
				200		00	15	77
				202		00	12	86
				203		00	01	87
				212		00	35	31
				211		00	00	65
				210		00	43	19
				152		00	08	48
				150		00	15	88
				148		00	05	07
				149		00	12	22
				135		00	37	23
				133	A	00	01	38
				133	B	00	32	42
			ओमा	183		00	13	22
				184		00	35	67
				185		00	03	07
				199		00	00	93
				171		00	21	84
				169		00	09	23
				168		00	19	32
				167		00	17	47
				217		00	08	15
				218		00	26	99
				219		00	01	34

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			%	225		90	03	62
				161		20	22	01
				160		03	15	88
				144		20	20	47
				159		10	16	55
				148		10	02	39
				147		00	08	44
				158		00	02	94
				141	2	00	06	93
				156		30	21	95
				166	B	00	01	16
				126		00	00	94
				127		50	15	81
				129		00	06	86
				119		00	02	00
				118		05	20	07
				117		00	16	42
				112		00	05	85
				464		20	14	33
				50		00	25	97
				45		0	12	58
				11		00	08	62
				72		00	01	37
				10		00	20	70
				69		00	22	52
				41		00	23	56
				62		00	04	49
				21		00	01	36
				46		00	04	53
				74		00	01	49
				76		00	03	24
				1148		00	00	31
				1149		00	01	27
				1146		00	09	57
				1145		00	24	49
				1146		00	09	90
				1104	B	00	05	93
				1103		00	01	32
				1208		00	12	22
				1211		00	07	14
				1212		00	22	36
				1213		00	26	41
				1216		00	00	15
				1143		00	02	34
				1142	A	00	04	41
				1162	B	00	04	52
				1161		00	03	71
				1170		00	06	97
				1169		00	00	65
				1172		00	00	65
				1174		00	06	61
				1175		00	12	40
				1123		00	00	61

New Delhi, the 20th November, 2008

S.O. 3136.—Whereas by a notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas Number S.O. 893 dated 26-04-2008 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule annexed to that notification for the purpose of laying a branch pipeline from existing Koyali – Dahej pipeline for the transportation of Petroleum Product from Amod to Hazira in the State of Gujarat by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, the copies of the said gazette notification were made available to the general public on the 1st May, 2008;

And whereas, the Competent Authority has submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the report and on being satisfied that said land is required for laying pipeline has decided to acquire the right of user their in;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

State	District	Taluka	Village	Survey / Block No.	Sub-Division No.	Area		
						Hect.	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Gujarat	Bharuch	Amod	Intola	210		00	13	71
				211		00	13	22
				212		00	12	10
				226		00	05	06
				290	P1	00	39	80
				269		00	09	20
				281		00	14	45
				282		00	22	71
				283		00	00	51
				385		00	22	42
				386		00	00	32
				384		00	00	45
				382		00	16	13
				376		00	05	30
				375		00	04	82
				374		00	12	77
				360		00	05	54
				389		00	26	26
				451		00	04	25
				462		00	16	13
				460		00	08	41
				461		00	12	15
				459	1	00	04	52
				489		00	08	95
				488		00	06	53
				490		00	00	05
				491		00	14	51
				493	1	00	17	52
		Kolwana		782		1	00	90
				782		2	00	51
				782		3	00	03
				781		00	15	77
				754	1	00	02	21
				780		00	06	09
				772		00	00	70
				779		00	09	10
				785	3	00	19	81
				776		00	21	04
				791		00	00	05
				773		00	01	44
				792		00	19	07
				793		00	25	06
				827	A	00	00	58
				827	B	00	10	87
				828		00	00	45
				926		00	18	32
				852		00	05	71
				951		00	23	76
				860		00	10	31
				853		00	00	08
				1026		00	09	23
				1016		00	00	36
				1017		00	01	44
				1018		00	02	15

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Kohwana (Contd.)	1019	00	01	87	
				1025	00	05	64	
				1024	00	01	59	
				1020	00	09	95	
				1023	00	02	18	
				1021	00	16	08	
				1022	00	00	09	
				1011	00	17	84	
				1010	00	10	58	
				1089	00	00	05	
				1114	00	12	09	
				1128	00	03	98	
				1115	00	00	67	
				1116	00	07	64	
				1117	00	34	97	
				1118	00	07	41	
				1123	00	23	48	
				1207	00	07	50	
				1208	00	33	55	
				1223	00	07	91	
				1224	00	09	44	
				1225	00	08	00	
				1251	00	14	74	
				1252	00	05	40	
				1253	00	05	22	
				1256	00	05	43	
				1250	00	03	67	
				1287	00	00	82	
				1286	00	13	20	
				1327	00	16	23	
				1329	00	01	22	
				666	00	05	45	
				667	00	13	62	
				1376	00	12	62	
				1377	00	00	70	
				1380	00	15	05	
				1379	00	01	24	
				1381	00	28	31	
				1391	00	05	02	
				648	00	21	71	
				1409	00	06	43	
				1408	3	00	61	
				652	3	00	06	
				654	3	00	62	
				682	1	00	97	
				682	3	00	08	
				1404	1	00	61	
				749	00	01	18	
				1403	00	28	30	
				1401	1	00	08	
				1401	2	00	86	
				1402	1	00	08	
				1402	2	00	09	
Vagra		Vichhad		133	1	00	07	71
				133	2	00	02	37
				136	A	00	30	06
				136	B	00	07	72
				142		00	35	57
				114		00	36	53

1	2	3	4	5	6	7	8	9
Vichhiaid (Contd.)				92	A/1-1	00	07	77
				92	A/2-P3	00	35	64
				92	B-P3	00	29	34
				93		00	25	06
				81	1	00	59	18
Sachan				121		00	14	18
				120	A	00	41	76
				120	B	00	42	50
				145	1	00	28	35
				146	2	00	72	83
				135		00	16	92
				150		00	10	75
				163		00	32	50
				168		00	17	17
				169	P1	00	02	10
				169	P2	00	12	56
				167		00	10	05
				185		00	23	35
				189		00	01	78
				181		00	51	25
				180		00	11	51
				211		00	24	20
				210	1	00	11	69
				212	P1	00	11	35
				212	P2	00	10	35
				214		00	03	49
				213	P1	00	21	45
				213	P2	00	30	69
				225	3	00	00	97
Vagra				682		00	12	42
				683		00	20	52
				728	A	00	00	05
				727		00	16	99
				724		00	01	15
				723		00	08	68
				709		00	01	83
				722		00	05	98
				711		00	05	41
				713		00	08	00
				714		00	03	42
				720		00	12	82
				719		00	15	67
				718		00	06	48
				746	1	00	27	63
				752	1	00	04	68
				752	2	00	02	55
				752	3	00	27	10
				762		00	24	41
				764		00	11	12
				765		00	31	56
				795		00	14	44
				796		00	00	90
Pisad				66		00	61	34
				67		00	16	20
				71		00	00	74
				70	P1	00	28	22
				70	P2	00	09	25

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Pisad (Contd.)	78		00	25	71
	Saran							
			39		00	03	92	
			40		00	14	81	
			38		00	07	26	
			41		00	12	02	
			37		00	30	49	
			51		00	16	80	
			22		00	21	86	
			20		00	19	78	
			12		00	37	37	
			17		00	21	38	
			93		00	04	35	
			92		00	25	72	
			91		00	07	04	
			109		00	09	01	
			108		00	12	92	
			110		00	00	33	
			117		00	19	78	
			150		00	00	05	
			149		00	21	14	
			166		00	16	58	
			147		00	01	44	
			167		00	24	28	
			168		00	13	69	
			169		00	51	50	
			195		00	32	16	
			190		00	51	86	
			188		00	45	87	
			240		P1	00	02	77
	Sayakha							
			113	2	00	12	68	
			114		00	08	94	
			115		00	12	17	
			116		00	10	04	
			140		00	19	87	
			141		00	86	31	
			152		00	08	52	
			154		00	07	87	
			153		00	23	92	
			166		00	18	39	
			187		00	56	09	
			170	1	00	41	50	
			223	1	00	19	10	
			409	3	00	13	88	
			227	1	00	06	36	
			228	1	00	06	94	
			229	1	00	22	56	
			232		00	25	69	
			255		P2	00	37	50
			256		1	00	24	09
			257			00	36	54
			270			00	33	05
			269			00	42	91
			276			00	16	67
			275			00	10	26
			277			00	21	81
			283			00	21	59
			285			00	16	49
			284			00	17	52

1	2	3	4	5	6	7	8	9
Sayakha (Contd.)				410	1	00	20	62
				410	2	00	01	59
				295		00	30	36
				308		00	19	32
				293		00	29	70
				310		00	29	51
Bharuch	Amleshwar			1012		00	09	23
				1013		00	14	78
				1014		00	56	58
				1031		00	50	29
				1032		00	22	37
				1038		00	07	35
				1042		00	81	67
				1039		00	00	20
				1046		00	00	14
				1045		00	24	96
				951		00	09	87
				952		00	07	28
				941		00	13	78
				950	P	00	06	38
				942		00	07	28
				944		00	08	28
				946		00	00	05
				940		00	02	51
				945		00	06	19
				888		00	32	04
				891		00	32	47
				877		00	56	77
				876	A	00	02	45
				875		00	18	47
				872		00	09	15
				867		00	15	21
				861		00	27	04
				865		00	13	16
				864		00	23	61
				778		00	09	55
				779		00	03	45
Shankhwad				28		00	48	92
				40		00	12	35
				41		00	33	68
				42		00	01	22
				72		00	04	78
				71		00	18	09
				88	P2	00	23	78
				70		00	10	63
				89		00	07	22
				88	P1	00	40	29
				92		00	05	14
Navetha				110		00	09	84
				111		00	01	2
				112		00	20	38
				134		00	05	15
				136		00	19	67
				135		00	10	46
				139		00	01	00
				146		00	13	90
				148		00	16	31

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Navetha (Contd.)	149		00	19	07
				150		00	07	79
				128	B	00	00	25
				150	P	00	09	19
				180		00	19	52
				192		00	23	25
				192	P	00	20	89
				217		00	19	96
				216		00	12	86
				214		00	15	87
				312		00	18	52
				311		00	14	82
				313		00	01	74
				310		00	29	55
				309		00	03	13
				270		00	14	00
				324		00	17	60
				274		00	29	06
				277		00	04	42
			Mustafabad (Bhedbhut)	277	P1	00	04	29
				188		00	29	75
				186		00	10	23
				187		00	15	40
				195		00	25	04
				199		00	20	46
				180		00	07	02
				178		00	17	90
				200		00	06	78
				201	P1	00	15	38
				202		00	13	94
				179		00	10	22
				252	P1	00	05	67
				248	P1	00	55	81
				249		00	01	54
				246	P1	00	00	15
				313		00	23	69
				318		00	21	51
				317		00	13	98
				316		00	01	87
				339	P1	00	27	85
				340		00	07	83
				341		00	00	16
				337	P1	00	19	10
				344		00	19	95
				376		00	19	78
				369		00	45	24
				375		00	00	42
				370		00	05	64
				371		00	06	98
				437		00	30	53
				436		00	03	28
				445		00	14	16
	Ankleshwar	Dhanturia		351		01	52	36
				363		00	12	09
				381		00	08	99
				373		00	11	82
				372		00	15	20
				337		00	15	32

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Dhanur	338		00	08	33
			(Concl.)	314		01	11	21
				330		01	28	26
				317		00	00	68
				317	2	00	11	76
				318		00	32	6
				316	3	00	00	67
				319		00	23	24
				297	6	00	72	57
				296	21	00	10	21
				296	20	00	04	80
				279		00	06	46
				280	10	00	05	35
				281	1	00	12	98
				281	24	00	01	13
				282		00	00	66
				283		00	26	88
				284		00	13	98
				240		00	11	25
				175	6	00	07	47
				176		00	25	66
				177	1	00	12	47
				177		00	03	14
				178		00	04	77
				179	2	00	12	43
				180		00	06	10
				133	1	00	00	67
				92	2	00	06	35
				92	81	00	11	23
				31	6	00	17	33
				90	3	00	17	65
				62		00	01	67
				63		00	10	4
				60	1	00	07	13
				65		00	14	61
				54		00	09	70
				43	1	00	14	92
				44		00	12	84
				43	1	00	07	39
				43	2	00	04	23
				42	1	00	10	17
				42	0	00	25	66
				42	2	00	18	60
				23		00	12	12
				24		00	02	81
				25	1	00	15	90
				28		00	00	36
				26	1	00	30	70
				27		00	15	66
				29	1	00	00	45
				29	2	00	00	12
<hr/>								
	Motion		509	1		00	18	10
			509	2		00	21	45
			509	3		00	34	20
			510	3		00	18	91
			510	4		00	70	21
			507	3		00	06	16
			560			00	24	46
			549			00	13	71

[भाग II—खण्ड 3(ii)]

मारठ का राजपत्र : नवम्बर 29, 2008/अग्रहायण 3, 1930

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Mated	548	00	12	88	
			(Contd.)	636	00	04	87	
				638	00	04	19	
				635	00	26	61	
				639	00	15	36	
				640	00	13	29	
				642	00	14	62	
				657	00	13	50	
				658	00	23	59	
				660	00	00	05	
				661	00	18	91	
				662	00	19	20	
				669	00	01	02	
				667	00	18	07	
				666	00	15	90	
				220	00	16	38	
				219	00	33	74	
				218	00	21	17	
				217	00	26	47	
				214	00	09	30	
				209	00	17	12	
				189	00	12	83	
				190	00	10	07	
				186	00	02	40	
				179	00	18	57	
				180	00	14	10	
				181	00	01	99	
				171	00	25	34	
				170	00	19	85	
				165	00	09	65	
				164	00	09	97	
				163	00	28	77	
				130	00	19	45	
Hansot	Mothia			33	00	02	05	
				57	00	15	42	
				56	00	18	87	
				59	00	09	60	
				60	00	07	24	
				61	00	15	84	
				62	00	08	79	
				82	00	19	92	
			A	83	00	15	26	
				219	00	02	53	
Diges				583	00	05	31	
				586	00	37	45	
				609	00	21	77	
				608	A	03	22	
				608	B	18	18	
				614	B	00	78	
				615	00	25	92	
				643	00	22	08	
				616	00	00	72	
				617	00	01	61	
				642	00	07	50	
				618	00	01	95	
				619	00	02	01	
				624	00	08	60	
				526	00	33	55	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
		Diges (Contd.)	527			57	50	23
			532			57	57	30
			529			58	58	30
			531			59	52	21
			535			59	53	21
			536			59	53	21
			537	A		59	51	23
			538	S		59	56	24
			492			59	53	21
			473			59	50	20
			470			59	56	24
			464			59	55	23
			460			59	53	21
			451			59	56	24
			452			59	53	21
			453			59	53	21
			464	A		59	53	21
			454	B		59	50	21
			447			59	50	21
			440			59	50	21
			436			59	51	23
			437			59	53	24
			416	A		59	57	26
			416	B		59	57	26
			434			59	54	22
			403			59	52	19
			401			59	50	27
			402	B		59	56	29
			393			59	54	29
			316			59	56	28
			317			59	54	26
			347			59	53	26
			352			59	54	26
			364			59	56	28
			561			59	57	26
			380			59	54	26
			338	A		59	53	25
			338	B		59	51	23
			362			59	56	29
Ankleshwar		Motwani	172			59	55	23
			173			59	57	32
			191			59	50	22
Ransot		Kalam	58	F1		59	54	23
			57			59	55	21
			58			59	54	20
			59			59	56	24
			60			59	56	24
			6			59	50	27
			61			59	56	26
			67	A/2		59	56	26
			67	B/1		59	53	23
			68	B		59	50	27
			69	A/2		59	56	26
			74			59	56	26
			76	A		59	56	23
			76	B		59	53	20
			76	A+B		59	54	27
			78			59	51	20

1	2	3	4	5	6	7	8	9
		Hansot	Kalam (Contd.)					
		Rohid		525	A	00	00	47
				523		00	13	62
				494		00	08	99
				495		00	07	43
				496		00	06	40
				521		00	14	55
				520		00	12	36
				519		00	12	77
				476	B	00	15	44
				476	A	00	08	03
				474		00	06	06
				500	A	00	00	05
				501	A	00	31	47
				502		00	15	47
				503	A	00	03	69
				393		00	12	52
				363		00	09	86
				364		00	02	76
				365		00	04	89
				366		00	14	82
				367		00	05	32
				389		00	08	27
				360		00	20	41
				264	B	00	06	73
				281		00	03	41
				280		00	04	08
				278	A	00	15	93
				279	S	00	20	47
				265		00	00	06
				277	A	00	13	39
				268		00	14	70
				269	A	00	06	73
				269	B	00	01	34
				271		00	00	08
				270		00	10	93
				256	B	00	13	17
				265		00	09	59
		Kudadara		135	B	00	09	57
				153		00	00	05
				152		00	13	64
				145		00	16	12
				144		00	17	77
				143	A	00	17	28
				143	B	00	06	58
				139		00	08	44
				138		00	09	44
				137		00	07	92
				133		00	02	80
				82		00	13	57
				81		00	04	61
				86		00	09	11
				87		00	27	33
				88		00	23	86
				77		00	11	30
				75		00	09	53
				89	A	00	29	12

1	2	3	4	5	6	7	8	9
Kusumata (Contd.)				P2				
41	42	43	44	45	46	47	48	49
49	50	51	52	53	54	55	56	57
57	58	59	60	61	62	63	64	65
65	66	67	68	69	70	71	72	73
73	74	75	76	77	78	79	80	81
81	82	83	84	85	86	87	88	89
89	90	91	92	93	94	95	96	97
97	98	99	100	101	102	103	104	105
105	106	107	108	109	110	111	112	113
113	114	115	116	117	118	119	120	121
121	122	123	124	125	126	127	128	129
129	130	131	132	133	134	135	136	137
137	138	139	140	141	142	143	144	145
145	146	147	148	149	150	151	152	153
153	154	155	156	157	158	159	160	161
161	162	163	164	165	166	167	168	169
169	170	171	172	173	174	175	176	177
177	178	179	180	181	182	183	184	185
185	186	187	188	189	190	191	192	193
193	194	195	196	197	198	199	200	201
201	202	203	204	205	206	207	208	209
209	210	211	212	213	214	215	216	217
217	218	219	220	221	222	223	224	225
225	226	227	228	229	230	231	232	233
233	234	235	236	237	238	239	240	241
241	242	243	244	245	246	247	248	249
249	250	251	252	253	254	255	256	257
257	258	259	260	261	262	263	264	265
265	266	267	268	269	270	271	272	273
273	274	275	276	277	278	279	280	281
281	282	283	284	285	286	287	288	289
289	290	291	292	293	294	295	296	297
297	298	299	300	301	302	303	304	305
305	306	307	308	309	310	311	312	313
313	314	315	316	317	318	319	320	321
321	322	323	324	325	326	327	328	329
329	330	331	332	333	334	335	336	337
337	338	339	340	341	342	343	344	345
345	346	347	348	349	350	351	352	353
353	354	355	356	357	358	359	360	361
361	362	363	364	365	366	367	368	369
369	370	371	372	373	374	375	376	377
377	378	379	380	381	382	383	384	385
385	386	387	388	389	390	391	392	393
393	394	395	396	397	398	399	400	401
401	402	403	404	405	406	407	408	409
409	410	411	412	413	414	415	416	417
417	418	419	420	421	422	423	424	425
425	426	427	428	429	430	431	432	433
433	434	435	436	437	438	439	440	441
441	442	443	444	445	446	447	448	449
449	450	451	452	453	454	455	456	457
457	458	459	460	461	462	463	464	465
465	466	467	468	469	470	471	472	473
473	474	475	476	477	478	479	480	481
481	482	483	484	485	486	487	488	489
489	490	491	492	493	494	495	496	497
497	498	499	500	501	502	503	504	505
505	506	507	508	509	510	511	512	513
513	514	515	516	517	518	519	520	521
521	522	523	524	525	526	527	528	529
529	530	531	532	533	534	535	536	537
537	538	539	540	541	542	543	544	545
545	546	547	548	549	550	551	552	553
553	554	555	556	557	558	559	560	561
561	562	563	564	565	566	567	568	569
569	570	571	572	573	574	575	576	577
577	578	579	580	581	582	583	584	585
585	586	587	588	589	590	591	592	593
593	594	595	596	597	598	599	600	601
601	602	603	604	605	606	607	608	609
609	610	611	612	613	614	615	616	617
617	618	619	620	621	622	623	624	625
625	626	627	628	629	630	631	632	633
633	634	635	636	637	638	639	640	641
641	642	643	644	645	646	647	648	649
649	650	651	652	653	654	655	656	657
657	658	659	660	661	662	663	664	665
665	666	667	668	669	670	671	672	673
673	674	675	676	677	678	679	680	681
681	682	683	684	685	686	687	688	689
689	690	691	692	693	694	695	696	697
697	698	699	700	701	702	703	704	705
705	706	707	708	709	710	711	712	713
713	714	715	716	717	718	719	720	721
721	722	723	724	725	726	727	728	729
729	730	731	732	733	734	735	736	737
737	738	739	740	741	742	743	744	745
745	746	747	748	749	750	751	752	753
753	754	755	756	757	758	759	760	761
761	762	763	764	765	766	767	768	769
769	770	771	772	773	774	775	776	777
777	778	779	780	781	782	783	784	785
785	786	787	788	789	790	791	792	793
793	794	795	796	797	798	799	800	801
801	802	803	804	805	806	807	808	809
809	810	811	812	813	814	815	816	817
817	818	819	820	821	822	823	824	825
825	826	827	828	829	830	831	832	833
833	834	835	836	837	838	839	840	841
841	842	843	844	845	846	847	848	849
849	850	851	852	853	854	855	856	857
857	858	859	860	861	862	863	864	865
865	866	867	868	869	870	871	872	873
873	874	875	876	877	878	879	880	881
881	882	883	884	885	886	887	888	889
889	890	891	892	893	894	895	896	897
897	898	899	900	901	902	903	904	905
905	906	907	908	909	910	911	912	913
913	914	915	916	917	918	919	920	921
921	922	923	924	925	926	927	928	929
929	930	931	932	933	934	935	936	937
937	938	939	940	941	942	943	944	945
945	946	947	948	949	950	951	952	953
953	954	955	956	957	958	959	960	961
961	962	963	964	965	966	967	968	969
969	970	971	972	973	974	975	976	977
977	978	979	980	981	982	983	984	985
985	986	987	988	989	990	991	992	993
993	994	995	996	997	998	999	1000	1001

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Obha	220		00	03	62
			(Contd.)	161		00	22	01
				160		00	18	88
				144		00	00	47
				159		00	06	65
				146		00	02	39
				147		00	08	44
				158		00	02	94
				141	2	00	08	93
				156		00	21	95
				155	B	00	01	16
				126		00	00	94
				127		00	19	81
				128		00	08	86
				119		00	02	00
				118		00	20	07
				117		00	16	42
				112		00	08	85
				455		00	04	33
				456		00	23	97
				458		00	17	58
				73		00	08	62
				72		00	01	07
				70		00	20	79
				69		00	22	97
				47		00	23	59
				22		00	04	48
				23		00	04	50
				46		00	04	05
				24		00	07	49
				25		00	09	24
				1249		00	03	51
				1203		00	01	37
				1248		00	09	57
				1247		00	04	49
				1246		00	09	90
				1204	B	00	05	93
				1207		00	07	02
				1208		00	13	93
				1211		00	07	14
				1212		00	02	66
				1215		00	26	41
				1216		00	00	05
				1143		00	02	34
				1142	A	00	04	41
				1142	B	00	04	52
				1141		00	03	71
				1129		00	05	07
				1133		00	00	05
				1130		00	00	05
				1131		00	06	61
				1132		00	17	43
				1123		00	06	01

अम एवं सेवगार मन्दिर
वडे फिल्मी, 21 अक्टूबर, 2008

लाइसेन्स नं. 1037 ऐसोसिएट रिक्विर अप्रिल, 1947 (1947 वा. 14) का अनुसार 17 वीं अमुस्या वं. नं. 35/2/2009, मिडिक्सेट बैंक एं एंटरप्रार्स के संबंध नियोजनी संघ द्वारा, जहाँ को बैंग, अनुदान व. भारत ऐसोसिएट रिक्विर में विवेचन औशालिक शोधकार्य सभा नियामन के अनुसार गोपनीय सं. 20(2)(b) की अवधारणा कार्य व. अंक नं. 2008/2008, 31-10-2008 वा. अन्त दृष्टि वा. 31-10-2008 वा. अन्त दृष्टि वा.

(प्र. नं. 12011/2/2008-एस/वा. 31-10-2008)

संवाद कुमार वा. 2008/2008

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3823. In pursuance of Section 47 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government, Delhi publishes the Award (R. No. 120 2008) of the Central Government Industrial Tribunal, Lucknow as shown in the Annexure to the Industrial Dispute between the management of the Syndicate Bank and it's workmen received by the Central Government on 31-10-1948.

(प्र. नं. 12011/2/2008-एस/वा. 31-10-2008)
RAJENDER KUMAR, Dy. Secy. (Labour)
ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, DELHI-LABOUR COURT, LUCKNOW

PRESUMPTION PURCHASE

A.D. No. 20/2005

Ref. No. 12011/2/2008-एस/वा. 31-10-2008

BETWEEN

The Secretary, Syndicate Bank Employees Union, State Committee, 41, Shaukat Ali Marg, Lucknow-226001.
(In the name of Sh. Ram Lal)

AND

The Dy. General Manager, Syndicate Bank
Zonal Office, 307, 21 University Road
Bhawanipuram, Mysore-570001.

AWARD

Lucknow, the 7th October, 2008

1. By Order No. 12011/2/2008-एस/वा. 31-10-2008 the Central Government in the Ministry of Labour New Delhi in exercise of powers conferred by other provisions sub-section (1) and sub-section (2) of section 47 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) refers to this industrial dispute between the Secretary, Syndicate Bank

Employees Union, Dy. General Manager, Syndicate Bank, Mysore-570001, application.

"Whether the action of the Management of Syndicate Bank in not regularising the services of Sri Ram Lal, part time sweeper is just and justified? If not, what relief the concerned claimant entitled?"

2. In brief, the claim of the workman is that he was appointed as part time sweeper in Extension counter of Syndicate Bank in 1947 at consolidated salary of Rs. 440 per month. On 1st April 1948 he is not given any appointment letter and the workman is given fixed wages of Rs. 400 per month which was later on enhanced to 1/3rd of the scale wages or Rs. 100/- but he is working as such since then without any check. He is entitled to be treated as appointed on permanent basis against a permanent post. The workman has prior record of the Bank in regularizing him as permanent employee of the Bank.

3. The management has denied the claim of the workman for regularization of his service. It is contended in the written affidavit that the workman was not appointed in 1947 but in 1948. Any claim against any permanent regularity to him in 1947 is on the basis of fact of the work as per his affidavit, the engagement was purely temporary in nature and further contend that the workman was never invited for regular appointment to the service of the Bank. An appointment letter was given to the workman while category I so he cannot be treated as permanent employee. The claim of the workman for his regularization as part time sweeper cannot be considered as per guidelines issued by the Govt. of India with regard to the filling of vacancies. The management has not adopted any unfair labour practice. Therefore, the claim of the workman is not tenable.

4. On 21-6-2007 at the stage of worker's evidence no application has been made by the learned representative of the workman to withdraw the claim of the workman along with an affidavit in this connection. The claim had made copy of the letter dated 12-11-2007 regarding offer of appointment to him by the management of the Bank. The workman has stated in his affidavit that present dispute is regarding regularization of his service and he has been offered regular appointment with the Bank as per affidavit dated 29-11-2007. There is no real dispute even between the parties.

5. Since 12011/2/2008-एस/वा. 31-10-2008 the representation of the management is not based on the facts of hearing in the case. The present case has been adjourned each half of the workman Sh. Ram Lal, as Secretary, Syndicate Bank Employees Union and the application is withdrawn. The case has been moved by the authorized representative of the said union. Therefore, in view of above facts he is advised to withdraw the case."

6. In the above circumstances it is held that there is no need to decide and reply the reference on merit and the same is disposed off as there is no grievance left with the workman after withdrawal of his case. The matter is resolved as above and the reference is answered accordingly.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 2008

का.आ. 3138—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की थारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पंजाब एवं सिंध बैंक के प्रबंधितंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम मंत्रालय कानपुर के पंचाट (संदर्भ सं. 28/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-10-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एस-12012/163/2001-आई आर (बी-II)]

राजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3138.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 28/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 31-10-2008.

[No. L-12011/163/2001-IR(B-II)]
RAJINDER KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI R. G. SHUKLA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

J. D. No. 28 of 2001

BETWEEN

Sri Hari Prasad son of L. Laxaman Singh

1217/1550 Ratanpur Colony

Panki, Kanpur.

AND

The Senior Manager,
Punjab and Sindh Bank,
Branch Office,

Gadarian Purwa K-622, Kanpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide notification No. L-12012/163/2001 IR-B-II dated 29-11-2001 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal.

2. Whether the action of the management of Punjab & Sindh Bank Gadarian Purwa, Kanpur, in terminating the services of Sri Hari Prasad son of late Laxaman Singh w.c.f. 5-10-99 is legal and justified? If not to what relief is the concerned workman entitled to?

3. It is the own case of the workman that he was engaged as a daily wager by the opposite party bank on 01-01-91 and worked as such till 4-10-99 and when he reported for his duty on 5-10-99 he was not allowed to work by the opposite party in this way his services have been removed by the opposite party bank in breach of the provisions of Industrial Disputes Act, 1947, inasmuch as at the time of his termination neither he was given notice nor notice pay the retrenchment compensation by the opposite party bank. Therefore, his termination falls within the term of retrenchment which is bad in law and he is liable to be reinstated in the services of the bank.

4. A Part from above it has also been pleaded by the workman that beside performing daily work he was also doing the regular and permanent work entrusted upon him by the bank and he orally as well as in writing requested the bank to absorb him in the service of the bank which annoyed the authorities of the bank as a result of which he was removed from the service in an illegal and arbitrary manner which is against the rules and against the provision of the Industrial Disputes Act, 1947, which is liable to be set aside by this tribunal and he be directed to be reinstated in the service of the bank with full back wages and all consequential benefits.

5. On the other hand the claim of the workman have been vehemently denied by the opposite party bank on a number of grounds, *inter-alia*, that no officer of the opposite banks is empowered to appoint any employee in the bank unless he has been subjected to selection process framed under recruitment rules; that the workman has never been subjected to any such process, no appointment letter or termination letter has been issued to him, workman has never been given regular wages from the approved budget of the bank, mere by way of working on the basis of daily rated workman he cannot lay his claim towards his reinstatement in the service of the bank, the disengagement of the workman cannot amount to retrenchment and being so he cannot be protected under the provisions of I.D. Act. On the basis of above pleadings it has been prayed that the claim of the workman is devoid of merit as the opposit party never breached any of the provisions of the Act, therefore, the claim of the workman is liable to be rejected.

6. After exchange of pleadings between the parties both contesting parties have led oral as well as documentary evidence in support of their respective claims.

7. I have heard the arguments of the parties at length and have also perused the evidence and documents available on record carefully.

8. It is pertinent to mention here that the instant case can be decided only on the basis of admission of facts

ignoring the claim and evidence of the opposite party bank in view of settled legal position that the labour courts/Industrial Tribunals are not supposed to be used as forums for providing appointment against public employment without following the recruitment rules in view of the case Smt. Lata Devi decided by the Hon'ble Supreme Court of India in which it was clearly held by the Hon'ble Court that a casual employee, casual or even temporary employee, even ad-hoc employee has a right to claim reinstatement against any particular person if he has completed 120 days of continuous service, i.e., without undergoing through recruitment rules. The Hon'ble Supreme Court of India is its decision has also deprecated the practice of providing such employees. In view of this settled legal position, it emerges clearly in the own pleading of the workman that he was engaged on daily rate basis by some officer of the branch of the bank. The opposite party bank in its reply has clearly recited that no officer of the bank is empowered to appoint any person in the bank and all appointments are connected to supervisor, and control of the Head Office of the bank and only such persons are offered regular and permanent employment in the bank who are found eligible after test and interview.

9. In view of above and also in view of the fact that the workman has not whistled even a single word either in his pleadings or in his evidence about the violation of the provisions in the service condition, therefore, there remains hardly any need to discuss further evidence of the contesting parties in the instant case as it would equally fulfil exercise on the part of the labour court. However, the provisions of the Act cannot be read in isolation in the absence of plenary - regarding breach of the provisions of service rules as the provisions of the Article 14(1) are termed to be provisions governing the service conditions of the workman. Therefore, in view of above, it is clear that the provisions of the 14(1) Act are not applicable in the case of the workman and the workman cannot claim any entitlement for relief that is enshrined under the 14(1). The same are applicable only to such workmen who are appointed wile observing recruitment rules. Therefore, in view of above, it is held that the workman cannot claim any entitlement to any relief claimed by him.

10. Lastly, it is conceded that the workman cannot be held entitled for any relief as claimed by him in view of above observation. Therefore, the reference is to be decided in favour of the workman and in his favour the management and it is held accordingly.

11. Reference is therefore answered accordingly.

R.G. SHUKLA, President, I.C.L.

29/11/2008, 3rd Agra Court, 2008

S.O. 3139 अधिकारी फैसला नं. 3139
1947 का 11 अक्टूबर से अप्रूवन में आयोग द्वारा लिया गया एवं इसका उत्तराधिकारी फैसला

के बीच, अनुबन्ध में विभिन्न शास्त्रीय निवार में कानूनीय आदान
आदानीक अधिकारी अम. नामाज्ञ कानपुर के पंचायत (संदर्भ
म. 15/2006) को प्रभावित करती है, जो कन्दील सरकार के
31-10-2008 को प्राप्त करती है।

[नं. 12012/5/2005 अर्ड आर (वि. 11)]
राजिन अम्पर, अम. अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3139 In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref No. 15/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Punjab and Sindh Bank and their workman received by the Central Government on 31-10-2008.

[No. L-12012/5/2005-IR(B-II)]
RAJINDER KUMAR, Desk Officer
ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDENT OFFICER CENTRAL,
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHITRAM BHAWAN A.T.E.
CAMPUS, UDYOG NAGAR KANPUR**

Present Sri R.G. SHUKLA, I.C.L.

Industrial Dispute No. 15/2005

REPRESENTATIVE

Sri Vishal Kumar alias Vishnu Kumar

S/o Ghanshyam Das

Ro 37/87, Nagla Patti, Vrindavan High Road, Agra
AND

The Zonal Manager

Punjab And Sindh Bank

8, Jwala Building, Lal Bagh, Lucknow

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide notification No. L-12012/5/2005 IR-B-II dated 25-5-2005, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal for adjudication:

2. Whether the action of the management of Punjab & Sindh Bank in terminating the services of Sri Vishal Kumar alias Vishnu Kumar water boy peon with effect from 27-2-2007 is justified and legal? If not so what relief is the concerned workman is entitled?

3. In short the claim of the workman is that he was appointed in the month of July, 1990 by the opposite party without any appointment letter against 4th class vacancy. He performed the work at that post regularly for 8 hours in the bank and that he also performed the work of peon which was of a regular and permanent nature still principles of equal pay for equal work was not followed by the opposite party. After taking work from the workman at the branch where he was appointed the opposite party transferred his services from that branch at their extension

counter branch at Guru ka Tal Gurdwara Mathura Road Agra, in the year 1996. At that extension branch the workman apart from the work of peon had also performed the work of clerk and when he claimed in this regard he was told by the officers of the branch that when he is discharging the work of clerk he would automatically be deemed to be a clerk of the bank but despite repeated request made by the workman in this regard he was not issued any appointment letter in this respect by the opposite party bank. The opposite party denied the workman in marking his attendance at the attendance register but he was assured from time to time by the officers of the opposite party that he will be issued regular and permanent employment by issuing appointment letter. The workman has further pleaded that he made repeated request before the officers of the opposite party to declare him a clerk of the branch but they did not pay any heed in this regard. It has also been pleaded by the workman that at the time of termination of his services on 27-2-2002, the workman was neither paid any notice, notice pay or retrenchment compensation by the opposite party therefore, the action of the opposite party bank is in gross violation of the provisions of section 25 F, 25 G and 25 H of the Industrial Disputes Act, 1947, and lastly that it has been prayed by him that he be reinstated in the service of the opposite party with full back wages, continuity of service and with all consequential benefits.

4. The claim of the workman has been refuted by the opposite party on a variety of grounds. It has been pleaded that the applicant has never been appointed by the opposite party bank in any capacity whatsoever. Rather he was a casual employee for undertaking casual job on day to day basis as per requirement and exigencies of work accordingly such casual employment does not create any or vest any right in him to claim any regular tenure in the bank. In view of above question of termination of his services does not arise at all. It is also denied by the opposite party bank that the workman had ever worked about 8 hours on any day. It has also been denied by the opposite party that they ever transferred the workman to its any of the branch. It has also been denied by the opposite party bank that they ever utilized the workman for taking clerical work at the branch or at their extension counter. Lastly the management has denied any relationship of employer and employee between them and the workman and on the above basis it is pleaded that the claim of the workman is devoid of merit and is liable to be rejected as the provisions of Industrial Disputes Act, 1947, are not applicable in the case of the workman.

5. The workman has also filed his rejoinder statement in the case but a perusal of the same would reveal that nothing new has been pleaded in it than what has been pleaded in his statement of claim.

6. Both contesting parties have led oral as well as

documentary evidence in support of their respective cases. There is also joint inspection report filed by the parties

7. I have heard the contesting parties at length and have also perused the relevant records of the case carefully.

8. It has been argued by the authorized representative for the workman that the workman had worked under the opposite party continuously for years together and has also performed the work of clerical nature apart from performing the job of peon cum water boy and that he was repeatedly given assurance by the concerned officers of the opposite party that he will be soon given appointment order but by way of adopting unfair labour practice he was removed from the service of the bank even without following the provisions of the Industrial Disputes Act. As against it, it has been argued by the representative for the opposite party that the workman was never appointed by the opposite party and that there never existed any relationship of employer and employee and that the workman was engaged by them as a casual employee as per exigency of work and he was paid accordingly on day to day basis and also that they never taken the work of clerical nature from the workman.

9. In view above it has become desirable to examine the fact as to what legal right could be derived in favour of the workman in view of his statement of claim and evidence led by him. In his cross examination the workman has categorically admitted the fact that the post against which he was engaged was never advertised by the bank in the newspapers and on the notice board the manager of the branch had informed to that effect. He further stated that on coming about the vacancy through neither notice board he visited at the branch and that no written examination was ever held in this regard, nor any call letter was issued to him by any of the officer of the branch. He categorically admitted the fact that he was never issued any appointment letter or any transfer letter from New Agra Branch to Guru Ka Tal Gurdwara branch of the bank. Workman has also admitted in his evidence having taken loan for opening shop for Parchoor and has also admitted the documents executed by him in this regard.

10. The attention of the tribunal was also drawn to the joint inspection report dated 13-2-2007 document no. 18/1 available on the record of the case. A perusal of the same would go to reveal the fact that there are certain entries found mentioned in the hand writing of the workman on certain documents of the bank. But that will not entitle him to be declared as a clerk as possibilities cannot be ruled out that the workman might have performed that job in his own hand writing of his own without orders of the seniors in this regard with a view to improve his claim in future. It is settled legal position that if any work is performed without the orders of the competent authority by any person under service rules that will not entitle him for any kind of service benefits. In the joint inspection

report it has also been found that entries on the book of date 3-1-91, 5-1-91, 15-1-91, 18-6-91, 22-1-91, 27-1-91, 09-2-91, 16-2-91 and 17-2-91 are written in the hand writing of the workman and it is also learnt from the joint inspection report that the record for the period 18-01-92 to 28-02-92 was not made available as the same was not traceable. Certain vouchers have also been inspected for certain period to find out as to whether the workman has completed 240 days of continuous service or not. The vouchers which have been inspected are for the period January 91 to 26-02-92 which certainly goes to prove the fact that the workman has worked for more than 240 days of continuous service under the opposite party bank.

11. The tribunal after giving anxious consideration to the arguments of the workman in the light of his evidence and the joint inspection report is of the confirmed opinion that even if it is proved that the workman has completed for more than 240 days of continuous services as has been established by the joint inspection even then he cannot be given any benefit of the same as first of all it will have to be considered as to whether the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, are applicable in his case and as to whether his case falls within the definition of retrenchment as has been defined under Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947, or not.

12. To appreciate the point merely proceedings, evidence and arguments led by the workman is not sufficient without appreciation of the pleadings, evidence and arguments of the opposite party. The crux of the arguments of the management is that the appointment, engagement or the workman is *prima facie* held as no officer of the bank is entitled to appoint any person in the bank without following regular selection process. When this argument is viewed in the light of the settled legal position under service jurisprudence, the tribunal finds force in the arguments of the opposite party bank. Therefore, when the appointment or the engagement as the case may be, is not in accordance with the service rules, working days of the workman even for exceeding 240 days may be cannot help to him for the purposes of inviting the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947. Also more to say that it is the specific case of the opposite party bank that there never existed any relationship of master and servant between the parties the workman concerned cannot be covered under the definition of workman as defined under Section 2(s) of the Act. Therefore, in this view of end it is held by the tribunal that the provisions of Industrial Disputes Act are not applicable in the case of the workman, therefore, he cannot be held entitled to any relief whatsoever.

13. The representative for the management has cited certain entries in support of their case but all that all are irrelevant to the singularly expressed above hence there is no need to go into same in the present case. In this connection it may be mentioned that

240 days of continuous employment and if it is found that his initial engagement or employment is void *ab initio* he cannot be held entitled for the relief claimed by him.

14. Pin point 3 wherein of the tribunal was drawn towards settlement dated 16-10-92, document nos. 14-3 to 14-5 available on the record of the case, arrived at between the management of Punjab & Sindhi Bank and their workman, by the authorized representative for the workman and it has been argued by him that the case of the workman clearly falls within the ambit of the settlement hence he should be granted relief of reinstatement for the grounds mentioned in his statement of claim. Of course, there is neither any pleading nor any evidence on behalf of the workman nor there is any rebuttal by the opposite party bank yet the tribunal after going through the provisions of the settlement finds that according to clause of the settlement it is provided, that those employees who have completed 240 days in the preceding 12 months to be reckoned from the date of last served or in any other block of 12 consecutive months commencing from 15-04-80. Their inter-se seniority would be determined, on the basis of day on which they worked first as temporary employee as per banks available record. The settlement further provides that other employees not falling in the above category but have at least worked for 90 days from 01-01-82. The arguments advanced by the representative cannot be given any favour according to the own claim of the workman when it is the specific case of the workman that he entered in the services of the bank for the first time in the year 1990. There is clear cut mention of cut off date 15-04-80, upon whom the provisions of the above settlement are applicable and also it has been provided that persons at least have worked for 90 days from 01-01-82 only their cases the provisions of settlement are applicable and not otherwise.

15. When the case is examined in the light of the above provisions it is quite obvious that he for the first time entered in the services of the bank as claimed by him without any appointment letter or without exercise of selection process in the year 1990. It is true that the candidates falling under the settlement, in their case, the point whether they have been appointed after selection process or not has become redundant. What was required was that they should clearly the condition laid down in the above settlement. As it is the own case of the workman that he entered in the services of the opposite party bank in the year 1990, therefore, the provisions of the said settlement is not applicable in his case and therefore, he cannot be allowed any benefit of the same. From this point of view the workman is not entitled for any relief on account of the settlement dated 16-10-92.

16. Be that as it may be settled provision of law that pleading not pleaded in the plaint or statement of claim and no evidence on the point has been given by any party cannot be argued at stage of arguments and courts are not

bound to consider those arguments considering the same outside the scope of the case file. In the instant case no such pleadings or evidence on the point of settlement have been raised by the workman in his support, therefore, he cannot be held entitled for any kind of benefit out of settlement dated 16-10-92.

17. Accordingly for the discussions recorded above, it is held that the workman is not entitled for any relief as claimed by him as he has palpably failed to establish the fact that his employment was in accordance with the prescribed recruitments rules, therefore, his working more than 240 days cannot improve his case at all and that the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, are not applicable in his case.

18. Lastly the reference is bound to be answered in favour of the opposite party and against the workman. Ordered accordingly.

R. G. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 2008

का.आ. 3140.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, बैंक औफ बड़ौदा के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/क्रम मंत्रालय, कानपुर के पंचाट (संदर्भ सं. 33/2003 एवं 13/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-10-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/122/2003-आई आर (बी-II)] और

[सं. एल-12011/163/2004-आई आर (बी-II)]

राजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3140.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 33/2003 and 13/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Bank of Baroda and their workmen, received by the Central Government on 31-10-2008.

[No. L-12011/122/2003-IR(B-II)] and

[No. L-12011/163/2004-IR(B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SRI R.G. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR
Industrial Dispute No. 13 of 2005 and 33 of 2003**

In the matter of dispute between—

The Deputy General Secretary
U.P. Bank of Baroda Emps. Union
C/o Bank of Baroda Block
Kidwai Nagar, Kanpur

AND

The General Manger
Bank of Baroda
Baroda Corporate Centre
C-26, G Block, Bandra Kurla Complex Bandra (E)
Mumbai.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide notification No. L-12011/163/2004-IR(B-II) dated 21-04-2005 (in I.D. No. 13 of 2005) and also vide notification No. L-12011/122/2003-IR(B-II) dated 23-09-2003 has referred the following dispute to this tribunal for its adjudication—

2. In I.D. No. 13 of 2005 schedule of reference is to the effect that whether the action of the management of Bank of Baroda in not regularizing the services of 41 workers mentioned in the Annexure A enclosed by union vide representation dated 01-09-2003 and not allowing them facilities/benefits as per Bipartite Settlement, is justified and legal? If not to what relief the workmen concerned are entitled to?

3. In I.D. No. 33 of 2003 schedule of reference is to the effect whether the action of the management of Bank of Baroda in not regularizing the services of S/Sh. Ramveer Singh, Raj Mohan Bajpai, Awadhesh Kumar, Hari Kishan, Preadeep Kumar Singh, Prabhakar Tripathi, Ajai Pal Singh, Ram Parkash, Surya Prakash Tiwari, Sinal Kumar Samant, Daya Ram Verma and Ravi Shanker Verma from the date of their appointment is legal and justified? If not what relief the concerned workmen are entitled to?

4. As common question of law and facts are involved in the above industrial dispute cases, therefore, it is proposed to dispose of them by means of this common award.

5. It is not necessary to give full details of the case as after the exchange of pleadings between the contesting parties when the case was taken up for hearing 19-08-2008 at camp Lucknow, the representative for the union moved an application to the effect that the union do not want to press the above cases as a settlement on absorption of temporary employees has been arrived at between the union and the management of Bank of Baroda. The representative for the union has also filed copy of the settlement before the tribunal. The representative for the management has not objected to it.

6. Therefore, both the I.D. Cases are being disposed off as withdrawn having regard to the request of the representative for the union and in terms of settlement, a copy of which shall form part of this award.

R.G. SHUKLA, Presiding Officer

बैंक ऑफ बड़ोदा Bank of Baroda

BCC:BR/100/76

24th March, 2008

CIRCULAR LETTER TO ALL BRANCHES OFFICES IN INDIA

Issued By

Baroda Corporate Centre, HRM Dept., Mumbai

Dear Sir,

Re: Tripartite settlement dated 18-03-2008 under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the management of Bank of Baroda and All India Bank of Baroda Employees' Federation (Recognised Union) before the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai in the matter of absorption of casual temporary Peons Sweepers.

We are pleased to inform you that the issue relating to absorption of casual temporary Peons Sweepers has been resolved by signing a Tripartite Settlement with the All India Bank of Baroda Employees' Federation (recognized union) in presence of Dy. Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai under Section 12(3) of Industrial Disputes Act, 1947. A copy of the said Tripartite Settlement dated 18-03-2008 is enclosed for your information, record and reference.

Detailed operative guidelines on the modalities of absorption, wherever applicable, would be communicated through concerned Regional Head.

Yours faithfully,

(DIPANKAR MOOKERJEE)
General Manager (HR & Marketing)

Enclosure:

pkgn-br circular- its settlement(mar08)i.ja

Case No. 7(1)2008.E.1

Memorandum of settlement arrived at between the management of Bank of Baroda and their workmen represented by All India Bank of Baroda Employees' Federation (Recognised Union) under, Section 12 (3) of the Industrial Disputes Act, 1947 during the course of conciliation proceedings held on 18th March, 2008 before the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The All India Bank of Baroda Employees' Federation, Mumbai, (hereinafter referred to as "the Federation") vide its letter dated 28th January, 2008, raised an Industrial Dispute against the Management of Bank of Baroda, Mumbai, over the issue of absorption of casual/temporary persons working as Peons Sweepers and requested the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai, to intervene in the matter for resolution of the dispute. The matter was seized in conciliation by the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai and conciliation

proceedings were held on 30th January, 2008 and onwards on different dates.

In course of the discussions/conciliation proceedings, it transpired that:

- The branches/offices engaged temporary/casual persons during the leave absence vacancies of permanent Peon Sweeper without following prescribed rules/guidelines of the Bank. Over a period of time such temporary/casual engagement of persons continued for longer duration giving rise to demand by the Federation for their absorption. As it was an industry-wide phenomenon, the Government of India, after examination, came out with an "Approach Paper" for absorption of such temporary/casual persons. In terms of the said "Approach Paper", 647 temporary Peons Sweepers who had worked for 90 or more days between 01-01-1982 and 31-12-1989 were absorbed in Bank's service in the year 1995.
- Even after absorption of such casual/temporary persons, engagement of casual-temporary persons as Peon Sweeper at various branches/offices of the Bank had continued necessitating the Bank to review the matter for resolving the issue.
- The Bank has signed a Tripartite Settlement on 20-02-2008 under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 before the Assistant Labour Commissioner (Central), Kolkata with Bank of Baroda Karmachari Samity, Paschim Banga (affiliated to recognized AIBOBEF), Eastern Regional Council of Bank of Baroda Employees' Association (BERA) and Bank of Baroda Eastern States Employees' Association (AIBEA), in the matter of abolition of Canteen Boy System and absorption of temporary/casual persons who are sponsored by Employment Exchange engaged as Full Time/Part time Canteen Boy/Sweeper.
- The All India Bank of Baroda Employees' Federation is the recognized majority Union and sole collective bargaining agent for workmen in the Bank. Further, the Tripartite Settlement dated 1st September, 1973 provides that agreement on all India issues, except the wages and service conditions, which are settled at industry level, are to be reached with the All India Bank of Baroda Employees' Federation.
- The issue was discussed threadbare, both bilaterally between the Federation and the Management of the Bank and also in course of the conciliation proceedings held on several dates and after protracted discussions held on 18-03-2008 before the undersigned, both the parties agree to settle the dispute on the following terms of Settlement.

Now, it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as under :-

TERMS OF THE SETTLEMENT:

This Settlement will be applicable to all branches/offices of the Bank in India and shall come into force immediately subject to the terms and conditions mentioned hereunder :

1. The Canteen boy system, wherever in existence in the Bank, is abolished and henceforth, no Canteen Boy will be recruited/engaged either on permanent basis or on casual/temporary basis.

2. Subject to Clause 3, Casual/temporary Peons/Sweepers shall be absorbed in Bank's service in phased manner as under :

Phase - I :

The following category of casual/temporary Peons/Sweepers will be absorbed in Phase-I before 30th June, 2008.

- (a) Casual/temporary Peons/Sweepers who had worked for 90 or more days between 1-1-1982 and 31-12-1989 and are still working.
- (b) Casual/temporary Peons/Sweepers who had worked for 90 or more days between 1-1-1990 and 31-12-1990 and are still working.

Phase-II :

Casual/temporary Peons/Sweepers who have worked for 240 days or more in consecutive-12-months between 1-1-1991 and 29-2-1996 and are still working will be absorbed in Phase-II during the financial year 2008-09.

Phase-III :

Casual/temporary Peons/Sweepers who have worked for 240 days or more in consecutive-12-months between 1-3-1996 and 28-07-2007 and are still working will be absorbed in Phase-III during the financial year 2009-10.

3. Absorption of casual/temporary Peons/Sweepers will be in phases, as above and will be subject to the following conditions :

- (a) Casual/temporary Peons/Sweepers should fulfill the eligibility criteria viz. age and qualification as on the first date of engagement in the Bank.
- (b) Found medically fit for recruitment in Bank's service.
- (c) Absorption shall be with prospective effect i.e. from the date mentioned in the letter of absorption to be issued by the Competent Authority.
- (d) Such casual/temporary Peons/Sweepers will be

absorbed in their respective wage scale and on their absorption shall be fitted in the first stage of full time/part-time scale wages, as the case may be, viz. casual/temporary persons working as 1/3rd, 1/2, 3/4th and Full-time Sweepers shall be absorbed as 1/3rd, 1/2, 3/4th and full-time Sweepers, respectively. However, the casual/temporary persons who are presently being engaged as Peon but had earlier worked as Full-time/Part-time Sweepers will be absorbed as "Sweeper-cum-Peon" as per requirement and at the sole discretion of the Bank.

- (e) No arrears of wages salary, seniority or any other benefit shall accrue to such casual persons on their absorption and such casual/temporary persons shall not claim any such benefits for their past service/engagement with the Bank as casual/temporary person.
- (f) Deployment/placement of such casual/temporary Peons/Sweepers on their absorption in Bank's service shall be at the sole discretion of the Management depending upon its requirement, within the State. However, Bank will endeavour to keep such displacement to the minimum as per requirement.
- (g) Seniority of such casual/temporary Peons/Sweepers, on absorption, shall be reckoned in their respective cadre/scale wage from the date of their absorption in Bank's service.
- (h) Absorption is subject to their good conduct and verification of their antecedents.
- (i) The concerned casual/temporary persons and/or concerned employee's Organizations/Unions/Association shall withdraw all cases pending before the Conciliation Officer/Labour Court/Central Government Industrial Tribunal/High Court/Supreme Court or any other Judicial authority.
- 4. Both the parties agreed that :
- (a) The Government guidelines with regard to reservation of posts for SC, ST, OBC, etc. shall be applicable for absorption of casual persons.
- (b) It is specifically agreed that all casual/temporary Peons/Sweepers, who are covered under this Settlement for absorption shall submit individual undertaking as per Annexure 'A' to this Settlement agreeing to the terms and conditions stipulated in Clause 3 above, before consideration of their

request for absorption. Any conditional undertaking or undertaking in any other form and/or refusal to the order of placement/deployment shall be deemed as refusal to absorption by such concerned casual/temporary person and in such an event their claim for absorption shall not be considered, thereafter.

- (c) Casual/temporary Peons/Sweepers who are absorbed in Bank's service under this Settlement will be liable to be terminated from Bank's service in case it is found at any time that he made false declaration in the undertaking as per Annexure "A" or he submitted false fake document support of his educational qualification, age, caste, etc.
- (d) It is clearly understood that this Settlement will not be applicable to the persons engaged on casual-temporary basis after 28-07-2007 or who has not completed 240 days in a period of consecutive 12 months preceding 28-07-2007. Also, the Unions will not claim or file cases in respect of casual temporary persons who are not working engaged at present and/or not absorbed under Clause 2 above of this Settlement.
- (e) The Bank may extend/defer the process of absorption of casual/temporary persons beyond the time limit stipulated under Clause 2 above for a maximum period of 90 days for cogent reasons and in such event the Federation will be consulted.
- (f) Casual temporary persons who will be absorbed under this Settlement will not be eligible for promotion to Clerical cadre for a period of 5 years from the date of absorption.

5. All past and present claims/cases of casual temporary persons and/or Employees' Organizations are hereby resolved.

6. Save and except tripartite Settlement dated 20-02-2008, this Settlement supersedes all previous understandings/agreements/settlements/practices, local, regional, zonal or otherwise and the Unions will not raise any issue/demand in respect of matters covered under this settlement.

Both the parties shall submit implementation report within 30 days of the phase-wise time limit stipulated in Clause 2 of the Settlement with objection thereto, if any failing which it will be construed that the terms of this Settlement have been fully implemented.

SIGNATORIES TO THE SETTLEMENT

Representatives of Management of Bank of Baroda.	Representatives of All India Bank of Baroda Employees' Federation.
Shri Dipankar Mookerjee General Manager (HR & Marketing)	Shri A.K. Jain President
Shri J.D. Khanna Dy. General Manager (HRM & Admin.)	Shri Milind Nadkarni General Secretary
Shri C.V. Chandrashekhar Dy. General Manager (HRmcs, HRD & IL)	Shri Vinit Savena Deputy General Secretary
Shri Mukesh Garg Asstt. General Manager (HRM)	Shri V.P. Mahajan Deputy General Secretary
Shri K.C. Pati Asstt. General Manager (HRM & IL)	Shri K.J. Ramarathan Deputy General Secretary
Shri Pradeep K.G. Niyogi Senior Manager (HRM)	Shri R.G. Raut Deputy General Secretary
	Shri Kamlesh Shukla Joint Secretary

BEFORE M.L.

(B.S. Pawar)

Conciliation Officer under

Industrial Disputes Act, 1947 &

Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai

WITNESSES:

1. Shri V.M. Sawant
Asstt. Labour Commissioner (Central)
2. Shri Ganapati Bhat
Asstt. Labour Commissioner (Central)

The following Office Bearers of the All India Bank of Baroda Employees' Federation (Recognised Union) are signatory of this settlement.

Shri N. B. Dandiwala,
Treasurer

Shri M. J. Shah
General Secretary, Anand Unit

Shri Shri Dilip Brafumbhani
General Secretary, Ahmedabad Unit

Shri V. Ramakrishna,
General Secretary, A. P. Unit

Shri K. K. Verma
General Secretary, Bihar & Jharkhand Unit

Shri Magan Patel,
General Secretary, Baroda Unit

Shri Naresh Chaddha,
President, Delhi Unit

Shri R. V. Keni,
President, Goa Unit

Shri K. J. Tunga,
General Secretary, Karnataka

Shri Suresh Pai,
General Secretary, Kerala Unit

Shri R. M. Kudole,
Secretary, Maharashtra Unit

Shri P.G.M. Panicker,
General Secretary, M P & C G Unit

Shri Sudip Sen,
General Secretary, Nagaland Unit

Shri Raj Sharma,
General Secretary, Punjab Unit

Shri Subir Chatterjee,
General Secretary, West Bengal Unit

Shri P. L. Biswal,
General Secretary, Orissa Unit

Shri A. R. Suryanarayanan,
General Secretary, T. N. I. Unit

Shri John Peter,
General Secretary, T. N. I. Unit

Shri Subir Chatterjee,
General Secretary, West Bengal Unit

Shri Ashok Varma,
Jt. Secretary

Shri K. K. Kotian,
Jt. Secretary

Shri N. Venugopal,
Jt. Secretary

ANNEXURE—"A"

The Competent Authority,
Bank of Baroda,

Dear Sir,

Re: Undertaking in terms of Clause 4(b) of the Settlement dated 18th March, 2008 on Absorption of Casual/temporary persons engaged as Peon/Full-time/Part-time Sweeper

I have read and clearly understood the provision of the Settlement dated 18th March, 2008 and do hereby

accept the terms and conditions mentioned therein.

I am covered under the said Settlement dated 18th March, 2008 for absorption in Bank's service as Peon/Scale Wage Sweeper.

I am working as Casual Peon/full-time/part-time Sweeper in the Bank since Details of my casual/temporary engagement is as under :

Sl. No.	Branch/Office	From	To	Total no. of days	As Peon/PTS/FTS
1.					
2.					
3.					
4.					

I am enclosing herewith the following documents, in original, along with 2 attested copies of the same in support of my age, educational qualification, caste, etc. :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

I hereby submit undertaking that :

- (a) I shall not claim/demand any benefit whether monetary or otherwise from 'the Bank' relating to my casual/temporary engagement in the Bank for the period prior to the date of my absorption in Bank's service before any Authority/Court, in future.
- (b) I shall not raise any dispute before any Authority/Court relating to my placement/deployment on absorption in Bank's service.
- (c) In case subsequent to my absorption in Bank's service, if it is found that declaration made with regard to period of engagement is found to be false or any of the documents submitted by me in support of age, qualification, caste, etc., is false/false/forged, I will be liable to be terminated from Bank's service.

I am submitting this irrevocable undertaking after fully understanding the provisions of the aforesaid Settlement dated 18th March, 2008, and implication thereof.

Yours faithfully,

नई फिल्मी, 31 अक्टूबर, 2008

का. आ. 3141,- औद्योगिक विवाद अधिकारीय, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पंजाब एवं शिख थेक के उपर्युक्त के संबंध नियोजकों औंग उन्हें कार्यकारी के बीच, अनुमति में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारीय द्वारा न्यायालय कानून के तहत (संदर्भ सं. 91/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 31-10-2008 की प्राप्त हुआ था।

[म. एल 12012/88/2000-आई अर्ड-यो-II)]

राजिन्द्र कुमार, हौसा, अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3141:- In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 91/2000) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab & Sindh Bank and their workman, which was received by the Central Government on 31-10-2008.

[No L-12012/88/2000-आई अर्ड-यो-II)]

RAJINDER KUMAR, (कृष्ण अधिकारी)

ANNEXURE

BEFORE : SRI R.G.SHIUKLA, PRESIDENT/JUDGE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, SRINAGAR

BIAVAN ATI CAMPUS UDYOG NAGAR, N-1014, R.

I.D. No. 91/2000

Sri Rajendra Prasad Mishra Son of Sri Surendra Prasad Mishra Through Lalsi Ram 116/14, Rawalpur Village, Haryana

And

The Senior Manager Punjab & Sindh Bank Ltd., Office Haryanvi Nagar, Kanpur

AWARD

1. Central Government M.O.I., New Delhi, vide their notification No L-12012/88/2000 IR (B-II) dated 17-10-2008, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal.

2. Whether the action of the management of Punjab & Sindh Bank in terminating the services of Mr. Rajendra Prasad Mishra w.e.f 28-9-99, is legal and justified? If so, what relief the concerned workman is entitled?

3. The case in short as set up by the workman in his claim statement is that he was engaged on the basis of oral instructions of the opposite party no. 2 in the year of peon in the year 1998 at the rate of Rs. 1200 per month and that having regard to the work and conduct of the workman the opposite party enhanced the rate of his wages at Rs.1350 per month. It is further alleged by the applicant that he

reported at the place of duty on 28-09-99 but the then branch manager did not pay him for his discharge his duties and at verbal instructions enhanced his rate that his services have been determined with effect from 28-09-99. It has also been alleged by the applicant that at the time of termination of his services he was not paid notice period or the retrenchment compensation. Therefore, the dispensation of his service by the opposite party is nothing but an illegal retrenchment in violation of the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 and therefore it has been prayed that he be reinstated with compensation of the opposite party with full back wages and interest since date of 28-09-99 to the consequential benefit.

4. On the contrary the claim of the workman has been vehemently denied by the opposite party by filing detailed reply where in it has been pleaded by them that the cause of action for termination is alleged that the workman has been retrenched from the services of the opposite party is incorrect; that the workman was engaged in the services of the opposite party on 28-09-99, therefore he was not a dispensation of his services from the day of date of termination described in the letter sent to him regarding relationship to end his services as per his contract with the opposite party and in view of the above it is pleaded to presumed that the opposite party in any point of time has never terminated the services of the applicant. But the applicant was not engaged by the opposite party as peon as claimed by him and in fact the applicant was engaged as a casual labour w.e.f 5-4-99 by the opposite party at their Haryanvi Nagar Branch at Kanpur and the applicant was provided wages on the basis of day to day work; that it is denied by the opposite party that he was ever denied to work on 28-09-99 by the opposite party; it is also denied by the opposite party that the applicant was returned from his service by the branch manager of the opposite party on 28-09-99 and that his services have been terminated; that the rules and regulations for providing regular employment and appointment in the service of the opposite party is blank and the applicant had never subjected through any written process therefore he has no legal right to claim engagement in the services of the opposite party on the basis of the same it has been claimed that the claim of the workman be rejected as there is no merit in the same of the workman being a casual or daily rated employee.

5. The workman has cited reason in which nothing new has been claimed by him except reiterating the facts already pleaded in the original complaint affidavit.

6. After exchange of pleadings between the parties both parties have filed cross-examination evidence in support of their respective claims as well as they have also adduced oral evidence.

7. I have gone through a majority of the contesting parties at length and have also gone through the records of the case carefully.

8. Now first of all it will be seen as how far the workman has been able to establish his claim for his reinstatement. The workman in his evidence has categorically admitted the fact that he was neither issued any appointment letter nor any written order by means of which his services stands terminated. It has also come in evidence that he was never paid his wages as was being given by the opposite party to their regular and permanent employee. It has also come in the evidence of the workman that an application was invited from through the branch manager of the branch but at this stage it may be point out that no officer of the bank is empowered to engage any employee without undergoing through regular and permanent selection process and any appointment made by any officer of the bank it can safely be held that such appointments are by way of back door entry.

9. Workman has also filed certain documents in support of his claim but a perusal of the same would go to indicate that they are not sufficient to improve the claim of the workman in any manner or to prove that the workman had ever completed 240 days of continuous service within the meaning of Section 25B of the Act. Even the workman in his pleading or in his evidence has not stated anything regarding breach of any of the provisions governing the service conditions of the employees of the bank, therefore, the provisions of the act cannot be applied as a straight jacket formula for claiming relief under the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, by simply stating that the provisions of the Act have been breached in the case of the workman.

10. The position that no one can claim appointment in public employment on the strength that he had rendered certain days of service either on casual basis, temporary basis or ad-hoc basis has finally been set at naught in the leading case of Smt. Uma Devi by the Hon'ble Supreme Court of India, wherein it has clearly held that a casually, daily rated employee, temporary employee or even an ad-hoc employee has not right to claim employment or absorption in service unless he has been selected through regular selection process under recruitment rules.

11. In view of above position when the claim of the workman has not been found within the purview of the provisions of Industrial Disputes Act, it cannot be held that the services of the workman had been terminated by the opposite party bank at any point of time and being so when the claim of the workman fails from his own pleadings, evidence there remains hardly any need to discuss the pleadings and of the opposite party bank.

12. Thus from the discussions made above, it is held that the provisions of ID Act are not at all applicable in the case of the workman and if it is so it cannot be held that the opposite party have flouted any of the provisions of the Act and being so the workman cannot be held entitled for grant of relief as claimed by him.

R.G SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

का. आ. 3142.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947

का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार आपां स्कूल के प्रबंधितंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम च्यायालय नं.-2, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 1256/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-14012/12/2005-आई आर (डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd November, 2008

S.O. 3142.—In pursuance of Section 17 of the

Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1256/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II Chandigarh, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Army School and their workman, which was received by the Central Government on

3-11-2008.

[No. I-14012/12/2005-IR(DU)]
AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL, TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, SECTOR 18- A, CHANDIGARH.

PRESIDING OFFICER: SHRI KULDIP SINGH

Case I. D. No. 1256/2K6

Registered on : 16-2-2006

Date of Decision : 16-10-2008

Shri Sita Ram Son of Shri Chait Singh w/o House No. 344,
Dhiruk Majri, Patiala.Petitioner

Versus

The Principal, Army School, 40, Baradari, Patiala.

....Respondent

APPEARANCE

For the Workman : Messrs K. L. Behl and Gurdip
Singh, Advocates

For the Management : Mr. M. R. Dhiman, A.R.

AWARD

The workman is not present. Mr. Gurdip Singh representative of the management is present. He states that the parties have compromised in the case as well as in all matters pending between them at different forums. He has placed on record certified true copies of the application of the workman, his statement and that of the order of Presiding Officer, Labour Court Patiala. The combined reading of these documents show that the parties had litigation in different courts; and that the workman has received Rupees 25,000 compensation as full and final settlement of all his claims against the management. The

workman is not present to deny this fact. It is to be presumed that the workman is absent as his claim has been settled.

Government of India, Ministry of Labour vide their Order No. L-14012/12/2005-IR (DU) dated the 26th December, 2005 referred the following dispute for the adjudication of this Tribunal:

Whether the action of the management of the Army School, Patiala in terminating the services of Sita Ram, Ex-Mali w.e.f. 14-9-2004 without complying with the provisions of Sections 25-F, G, and H of the I.D. Act, 1947 is legal and justified? If not, as what relief the workman is entitled to and from which date?

On a notice of reference, the parties appeared and filed their pleadings and supported the same with the affidavit of workman and of Gurdeep Singh I.D.C. of the management. They also placed on record photo copies of a number of documents, some at their own and some on the application of the workman. The matter was to be tested for the evidence of the workman when the present development has taken place. So far there has come no evidence on record to support the claim of the workman which has been denied by the management. Since the workman has chosen not to appear in the case and there is nothing to doubt the claim of the management that the parties have settled the disputes of their own, I find no evidence on record to support the claim of the workman. Therefore, there is nothing to show that the management had terminated the services of the workman in violation of provisions of Section 25-F, G and H of the I.D. Act, 1947 as is not entitled to any relief. The award is passed accordingly in these terms.

Let the copy of the award be sent to the Appropriate government for necessary action and the file be consigned to records after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

का. आ. 3143.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार भवत्ते खात नियम के प्रबंधन अंत संबद्ध नियोजकों और उनके कामदारों का बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकारी, चपड़ीगढ़ के पास (संदर्भ सं. 167-2k5) को प्रकाशित करने हैं जो केन्द्रीय सरकार को 3-11-2008 तक प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/304/1997-आई अर (भौ-11)]

अजय कुमार गौड़, डस्ट अधिकारी

New Delhi, the 3rd November, 2008

S.O. 3143.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 162-2k5) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workman, which was received by the Central Government on 3-11-2008.

[No. L-22012/304/1997-(R/C/11)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

2008/11/29
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, SECTOR 38A,
CHANDIGARH, PUNJAB

PRESIDING OFFICER: KULDIP SINGH

Case I.D. No. 163/2K5

Registered on : 1-8-2008

Date of Decision : 16-11-2008

Shri Jatinder Singh of Noida, Sonipat & Panj Garh Dist. Haryana ...Petitioner

District Manager, FCI, Patiala

, Respondent

APPELLANT

For the Workman: Mr. Gurdeep Singh, Advocate

For the Management: Mr. Ajay Kumar Gaur, Advocate

The Ministry of Labour, Government of India, referred the following dispute for the adjudication of this tribunal vide their No. L-22012/304/1997-(R/C/11) dated 27/6/2008.

2008/11/29

"Whether the action of the management of FCI Corporation of India, Rohtak in dispensing the services of Shri Jatinder Singh, workman w.e.f. 1-5-1997 is just and legal? If not, as what relief the workman entitled to?"

The notice of reference was given to the parties who appeared through their counsel and filed their respective claims in the cause of statement of claim and reply of the management. The management placed on photo copies of a number of documents in support of their claim. The parties also tendered affidavits of persons they desired to produce in the case in support of their respective claims.

The case was being argued by the evidence of the workman and the records of the case shows that the workman did not appear for his statement right from the day he was given chance to produce his evidence. Even before that he did not attend the case personally on any day right from 11-10-2007. Ultimately a legal notice was sent to him vide postal receipt No. 28375 on 1-11-2008. So far neither the notice sent has been returned back un-served nor the workman has appeared to prosecute his case. This shows that he has lost interest in the prosecution of his case. In support of his claim that the management had dispensed with his services w.e.f. 1-5-1997 and their action was unjust and illegal, the workman has not produced any evidence. The management has denied all claim in toto, duly supported by the affidavit of their witness. Therefore, the workman is not entitled to any relief. The reference is answered against him and the same is passed.

Let the copy of the award be sent to the Appropriate government for necessary action and the file be consigned to records after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

ज्ञा. आ. 3144.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार नाजिम दरगाह खालिब, अजमेर के प्रबंधनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चिट औद्योगिक विवाद में ओद्योगिक अधिकरण/अम न्यायालय अजमेर के पंचाट (संदर्भ स.) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/35/99-आई.आर. (डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd November, 2008

S.O. 3144.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal/Labour Court, Ajmer as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Najim Dargah Khawja Sahab, Ajmer and their workman, which was received by the Central Government on 3-11-2008.

[No. L-42012/35/99-IR (DU)]
AJAY KUMAR, Desk Officer

अनुबंध

न्यायालय अम एवं ओद्योगिक न्यायाधिकरण, अजमेर(राज.)

पीठासीन अधिकारी : श्री मिथिलेश कुमार शर्मा,
आरएचजेएस

प्रकरण संख्या—सोआईटीआर 08/01

[रेफरेंस नं. एल-42012/35/99-आईआर (डी.यू.)
दिनांक 22-5-01]

कैप्टन धो.कालू खां भट्टार टेकरी, लुंदनगढ़, अजमेर(राज.)
...प्रार्थी

बनाम

नाजिम, दी नाजिम दरगाह खालिब, अजमेर
...अप्रार्थी

उपस्थित: श्री रा.डी.खाना, अधिकारी, प्रार्थी।

श्री वी.डी.भारत, अधिकारी, अप्रार्थी।

दिनांक : 23-9-08

अवार्ड

1. कैंड्र सरकार द्वारा प्रेषित विवाद निम्न प्रकार है:-

Whether the management of Najim Dargah Khawja Sahab is an Industry under sec 2 (j) of the I.D. Act, 1947. If so whether the action of Najim Dargah Khawja Sahab Ajmer in terminating the Services of Capt Mohd Kalu Khan (Retd) Ex receptionist Guest House and security Incharge without payment of

retrenchment Compensation is just and valid? if not what relief the workman is entitled to?

2. प्रार्थी पक्ष ने अपने कलेम के विवरण में अक्ति किया है कि उसका सेवा समाप्ति आदेश दि. 24-4-95 को निरस्त किया जाकर उसी दिनांक से निरत रथाई कर्मचारी के बतावान के पद पर नियमित मानते हुए बेतनमान व पिछले बेतन भावित सभी भृतों तथा कॉर्सोवेशलय लाभ के साथ। 8 प्रतिशत व्याज सहित रीस्टेट करने के आदेश जो प्रार्थी की भूमि व द्वालोकी का एवियर सहित तथा व्याज, मुकदमे का खर्च व अन्य शहर जो दन्तित हो भी दिताजाने की मांग की है। कलेम में संशोधन व परिवर्तन के अधिकार को भी सुरक्षित रखने का निवेदन किया है क्योंकि प्रार्थी की नियुक्ति अप्रार्थी के अधीन जमादार के पद पर दि. 10-7-93 ओं जरिये नियुक्ति पत्र हुई थी जिसमें उसे स्थाई बेतन 240 रु. प्रतिमाह देना अंकित किया है। आगे अंकित किया है कि उसने इमानदारी से लगातार 24-4-95 तक इद्यूरी दी तब दिनांक 21-2-94 को उसका स्थानातंत्र रिसेप्शनिस्ट गंगट हाऊस के पद पर का दिशा। आगे अंकित किया है कि व्यार्थी ने अग्राहक दि. 24-4-95 को बिना किसी काण लिना किसी जांच के अवैध स्फ से सेवाये समाप्त कर दी और बकाया तारखाह 1775 रु. का चैक प्रार्थी को दे दिया। आगे अंकित किया है कि उसने भेदा समाप्ति की अपील अद्यक्ष को की थी किंतु आश्वासन देते रहे और अपील पर आज तक आदेश नहीं करना भी बताया है। आगे अंकित किया है कि प्रार्थी ने अप्रार्थी की पाल छोल रखी थी जो अप्रार्थी को बर्दाशन नहीं होती थी इस कारण से उसे सेवा से बर्खास्त करना बताया है। अंत में प्रार्थी ने स्वयं के सेवा-समाप्ति से लेसेअपर होना भी बताया है।

3. अप्रार्थी पक्ष ने अपने जवाब में प्रार्थी पक्ष द्वारा कलेम में उल्लिखित तथ्यों का खंडन करते हुए प्रार्थी के कलेम को खारिज कर अबाई अप्रार्थी के पक्ष में पारित करने का निवेदन किया है क्योंकि प्रार्थी की नियुक्ति बतौर जमादार निश्चित बेतन पर पूर्णतया अस्थाई रूप से की गयी थी, प्रार्थी के खिलाफ कई शिकायतें रिश्वत लेने, काउंटर पर रिफंड नहीं लेनाने अदि की थी। आगे अंकित किया है कि प्रार्थी की सेवापुक्ति विध अनुसार जिये चैक 1775 रु. भुगतान करके दि. 24-4-95 को करना बताया गया है। आगे अंकित किया है कि प्रार्थी के खिलाफ कई शिकायतों के कारण अप्रार्थी संस्थान की कदमावी हो रही थी। आगे अंकित किया है कि आई.डी.एस्ट के प्रावधान प्रार्थी के भासले में लागू नहीं होते। विशेष कश्त में अंकित किया है कि अप्रार्थी संस्थान धार्मिक/चर्चांतवल है जो बिना लाभ के कार्य करती है इसलिए वाणिज्यिक श्रेणी में नहीं आने से आई.डी.एस्ट के प्रावधान लागू नहीं होने से स्वयं को इंडस्ट्री की परिभाषा में नहीं आने के कारण, प्रार्थी के कलेम को मय खर्च निरस्त करने की ओर में प्रार्थना की है।

4. उपरोक्त कलेम तथा जवाब पर दोनों पक्षों को सुना गया, पत्रावली का अवलोकन किया गया। त्रिद्वान अभिभावक प्रार्थी को

1. 9. 1978. 471. 1. 1978. 471. 1. 1978. 471. 1. 1978. 471.

जहां आपनी जिम्मेदारी का अवलोकन करते हैं, तो वह उसके लिए अपनी जिम्मेदारी का अवलोकन करते हैं। यह एक अद्भुत विचार है।

—कर्मचारी द्वारा किये गये अपेक्षाएँ जो उनके लिए निश्चिह्न रूप हो सकती हैं।

4. यह अंकों की संख्या वाले निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प सही है ?

(a) एक सरल गणितीय समस्या का उत्तर है।
 (b) एक सरल गणितीय समस्या का उत्तर नहीं है।

५. अरमान विभाग के द्वारा जारी किया गया अधिकारी विवरण संकेतन अपराध अद्वितीय विवरण के लिए उपलब्ध है।

कर्मचारी दापत लगाये गए। उन्हें दूसरी दृष्टियों से देखा जाता है। वह कर्मचारी अपनी अपनी चाहीं की दृष्टियों का एक अन्य दृष्टिकोण है। उन्हें दूसरों को बेला में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि उन्हें दूसरों को अपने प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए।

© 1995 JOHN WILEY & SONS, INC.

“*...and the world was made new.*”

७ अप्र० (३) २९०५ वि. १ तिथि १८७३ वि. १८७४
२२ अप्र० संक्ष. विवरण दें।

प्रति 25 एक जिसकी विद्युत वर्षा के लिए उपयोग की जाती है।

१९७० एसआईसी ने ३५८४ करोड़ रुपये का वित्तीय संग्रह किया है।

कमीजामे ऐसा लोग हैं कि वह अपनी जीवनियाँ देखते हैं।

१०. २००५ रुप. शहरी क्षेत्र, ११. २००५ रुप. अन्य क्षेत्र।
१२. २००५ रुप. अन्य क्षेत्र।

• २५ वर्ष २४० रुपये का एक लाभ अनुदान दिया जाए।

८. विद्यान अभियांत्रक एवं उपकरणों के लिए अधिक व सीखेवा प्राप्ति की जरूरी है।

प्रायः एव स्वरूपं ज्ञात्वा देव
दिव्यं देहं स्वं चरम् है इति वा
स्मै प्रायश्चित्तं अत्र मे क्षमा
स्वयं गता है दिव्यं अनापानं
स्मै प्रायश्चित्तं वै शोषितवल्लो ऽप्य
स्मै द्वयं प्रायश्चित्तं वै क्षमा
क्षम्य एव अनेन रुद्धिं वै क्षमा
वै क्षमा वै क्षमा वै क्षमा

२. विद्वान् अभिभावक अवधि^१ के लिए सेवा है जिस उद्देश्य
से लोगों भ्रष्ट देखने की ज़रूरत है। इसी लाभोंका होना चाहीय
उद्देश्य से उद्देश्य माने जाते हैं। इसके प्रतीक जो विद्वा-
न्मनोंमें जलता है, उस पर कानून बनता है। विद्वान् यह कठीन लाभ
प्राप्तिका है और इस आवश्यकता की ज़रूरत विद्वान् में रहती
है। विद्वान् अभिभावक के लिए उद्देश्य सेवा है।

विद्वान् अधिकारीक लोकों का एक समूह है जिसमें वह
उत्तम वर्ग रिंगलिस्ट वाले लोगों की भी शामि है। इन्हें उत्तम वर्ग
कहने उचित किया जाता है। इन्हें लोगों का अस्तित्व विविध रूप
प्रभावित करते हैं और मनोविज्ञानी विद्वानों का अस्तित्व वही का
प्रभावित करते हैं जो विवेचनों के उत्तरावधि विविध विवरण
प्राप्ति के द्वारा विश्वासन करने के लिए। इन्हें ग्राम वन्द्यों का
एक हुए स्वीकरणीयता का दृष्टि ... विविध विवरण लोगों की विविध
स्थिति प्रभावकरण आदि उत्तरावधि विविध विवरण होते हैं।

४. विद्वान् अभिभाषकः स्वतःीन् एव वस्तीन् हेतुं आप्यर्थी
द्विषेक विवाद अधिनिदप् । तदपि उत्तर वस्ती वस्ती होता है,
उद्घाटन नहीं है। अप्यर्थी ज्ञानात् वस्ती प्राप्ति ने अप्यन्ते ज्ञेयम्
ल नहीं किया है तथा याधी । अतः उत्तर वस्ती द्वारा द्विषेक विवाद
किंतु भूत्याचार के कारण विवाद नहीं है। अतः उत्तर वस्ती पृथक्करण का
द्विषेक एक साह फो औप्राम् । अतः वस्ती हेतु शोषण विवाद
कर संवा पृथक्करण आदि । अतः उत्तर वस्ती वस्ती हेतु विवाद
करने के लिए विवाद किया जाएगा।

1. ए.आई.आर. 1956 (एस.सी.) पेज नं. 23। जे.के. आयरन और स्टोल कं. लि. कानपुर बनाम आयरन एंड स्टोल मजदूर यूनियन, कानपुर।
2. 1974 लैब आई.सो. 166 ग्लैंसों लेबरेट्रीज इंडिया लि. अलोगढ़ बनाम ग्लैंसों स्टाफ एसोसिएशन व अन्य।
 - जिनमें यह स्पष्ट किया गया है कि श्रम न्यायालयों पर दीवानी न्यायालयों संबंधी तकनीकियों साथ नहीं होती है लेकिन फिर भी सामान्य सिद्धांतों को लागू करना चाहिए।
3. 2004 (4) डब्ल्यू. एल.सी. पेज नं. 357 श्रीमति कृष्णा खंडलवाल बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान।
4. 2004 (4) डब्ल्यू. एल.सी. 24। ए. भंडललाल बनाम गोखाराम व अन्य।
 - जिनमें जो तथ्य अभिवचनों में नहीं है उसके संबंध में प्रश्न की गयी साक्ष्य पर विचार नहीं करना चाहिए और न ही उस बिंदु पर बहस की अनुमति देने के संबंध में।
5. ए.आई.आर. 1966 पेज 186। भगतसिंह व अन्य बनाम जसवंत सिंह।
 - जो तथ्य बचाव में नहीं उठाया गया है, उस बिंदु पर प्रेश की गयी साक्ष्य निरर्थक माने जाने के संबंध में तथा राज. इंडस्ट्रीजल स्ल्ट्स 1956 के नियम 10(बी) का भी हवाला दिया है।
10. जबाबी बहस में विद्वान अभिभावक प्रार्थी की यह भी दलील है कि जो तथ्य वैधानिक है उनको अभिवचनों में वर्णित करने को आवश्यकता नहीं होती है और तथ्यात्मक बिंदुओं पर ही अभिवचन न्यायालय में प्रस्तुत किये जाते हैं, इस कारण अप्रार्थी उद्घाट नहीं किया जाना और इस संबंध में अभिवचनों में प्रार्थी द्वारा वर्णित नहीं किया जाना और इस संबंध में उद्घाटी गयी आपत्ति असंगत माने जाने को दलील दी है।
11. उपरोक्त दलीलों के संदर्भ में मैंने पत्रावली का अध्ययन किया तो पाया कि सर्वप्रथम इस न्यायालय द्वारा तथ्य किया जाने वाला बिंदु यह है कि क्या मैंनेजमेंट नाजिम. खुवाजा दरगाह सहित धारा 2 (जे) आई.डी. एक्ट के अंतर्गत उद्घोष की श्रेणी में आता है?
12. इस संदर्भ में प्रार्थी की ओर से जो तथ्य अपने वलम्ब में वर्णित किये हैं, उनमें ऐसा कोई भी तथ्य वर्णित नहीं किया है जिसमें यह स्पष्ट होता हो कि किन आधारों पर यह उद्घोष की श्रेणी में आता है और इस संबंध में अप्रार्थी की ओर से जो आपत्ति उद्घाटी गयी है उसमें मुख्य आधार भी यह लिया गया है कि जो तथ्य प्रार्थी ने अपने वलम्ब में वर्णित नहीं किया है, उस तथ्य की वैधानिकता का परिष्कार साक्ष्य के आधार पर नहीं किया जावे।
13. मैंने इस संदर्भ में अप्रार्थी की ओर से प्रस्तुत की गयी नजीर का अध्ययन किया तो यह ब्रॉकट हुआ कि विचाराधीन प्रकारण में मुख्य बिंदु जो इस न्यायालय के द्वारा तथ्य किये जाने के लिए रेकर किया गया है, वह अप्रार्थी संस्थान उद्घोष है या नहीं, ही मुख्य बिंदु है और उसी बिंदु के भवंध में प्रार्थी के द्वारा अपने आधार वलम्ब के रूप में दर्शाये हैं तथा जो जबाब अप्रार्थी द्वारा पेश किया गया है, वह भी उसी संदर्भ में पेश किया गया है। रेफोर्म में जो बिंदु महत्वपूर्ण है, वह

अभिवचनों का अंग है और उसी के संबंध में तथ्य के साक्ष्य उभयपक्षों की ओर से पत्रावली पर पेश किये गये हैं। अतः मात्र वलम्ब में अप्रार्थी संस्था डचोग होने बाबत तथ्य वर्णित नहीं किये होने से प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य को निर्वर्तक मानना उचित प्रतीत नहीं होता है। इस संबंध में मेरे समक्ष प्रस्तुत की गयी नजीर का अध्ययन किया तो पाया कि ए.आई.आर. 1978 एस.सी.548 की नजीर में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि:-

Industry "as defined in S.2(1) has a wide import

Where there is (i) Systematic activity (ii) organized by Co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is chimerical (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated so satisfy human wanting and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss e.g. making on a large scale prasad or food) prima facie there is an industry in that enterprise.

Absence of profit motive or gainful objective is irrelevant be the venture in the public, joint private or other sector.

The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity.

14. इस बिंदु के संबंध में जो साक्ष्य पत्रावली पर आयी है, उस बाबत अध्ययन से प्रकट होता है कि प्रार्थी कालू खाने जो अपना शपथ पत्र प्रस्तुत किया है उसमें यह वर्णित है कि उसमें अप्रार्थी के जबाब का जबालुल जबाब प्रस्तुत किया जो प्रदर्श डब. 3 है संयुक्त श्रम आयुक्त केंद्रीय ने दोनों पक्षों की वार्ता करवाली जो दि २७-११-९४ को असफल हुई जो प्रदर्श डब. 2 है और उसके अधार पर अधिमूल्य प्रदर्श डब. 1 इस न्यायालय में प्रस्तुत हुई। मैंने इस संरक्षण में प्रदर्श डब. 2 का अध्ययन किया तो पाया कि उसके पत्र दि. २७-११-९४ में जो तथ्य वर्णित किये गये हैं उसमें प्रार्थी को श्रमिक दर्शाया गया है और उसकी सेवा समाप्ति तथ्यों का विवरण किया गया है और उसके पत्र में अप्रार्थी की ओर से जो जबाब में तथ्य वर्णित किये गये थे, उनका विस्तृत विवेचन भी है। यह पत्र रेफोर्म एक्ट में एक महत्वपूर्ण झंडा ही आधार है। इसके अलावा जो प्रार्थी की ओर से प्रदर्श डब. 3 प्रार्थी का सहायक श्रम आयुक्त केंद्रीय, सिविल लाइस्न, अजमेर को भेज दिया है उसमें भी इन्हीं तथ्यों का विवेचन है और उसके पत्र में प्रस्तुत १-२ से स्पष्ट होता है कि प्रार्थी के द्वारा जो तथ्य महायुक्त श्रम अ. ३३३/१ इकाई किये गये, वह उसको संवा शर्तों के संधर में थे और अन्यथा गतिष्ठान के कार्य के प्रकृति के संबंध में थे।

15. इसी संदर्भ में मैंने उभयपक्षों को ओर से प्रस्तुत की गयी साक्ष्य का अध्ययन किया तां पाया कि अप्रार्थी की ओर से जो गतिष्ठान पेश किये गये हैं उनमें यनाइटेक्यू-१ इंज. मौहम्मद ने अपने शपथ पत्र में यह कहा है कि दि. ३०-७-९४ को वह दरगाह गैस्ट हाउस में केयर-टेक्स व रिसोर्सिनिस्ट के पद पर कार्यरत था और शेष अहमद निवासी मुंबई ने इस परिवर्तन के मंबंध में प्रार्थी के विकल्प शिकायत की गयी थी उस समय इयूटी पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जायसीन का नाम लेकर कहा कि पचास रुपये की रिश्वत लेकर

१६. ४७५ रुपये का विद्युत वितरण कार्यालय
किंवदन नियमन विभाग की ओर से जारी किया गया है।
उचित रूपये का वितरण करने के लिए इसको अपने पास ले लें।
प्रकाश के लिये उपलब्ध वितरण की ताकत नहीं।

१७. ४७६ रुपये का विद्युत वितरण कार्यालय
परिवहन विभाग की ओर से जारी किया गया है।
फिल्म द्वारा लिये गये वितरण की ताकत नहीं।
दृश्य उत्पादन के लिए उपलब्ध वितरण की ताकत नहीं।
वित्तीय वितरण की ताकत नहीं।

१८. ४७७ रुपये का विद्युत वितरण कार्यालय
कीरण कार्यालय की ओर से जारी किया गया है।
खाना खुद लेने का वितरण करने की ताकत नहीं।
गिरजाघर लिये गये वितरण की ताकत नहीं।
पर्यावरण विभाग की ओर से जारी किया गया है।
स्वरूप में लाने की ताकत नहीं।
लिंगायती लिये गये वितरण की ताकत नहीं।
उत्तरकाशी लिये गये वितरण की ताकत नहीं।
अधिकारी लिये गये वितरण की ताकत नहीं।

है उसमें भारतवर्ष के विभिन्न जनजाति की संस्कृति और धर्म है जिसका अध्ययन एवं विद्या का विविध विषय है।

१४८ अब इस समय के लिए यह सीधे साहं ने देखा था कि
वे वह मुझे भक्ति करते हैं कि उन्होंने बड़े बड़े लिंगों
द्वारा देखा गया था जो आप देखते हैं और आप देखते हैं।
वे यह देखते हैं कि आप देखते हैं और आप देखते हैं।
वे यह देखते हैं कि आप देखते हैं और आप देखते हैं।
वे यह देखते हैं कि आप देखते हैं और आप देखते हैं।

कि यह बात सही है कि शेर मोहम्मद ने जो मेरे खिलाफ 30-7-94 को शिकायत की थी, जो हुआ है जिसका मैंने जवाब दे दिया । यह सही है कि राधनपुर निवासी जैड, ए. चौहान ने मेरे खिलाफ रिश्वत लेने की शिकायत को भी जिस पर जवाब मैंने लिखित रूप में नाजिम को दे दिया था । यह बात सही है कि रिश्वत लेने, पैसा हटाने से संस्थान की बदनामी होती है । बलेम के पैरा नं. 10 में ए से बी भाग मैंने सही लिखाया है ।

21. इसी संदर्भ में पैरा नं. 10 के ए से बी भाग का अवलोकन किया तो उक्त भाग में :-

"बहिक प्रार्थी ने तो अप्रार्थी के सानिध्य में हो रही धांधलियों का पदार्पण किया था तथा अध्यक्ष, दरगाह कमेटी, अजमेर को लिखित में इनका हवाला दिया । अप्रार्थी ने प्रार्थी की शराफत का नतीजा उसको सेवा से मुक्त करके दिया । क्योंकि प्रार्थी ने अप्रार्थी की पोल खौल रखी थी औ अप्रार्थी को बदाशत नहीं हो रही थी । इसी कारण से अप्रार्थी ने प्रार्थी को सेवा से बर्खास्त किया ।"

22. इसी संदर्भ में एनएडब्ल्यू 3 मोहम्मद सिद्दीक का शपथ-पत्र पेश हुआ है जिसने अपने शपथ-पत्र के मद नं. 2 में यह वर्णित किया है कि मेरे प्रमार्थी अतिथिगृह होने के समय प्रार्थी के संबंध में मेस्ट हाऊस में ठहरने वाले जायरिनों द्वारा उनके दुर्व्वचार के संबंध में श्री शेर मोहम्मद जो गेस्ट हाऊस में स्वागतकर्ता के पद पर कार्यरत था ने भी नाजिम, दरगाह कमेटी, अजमेर को शिकायतों की थी जिनके विषय में मेरे से भी पूछताछ की गयी थी । प्रार्थी के विरुद्ध श्री इब्राहिम खान, चंपरसी ने भी शिकायत मुझे की थी । मैंने सभी शिकायतों नाजिम साहब के पास भेज दी थीं और जब इस गवाह से जिरह की गयी तो जिरह में यह कहता है कि प्रार्थी जमादार के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त हुआ था जहाँ से उसका स्थानांतरण स्वागतकर्ता के पद पर हुआ था और उस अवधि में वह इंचार्ज के पद पर कार्यरत था । जिरह में यह भी कहा है कि शेर मोहम्मद ने नाजिम को शिकायत किस तारीख को करी, उसकी तारीख तो मुझे याद नहीं है व अन्य शिकायतकर्ता के कारे में भी यह गवाह कहता है ।

23. इसी संदर्भ में मैंने संदर्भित शिकायतों का अध्ययन किया तो पाया कि प्रदर्श एम-5 जो प्रार्थी को जारी किया गया उसमें वर्णित है कि राधनपुर निवासी जैड, ए. चौहान ने दिनांक 13-4-95 को यह शिकायत की कि उनके नाम से आरक्षित करने प्रार्थी ने उनको नहीं संभलाये । इसी संदर्भ में प्रदर्श एम-7 रिजिवेशन रिजिस्टर दिनांक 13-4-95 की प्रलिलिपि है जिसमें जैड, ए. चौहान के नाम कमरा नं. 41, 42, 43 दर्शाय় गये हैं ।

24. मैंने इस संदर्भ में खिदाब अधिभावक प्रार्थी की इस आपत्ति पर भी विचार किया कि आरक्षण निरस्त हो चुका था लेकिन न तो इस संबंध में कोई जवाबुल जवाब पेश किया गया है और न ही अप्रार्थी के गवाहान् से ऐसा कोई स्वावलं जिरह में पूछा गया है, अतः प्रार्थी के अधिभावक की यह दलील मानने योग्य नहीं है । अन्य शिकायत प्रदर्श एम-9 भी प्रार्थी के विरुद्ध शिकायत है और उस पर नोटिस प्रदर्श एम-10 भी प्रार्थी को जारी किया गया है और जांच कार्यकारी प्रदर्श

एम-12 मुस्तोक अहमद हारून का इस्ताक्षरत्वकृत बयान है जिसमें यह वर्णित है कि श्री मुस्तोक अहमद हारून बठकर दरगाह शौरीफ की जिवारत करने अजमेर आया करते हैं और इसी गेस्ट हाऊस में काम करते हैं । इस इज्जाम से पहले कभी भी हारून हमाचल ने दरगाह अभ्यास पर किसी तरह का इज्जाम आइद सही किया । मैंने जो रिपोर्ट की है वह विस्तृत सही है किसी से खलन या बदले की भावना से प्रेरित होकर नहीं की गयी है व इसी तथ्य के समर्थन में मुस्तोक इब्राहिम-11 शेख युकीम, सगीर अहमद, अब्दुल गफ्फार व मौहम्मद नवाल के बयान दर्ज किये गये हैं व एक अन्य शिकायत प्रदर्श एम-17 भी प्रार्थी के द्वारा की गयी अनियमितताओं के संबंध में है, जिस पर कार्यकारी विरुद्ध अधिकारी द्वारा संख्यावली की गयी है ।

25. उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि प्रार्थी के विरुद्ध जो शिकायत थी वह भ्रष्टाचार, कार्य के प्रति उदासीनता व अनियमितताओं के संबंध में थी, उसके संबंध में नोटिस भी जारी किये गये तथा उसका जवाब भी वायरों की ओर से दिया गया तंतकिन जो तथ्य जिरह में उसने स्वीकार किये हैं, उसके विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों भी और यह तथ्य भी स्वीकृत दर्शय है कि वह एक सेवानिवृत्त सैनिक है, जिसे नियुक्त रैशन पिलाती है, उसे नियत राशि पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था और उसके विरुद्ध की गयी शिकायतों की आधार पर जो उसे सेवा से पृथक किया गया है, उस संबंध में उसे एक माह का अग्रिम वेतन भी भुगतान किया गया है । अतः प्रार्थी के विरुद्ध आई भ्रष्टाचार व अनियमितताओं की शिकायतों को दृष्टिगत रूप से यह स्पष्ट होता है कि उसके लिए उसे नोटिस भी जारी किये गये थे व उपरोक्त तथ्यों के विवेचन के आधार पर उसके सेवा पृथक्करण के आदेश में कोई अवैधानिकता नहीं पायी जाती है ।

26. जहाँ तक धारा 25-जी का प्रश्न है, प्रार्थी को ओर से एसा कोई स्पष्ट तथ्य प्रमाणित नहीं कराया गया है जिससे यह प्रकट होता हो कि किसी कर्मचारी को उसके सेवा पृथक्करण के बाद लगाया गया हो या जिससे यह स्पष्ट होता हो कि किस कर्मचारी को कब सेवा में लगाया गया, कौन प्रार्थी से कलिष्ठ था तथा कौन वरिष्ठ है, किसकी नियुक्ति कब की गयी । अतः साध्य के अभाव में धारा 25-जी औद्योगिक विवाद अधिनियम का उल्लंघन भी प्रार्थी पक्ष प्रमाणित नहीं कर पाया है । अतः प्रार्थी किसी प्रकार का अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है ।

आदेश

27. फलतः प्रस्तुत विवाद का उत्तर इस प्रकार से दिया जाता है कि ब्रह्मधन नाजिम दरगाह स्वामी धारा 2(जे) अर्द्ध डी. एस्ट, 1947 के अनुसार उद्योग की ओरी में आता है ।

28. नाजिम दरगाह खाजा साहिब, अजमेर द्वारा कंपन माहम्मद कालू खां (सेवानिवृत्त) पूर्व-स्वागतकर्ता, गेस्ट हाऊस एवं सिल्वरिटी इंचार्ज को पूर्ण वेतन यथा एक माह के अग्रिम वेतन के भुगतान सहित सेवा पृथक्करण करना उचित एवं वैध है । अतः प्रार्थी/अधिक जोई शहत पाने का अधिकारी नहीं है ।

दिनांक 23-9-2008

६.१-

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3145.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ सं. 88/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/230/2004-आई आर (सी.एम.-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3145.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 88/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. CPWD, Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-42012/230/2004-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. II RAJENDRA BHAWAN, RAJENDRA PLACE NEW DELHI

I.D.No. 88/05

DATE : 23-10-2008

In the matter of dispute between :—

Shri Omkar Singh S/o Shri Bragi Singh,
Through Shri Ravi Shankar,
General Secretary Workers Union,
167, Panchkuan Road,
New Delhi-110001.

... Workman

Versus

The Director General,
M/s. C.P.W.D. Nirmal Bhawan,
New Delhi-110001.

2. Executive Engineer (Elect)
Elect. Constr. Divn. II,
Central Public Works Department,
A.C.D., II, U.P.S.C.
Dholpur House,
New Delhi

... Management

APPEARANCES :

Workman in person,
Shri Anil Kumar U.D.C. A/R
for the management

AWARD

The Central Government Ministry of Labour vide Order No. L-42012/230/2004-IR (CM-II) dated 9-8-2005 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the demand of the Worker's Union for regularization of workman Shri Omkar Singh S/o Shri Bragi Singh in the establishment of CPWD is legal and justified? If yes, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Today during the course of proceedings the workman moved an application praying for closure of his case. According to him he does not want to continue with this case in view of the writ petition filed in the Hon'ble High Court of Delhi. He further says that he has nothing to do with any workers' Union who may have espoused his case. Heard. In view of the prayer made by the workman in the application. No Dispute Award is passed in this case. File be consigned to record room.

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3146.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 94/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/158/2006-आई आर (सी.एम.-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3146.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by publishes the award (Ref. No. 94/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workman, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No.I-22012/158/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD**

PRESENT : Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 94/2006

BETWEEN:

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Godavarikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209.

...Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries
Company Limited,
Mandamarri Division,
Mandamarri.

...Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &
K. Sekarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012/158/2006-IR (CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in dismissing the services of Sri Boggula Chinnaiyah w.e.f. 18-8-1999 is legal and justified? If not, what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 94/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman.

The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the
Petitioner

Witnesses examined
for the Respondent

Nil

Nil

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

कल. आ. 3147.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं सी.सी.एल. के प्रबंधतात्रे के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पांचाट (संदर्भ सं. 93/2006) को प्रकाशित करते हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/159/2006-आई आर (सी एम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3147.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.93/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/159/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT : Shri VED PRAKASH GAUR,
Presiding Officer

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 93/2006

BETWEEN

The General Secretary, (Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godavari Khanda,
Karimnagar (Andhra Pradesh) – 505209Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandamari Division, Mandamari,Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumendra Rao
& K. Seetaram Rao,
Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/159/2006 (IR CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workmen. The reference is:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in dismissing the services of Sri Md. Mohammed Ali w.e.f. 4-5-1999 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 93/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workmen/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor

filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vikalpatmata as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit,

Dictated to Smt. P. Meenakshi, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

| | |
|---------------------------|---------------------------|
| Witnesses examined | Witnesses examined |
| for the Petitioner | for the Respondent |
| Nil. | Nil. |

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का. आ. 3148,- अंतर्राष्ट्रीय खेत्राधि कार्यपालिका, 1947 (1947 का 14) की आदान-प्रदान में, केन्द्रीय सरकार एवं, सौ.सो.एस. के प्रबंधनतंत्र के अनुद्वंद्व नियंत्रण का अंग उनके कमीशार्पे के बीच, अनुषंग से निश्चित और्ध्वानिक विवाद में केन्द्रीय सरकार और अधिकारीक अधिकारी, हैदराबाद के पंचायत (पंचायत नं. 92/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 1-1-2008 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-22012/159/2006 जाह आर (सी एफ-11)]
अजय कुमार गोड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3148.- In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 92/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. L-22012/159/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD**

Present : Shri VED PRAKASH GAUR,
Presiding Officer

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 92/2006

Between :

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Gedavanikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209. : Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries
Company Limited,
Mandamarri Division,
Mandamarri. : Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. M. V. Hanumanth Rao &
K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/160/2006 (IR CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Durgam Thirupathi w.e.f. 28-2-1998 is legal and justified? If not, what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No.

92/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

**Witnesses examined for the
Petitioner**

Nil.

**Witnesses examined
for the Respondent**

Nil.

Documents marked for the Petitioner

Nil.

Documents marked for the Respondent

Nil.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का. आ. 3149.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केंद्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 91/2006) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 4-11-2008 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-22012/156/2006-आई आर (सी एम-11)]

अजय कुमार गौड़, द्वेष्टक अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3149.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 91/2006)

of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/156/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT : SHRI VED PRAKASH
GAUR
PRESIDING OFFICER

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 91/2006

BETWEEN

The General Secretary, (Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godavarikonda,
Kariannagar (Andhra Pradesh)- 505209Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandamarru Division, Mandamarru,Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao
& K. Sestaram Rao,
Advocates

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its Order No. L-22012/156/2006 IR (CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in dismissing Sri Keesaroina Gaitalaiah w.c.f. 10-2-1998 is legal and

justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 91/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnamas as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the
Petitioner

NIL

Witnesses examined
for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का. आ. 3150.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रबंधतात्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औंडोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औंडोलिक अधिकारण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं.90/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/157/2006-आई आर (सी एम-11)]
अजय कुमार गौड़, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3150.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.90/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/157/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD**

PRESENT : Shri VED PRAKASH GAUR,
Presiding Officer

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 90/2006

BETWEEN:

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Godavarikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209.
..... Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries
Company Limited,
Mandamarri Division,
Mandamarri.
..... Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. M. V. Hanumanth Rao &
K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its
Order No. L-22012/157/2006 (RJ CM-II) dated 6-11-2006

referred the following dispute under section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is;

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in dismissing Si Janagam Ramakrishna w.e.f. 26-9-2001 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 90/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has not other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit,

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the
Petitioner

Nil

Witnesses examined
for the Respondent

Nil

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3151.—ओडिशार्क विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार अधिनियम सी.एल. के प्रबंधनीय के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओडिशार्क विवाद में केन्द्रीय सरकार ओडिशार्क अधिकारण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ स.89/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को ग्राह कुन्त था।

[सं. एल-22012/93/2006-आई आर (सी एम-11)]

अश्व कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3151.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.89/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s Singareni Collieries Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/93/2006-(R/CM-11)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer
Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 89/2006

Between :

The General Secretary,
(Sri Bandari Suryanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Godavarikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209. Petitioner

And

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries
Company Limited,
Mandalamri Division,
Mandalamri. Respondent

APPEARANCES

For the Petitioner : NL

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &
K. Seetarama Rao,
Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/93/2006 RI (CM-II) dated 1-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is;

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mrs. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Nakka Durga Swamy w.e.f. 24-3-2000 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 89/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vikalpatarao as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'NIL' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Apparatus of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

Petitioner for the Respondent

NIL

NIL

Documents marked for the Petitioner

NL

Documents marked for the Respondent

NL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

क्र.आ. 3152.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 88/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/91/2006-आई आर (सी एम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3152.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 88/2006) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workman, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/91/2006-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 88/2006

Between :

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No.18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godavarikhani,
Karimnagar (Andhra Pradesh) - 505209 ...Petitioner

And

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandamarri Division, Mandamarri, ...Respondents

APPEARANCES

For the Petitioner : NIL

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &
K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012/91/2006-IR(CM.II) dated 1-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of

the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

“Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Dhara Prabhakar w.e.f. 6-11-2001 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 88/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for
the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

क्र.आ. 3153.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 87/2006) को प्रकाशित

प्रकाशित कार्ड No. २८ के अनुसार संख्या की ४-१-२००६ की गति हआ था :

[मा. नं. L-23012-92-2006-आद्यात (ए. वा. प.)]
भ्रष्ट लग्जरी गोट, अहमदाबाद]

New Delhi, the 4th November, 2008.

S.O. 3154, in pursuance of Article 14 of the Industrial Disputes Act, 1947 (10 of 1947), Government of India, publishes the Award (Ref. No. 14) of the Central Government Industries Tribunal, Hyderabad, dated 24-9-2008, in Court, Hyderabad as shown below. It is a case of Industrial Dispute between the management of Singareni Collieries Company Limited, and their workmen received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. L-23012-92-2006-आद्यात (ए. वा. प.)]

AKAY KUMAR GAUR, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, GANDHI NAGAR COURT, HYDERABAD

Present: Shri V. Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 4th day of September, 2008,

Industrial Dispute No. 87-2006

Between :

The General Secretary
(Sri Bandar Nayakrayan),
Singareni Collieries Company Limited,
H.No.18-3-903, Gandhi Nagar,
Mukandeya Colony, G. Jawaharlal Nehru
Karamnagar Andhra Pradesh - 504204 (P.)

And

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandalam Colony, Hyderabad.

PRINCIPLES:

For the Petitioner : S. A. M. V. Venkateswaran

For the Respondent : S. A. M. V. Venkateswaran
by Seetarama Rao, Advocate

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its order No. L-23012-92-TRD-CIV-II dated 24-9-2008 referred the following dispute under Section 14(1) of the I.D. Act, 1947 to adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workmen. The reference date is 4-11-2008.

SCHEDULE

When the representation of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited by Mr. S. A. M. V. Venkateswaran of Sri Bhagat Law Office

14-12-2000 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 87-2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash never appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the two cases. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vikalpatama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option but to pass a 'Nil' Award in this case. Transcriber:

Dictated to Smt. Shanti Gowri, Personal Assistant transcribed by her, corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of Evidence

| | |
|---------------------------------------|---------------------------------------|
| Witnesses examined for the Petitioner | Witnesses examined for the Respondent |
|---------------------------------------|---------------------------------------|

| | |
|-----|-----|
| Nil | Nil |
|-----|-----|

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई फ़िल्म, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3154-... मिसारिज लियार अफिनियम, 1947 (1947 का 14) के अन्तर्गत या अन्तर्गत में, कंद्रीय भाकार द्वारा सी. सी. एल. के उपलब्ध के संदर्भ लियारको अपेक्षक कर्मकारों के बीच, अनुमति दिलाइयक लियार में कन्द्रीन भरकार आधारिक अधिकार, दिलायार के बनार (सर्वे संख्या: 85/2006) को प्रकाशित करने हैं, जो कंद्रीय भरकार द्वारा 4-11-2008 को प्राप्त हुआ है।

| स. एक-१२०१०/८०-२००६-आद्यात (सी नं. 11),
अजय कुमार गौड़, देस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3154, In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 85/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 4-11-2008

[No. L-22012/50/2006-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 85/2006

Between :

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No.18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godavarikhani,
Karimnagar (Andhra Pradesh) - 505209 ...Petitioner

And

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandalam Division, Mandalam ...Respondents

APPEARANCES

For the Petitioner : NIL

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &
K. Sekaram Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012/50/2006-IR (CM-II) dated 30-10-2006 referred the following dispute under section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Ellala Laxminarayana w.e.f. 12-2-1998 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 85/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice

was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her, corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

| | |
|---------------------------------------|---------------------------------------|
| Witnesses examined for the Petitioner | Witnesses examined for the Respondent |
|---------------------------------------|---------------------------------------|

| | |
|-----|-----|
| NIL | NIL |
|-----|-----|

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3155.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार एस: सी. मो. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के वीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 86/2006) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 4-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-22012/51/2006-आईआर (सी एम-II)]

अजय कुमार गौड़, डंस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3155.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 86/2006) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. L-22012/51/2006-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEREFT THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD**

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer.

Due to the 24th day of September, 2008.

Industrial Dispute No. 86/2006

Between :

The General Manager,
(Sri Baldev Singh Maramur),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No.18-3-5, Chenchu Nagar,
Markandeypuram, Godavari Khami,
Karnataka (India) Pradesh - 505209 ...Petitioner

And

The General Manager,
M/s Singareni Collieries Company Limited,
Mandamuru Division, Mundamuru.Respondents

APPEARANCES

For the Petitioner : NIL

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &
K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. I-2302-51/2006-IR(CM.II) dated 30-10-2006 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the ID Act, 1947 for adjudication to this Tribunal, between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the service of Sri Nagavathalli (Ref. No. 9-3-1999) is valid and justified? If not, to what relief is the worker entitled?"

2. The reference was received in this office on 4-12-2006 and referred to this Tribunal as ID No. 86/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman and management. Notice was given from this court to both the parties by hand to the Petitioner side representative of the union and an application authorized Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim/petition on behalf of the concerned workers. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the agent of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and no further action is required. As such there is no opportunity to file claim before this court. Date of hearing is 24-9-2008. The respondent is directed to file the claim statement on or before 15th March, 2009.

absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass an N.T. Award in this case. Transmit

Dictated to Smt. P. Phum Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of Evidence

| | |
|----------------------------------------------|----------------------------------------------|
| Witnesses examined for the Petitioner | Witnesses examined for the Respondent |
|----------------------------------------------|----------------------------------------------|

| | |
|-----|-----|
| NIL | NIL |
|-----|-----|

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3156.— अंतर्राजिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केंद्रीय समकार मिलिट्री कोर्ट के प्रबंधतात्र के संबंध मिलिट्री और उनके कर्मकारण और ग्रीष्म, अनुबंध में निर्दिष्ट औरागिक विवाद में केंद्रीय समकार औरागिक अधिकरण/अम न्यायालय, नं. 1, चपटीगढ़ के पंचाय (संघीय संघवा 1,3,5,7/99) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय समकार को 04-11-2008 को प्रकाशित करता है।

[सं. एल-14012-21, 24, 25, 20-98-आईआर : डॉ. न. स.]
अनंग कुमार, दूसरा अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3156. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1,3,5,7-99) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Military Form and their workman, which was received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. I- 1012-25, 24, 22, 20-98-IR (D)]

MAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-
CHANDIGARH.**

Case No LDs. 1/99, 3/99, 5/99, 7/99 of 1999,

ID. No. 1/99 of Sh. Pham Salgotra

ID. No. 3/99 of Sh. Lekshmi Singh

ID. No. 5/99 of Sh. K. Venkateswaran

ID. No. 7/99 of Sh. S. C. Raju

....Applicants

Versus

The Officer Incharge, Military Farm, Pathankot-145001.
...Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Sh. Anandeshwar Gautam.

For the Management: Sh. K.K. Thakur.

AWARD

Passed on:-21-10-08

Government of India referred the following industrial disputes for judicial adjudication to this Tribunal namely, ID 1/99 regarding Sh. Pankaj Salaria, Ref. No. L-14012/23/98/IR (DU) dated 13-11-98, ID 3/99 regarding Sh. Jaswant Singh, Ref. No. L-14012/24/98/IR (DU) dated 13-11-1998, ID 5/99 regarding Sh. Rajesh Kumar, Ref. No. L-14012/22/98/IR (DU) dated 13-11-1998, and ID, 7/99 regarding Sh. Somraj, Ref. No. L-14012/20/98/IR (DU) dated 13-11-1998. The common question of law and facts are involved in all these references. Hence, for convenience and for ends of justice all the references are hereby adjudicated by a common award. ID. No. 1/99 will be the leading file.

The main question before this Tribunal for judicial adjudication is whether the action of officer in charge Military farm, Pathankot in terminating the services of all the 4 workmen mentioned above whose references are in question are legal and justified? If not, to what relief all the workmen are entitled?

All the 4 workmen have filed similar statement of claim that they joined the Military farm Pathankot as a labourer on different dates in the year 1999 as follows;

Sh. Pankaj Salaria joined, on 7-8-94, Sh. Jaswant Singh joined on 1-6-94, Sh. Rajesh Kumar joined on 6-1-94 and Sh. Somraj joined on 6-5-94. Their services were terminated on 1-12-97 by the management of respondent. It is alleged by the workmen that they, all have completed 240 days of work in the preceding year from the date of their termination. Their services were terminated without the notice or retrenchment compensation against the provision of Industrial Disputes Act. On the basis of these averments, the workmen have requested the Tribunal for an order reinstating them in the services along with back wages. Management of respondent appeared in all the cases and raised preliminary objections that this Tribunal has no jurisdiction to dispose of these reference on two counts.

- (A) That the respondent is not an industry and the relationship between respondent and workmen are not that of employer employee relationship.
- (B) The Central Administrative Tribunal constituted under the Central Administrative Tribunals Act, 1985 has the jurisdiction to redress the grievances of the workmen.

It has also been stated by the respondent that all the workmen along with few others opted to file a petition No.625/PB/96 against the notice of termination before the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench which was decided vide order dated 20-12-96. After the termination of the services of the workmen, all the workmen along with others again filed NDA No.589/PB/97 before the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench which was dismissed by the Tribunal vide judgement dated 26-3-97. Thereafter, a contempt petition was also moved before the Central Administrative Tribunal Chandigarh Bench which was dismissed by the Tribunal with the remarks that the applicants should avoid in filing such frivolous petitions in future.

On merits, it has been stated by the management of respondent that all the workmen were engaged as labourer from the date mentioned in their statement of claim. As per the policy of the Government of India all the labourers working on temporary basis were to be regularized as per the terms and conditions of the policy. One of the conditions was that workman should be enrolled in the office of employment officer and his name should be sponsored by the employment officer. Names of women were not sponsored by the employment officer, hence, they could not be regularized and as there was no work for the casual labourers, their services were no more required and were accordingly terminated. It has also been alleged by management of respondent that none of the workman has completed 240 days of work in the proceeding year from the date of their termination.

Parties were afforded the opportunity for adducing evidence oral and documentary. An officer of MES filed the affidavit and he was subjected to cross-examination by learned counsel for the workmen. Every workman was cross-examined in respective references. Parties also preferred to file the documentary evidence. Ex.M/x is experience certificate given by Sh. R.C. Sonkar, Farm Officer regarding the work of Sh. Pankaj Salaria. Same certificates have been provided by the respondent of management to rest of the workmen. R1 is the copy of the order dated 20-12-1996 passed by Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench in OA No.625-P8 of 1996. R2 is also the copy of the order passed by Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench dated 26-5-97 passed in OA No.589-I8 of 1997. R3 is also an order dated 20-11-97 passed by Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench in COCP No. 49/97 in OA No.625/PB/96. R4 is the Circular Letter regarding the terms and conditions of service of casual industrial and non-industrial employees. R5 is the minutes of the 4th meeting (10 term) of Army HO JCH counsel dated 10-5-96. R6 is notice dated 17, January, 1996 given to all the workmen.

Heard learned counsels for the parties. Perused the materials on record. Learned counsels for the workman have argued that all the workman have worked for more

than 240 days in the calendar year preceding to the date of their termination. As their services were terminated without any notice or retrenchment compensation, they are entitled to the relief as prayed in compliance of the provisions of Industrial Disputes Act.

Learned counsel for the management has alleged that respondent is not an industry and the dispute between the workmen and respondent is not an industrial dispute. There is no relationship of a nature which can be termed as employee-employer relationship and, accordingly, this Tribunal has no jurisdiction to dispose of these references. Learned counsel for the management of respondent has also argued that Central Administrative Tribunal constituted under the Central Administrative Tribunal Act, has got jurisdiction to redress the grievances of the workmen and the same has redressed the grievances in finality and the judgement of Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench will operate as res judicata in these references.

Learned Counsel for the management of respondent has further argued that as there was no work available for the workmen, their services were rightly terminated as per the policy of Central Government because their names were not sponsored by the Employment Office as desired by the Central Government policy.

The main issues before this Tribunal for adjudication of these references are :-

1. Whether the respondent is an industry? If yes, it affects?
2. Whether this Tribunal has got no jurisdiction for disposal of these references?
3. Whether the orders passed by the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench, dated 26-3-1997, will operate as res judicata in all these references?
4. To what relief, if any, the workmen are entitled?

I am adjudicating all these issues one by one

The term Industry has been defined in section 2(j) of the Industrial Disputes Act, 1947, to mean any business, trade undertaking, manufacturing or calling upon employers and includes any calling, services, employment, handicraft or industrial occupation or avocation of workmen. In Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa and others AIR, 1978 Supreme Court 348, 7 Judges Bench of Hon'ble the Apex Court has defined the word 'Industry'. As per the above mentioned law laid down by the Apex Court, industry has defined in Sub-section 2(j) as a wide term and import as:-

- (a) Where there is (i) systematic activity, (ii) organized by co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is commercial), and (iii) for the production and/or

distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss), *prima facie*, there is an industry in the enterprise.

- (b) Absence of profit motive or gainful objective is irrelevant, be the venture in the public, joint, private or other sector.
- (c) The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer-employee relations.
- (d) If the organization is a trade or business it does not cease to be one because of philanthropy animating the undertaking.

Thus, the test (specially triple test) referred by Hon'ble the Apex Court in Bangalore Water Supply case (Supra) are necessary to qualify any institution to be an industry.

Regarding the sovereign functions, Hon'ble the Apex Court in Bangalore Water Supply Case (supra) has held that sovereign functions strictly understood cannot alone qualify the exemption, nor the welfare activities or economic advantage undertaken by Government or statutory bodies. Even in departments discharging sovereign functions, if there are units which qualified to be the industry and they are substantially several then, they can be considered to come within Section 2(j) in the definitions of Industry.

Thus, the decision whether the particular organization is industry or not has to be taken by the work done and business carried on by it, which absolutely depends on the facts and circumstances of each Case. I have gone through the evidence of the management. The officer of military farm, Pathankot in all the references has stated in his affidavit that the main function of the military are to supply milk and milk products to the armed forces of the union and also to supply Hay of the animals to the armed forces of union. Big farms are maintained by military farm, Pathankot and milk and milk products are produced. Thus the function of maintaining the farms and producing the milk and milk products and the services rendered for the maintenance of above mentioned working, it cannot be said that the military farm qualified for the sovereign functions. Without disputing the fact that most of the functions of the organization, whose unit is military farm, may be the sovereign functions but the unit military farm on the basis of work done and service rendered is an industry as held by Hon'ble the Apex Court in Bangalore Water supply Case (supra) that even in departments discharging sovereign functions, if there are units which are industries and they are substantially several then they can be considered to come within Section 2(j) in the definition of Industry. Thus, on the basis of above

mentioned observation, I am of the view that respondent is an industry. Paper No. 3 which is a circular letter of the respondent containing terms and conditions of service of casual industrial and non industrial employees also support the above contention that certain groups which are working with the Military farm are considered as industrial groups and it cannot be said that respondent is not an industry. It is undoubtedly an industry and the dispute in between the workmen and the management of respondent is the industrial dispute. Moreover, in cross-examination, MWI, the witness of management has also stated that retrenchment compensation shall not be given because none of the workman has completed 240 days of work in the calendar year proceeding to their termination. This also provide the reason to believe that respondent Military farm was adopting the procedure laid down in Industrial Disputes Act, 1947, considering the applicants as workmen and itself as industry.

Now the question before this Tribunal is what will be the effect of the orders passed by the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench on applications moved by the workmen and whether those orders will operate as res judicata while answering these references.

A notice R-6 dated 17-1-96 was given to all the workmen with the following language :

"Your services are hereby terminated after one month of issue of this notice as you were not sponsored by Employment Exchange and not completed 240 days of service each in two calendar years".

After receiving this notice all the workmen along with others filed the petition before the Central Administrative Tribunal which was decided on 20-11-96. While deciding the application Central Administrative Tribunal passed the following order:-

"We have heard both the parties and it seems that only fair solution to the problem would be that the applicants should get themselves registered with the Employment Exchange, if they have not done so far. The respondents shall place a requisition with the Employment Exchange as and when they have work and shall also issue to the applicants experience certificate of having worked with term for the period in each case before their termination orders are to be passed for getting weightage if permissible under the rules to get their names sponsored by the Employment Exchange. The interim order, passed earlier is vacated. The original applications stands disposed of with these directions. No costs."

There is no material on record that names of the workmen, as directed by Central Administrative Tribunal in above mentioned order, were sponsored by the Employment Exchange resulting in the termination of services of the workmen. Thereafter, all the workmen filed

another application before Central Administrative Tribunal and the Central Administrative Tribunal dismissed the application in limine being not maintainable. While dismissing the application, Central Administrative Tribunal discussed all the facts and the law laid down by Hon'ble the Apex Court in Raj Kumar and others vs. Shakti Raj and others, 1972(2) SLR Page 130. The cause for dismissing the applications of workmen which is apparent from the order of Central Administrative Tribunal dated 26-5-97 is that temporary status cannot be given to the workmen in view of the policy of the Government. The Tribunal has also held that their reinstatement is not possible because their names were not sponsored by Employment Exchange as required by the policy of the Central Government.

The question before this Tribunal is altogether different. The question before this Tribunal is not whether the temporary status can be given to the workmen or whether order for regularization of the services of the workmen can be passed by this Tribunal ? The question before this Tribunal is whether the workmen are entitled for the relief on the ground of illegal termination?

As stated earlier that respondent is an industry. So, the dispute between the workmen and the respondent is an industrial dispute. There exists an employer and employee relationship between the workmen and the respondent. It is not the case of the management that the initial appointment of the workmen was illegal. If the workmen have completed 240 days of work in the calendar year proceeding to the date of their termination, they have a legal right protected by the Industrial Disputes Act, 1947 that their services cannot be terminated without notice and retrenchment compensation in compliance of the provisions of the Act. The question before the Central Administrative Tribunal was altogether different and that was legality of the notice given to the workmen regarding their termination of services and temporary status/regularization of their services.

At the cost of repetition, this Tribunal has got the jurisdiction to adjudicate these references. The notice R-5 which was given to the workmen clearly shows that it was the notice given under the provisions of Industrial Disputes Act and it was not expected from the workmen to approach the Central Administrative Tribunal but to approach the right forum mentioned under the Industrial Disputes Act. Accordingly, the orders passed by the Central Administrative Tribunal on 20-12-96 and 26-3-97 will not be having any effect while adjudicating these references because this Tribunal has got jurisdiction to adjudicate these references as stated earlier.

It is true that the doctrine of estoppel, res judicata etc. are applicable in the proceedings before the Industrial Tribunal and Labour Courts. But in these references

position is altogether different. Any order can operate as res judicata when it is passed by the Court of competent jurisdiction and the question before the court in the previous petition and before this Tribunal are same. The question before this Tribunal is different. The adjudication by the Central Administrative Tribunal, which has taken a view how to give the temporary status/regularization the services of the workmen, and while taking this view the Central Administrative Tribunal has suggested mechanism as well that if the names of the workmen are sponsored by the employment exchange, they will be considered for regularization. Under the Industrial Disputes Act, as a Presiding Officer I have no jurisdiction to discuss the granting of the temporary status or regularization of the services of these workmen. I have to confine myself whether their termination was in terms of the provisions of Industrial Disputes Act. There is no bar for termination of the services of the workmen who have completed 240 days of work in a calendar year preceding to the date of termination. This termination should have been strictly as per the provisions contained in the Industrial Disputes Act. Meaning thereby, before terminating the services of the workmen who have completed the 240 days of work in the calendar year preceding to the date of termination a notice and retrenchment compensation is mandatory requirement which was not done by the management of military farm. Being different issues for adjudication, orders dated 20-12-96 and 26-3-97 will not operate as res judicata while answering these references.

Now, I have to discuss whether the workmen have completed 240 days of work in a calendar year preceding to date of their termination. It is true that in the notice R-6, it is mentioned that the workman has not completed 240 days of service. But R-1 which is the certificate given by the respondents provides that all workmen have worked from the date of their appointment till 10-2-1997 as casual labour. All the relevant documents which are relating to the work of workmen are lying with the management of respondent. It is true that the workmen have to prove that they have worked for more than 240 days in a calendar year preceding to the date of their termination by some cogent evidence. Merely mentioning these facts in affidavit and statement of claim will not be sufficient. The workmen have filed the experience certificate which undoubtedly proved that every workman has worked for more than 240 days in a calendar year preceding to the date of their termination. It is the certificate provided by the respondent and all other document regarding working days of every workman are lying with the respondent which failed to file the same before this Tribunal. Thus, on the basis of this certificate, I am accepting the contention of every workman that they have worked for more than 240 days in a calendar year preceding to the date of their termination. Needless to say that Central Administrative Tribunal in both of these orders

has also held that every workman has worked for more than 240 days in the preceding year from the date of their termination. I am not taking notice of this finding but holding on the basis of the evidence oral and documentary that every workman has worked more than 240 days in the calendar year preceding to the date of their termination and they were entitled for the benefit of law contained in Industrial Disputes Act, that their services should not have been terminated without notice or retrenchment compensation which was illegally done by the management. At the cost of repetition, the question before this Tribunal is not granting of temporary status or regularization of their services which can only be done subjected to the policy of the Central Government. I am confining myself only to the procedure of termination adopted by the respondent which are against the provisions of Industrial Disputes Act and the termination of workmen are illegal. Their termination being illegal, they are entitled for the relief.

Now, the question before this Tribunal is what remedy should be provided to the workmen? Whenever the termination of any workman is illegal, there are two possible remedies available namely:-

1. Reinstatement of the workmen on the post they were holding and on which they were working at the time of the termination and
2. A reasonable compensation.

In the cases like these where the respondent in compliance of the policy of the Central Government has regularized all the casual labourers or granted the temporary status to them and no work for the casual labourers is left, their reinstatement into the Services will not be the proper remedy and they should be compensated reasonable in terms of money. What should be a reasonable compensation is to be decided on the basis of facts and circumstances of the each case. Factors like amount of retrenchment compensation to be given to the workmen at the time of their termination, depreciation for the value of money and the cost of litigation which the workmen were forced to incur on account of their illegal termination are to be considered while awarding the compensation. Considering all these facts, I am of the view that Rs.20,000 to each of the workman will be reasonable compensation to be provided to redress their grievances and to adjudicate all these references. Accordingly, management of respondent is directed to provide Rs. 20,000 as compensation to each of the workman (total Rs. 80,000) within a month from the date of publication of this award. All these references are disposed of accordingly. ID 1-99 is the leading file in which award is passed. Let a copy of this award be kept in files of all other references namely ID3-99, ID5-99 and ID7-99. Central Government be informed. File be consigned.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3157.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार यू-संचार विभाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं.-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 103/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-11-08 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/115/93-आईआर(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3157.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 103/94) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. L-40012/115/93-IR(DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-
CHANDIGARH**

Case No. I.D. 103/94

Sh. Habib Mohamad, H. No. 1251, Gandhi Nagar, Ropar (Pb.) ...Applicant

Versus

(1) Divisional Engineer, Phones-E (I.O.B.), Telephone Bhawan, Sector-17, Chandigarh-160017.

(2) The General Manager, Telecom, Chandigarh Telecom District, Chandigarh. ...Respondent

APPEARANCES

For the workman : Shri N.P. Mittal

For the Management : Shri G.C. Babbar

AWARD

Passed on 17-10-2008

Central Government vide notification No. L-40012/115/93-IR (DU), dated 24-8-94 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Chandigarh Telecom District in terminating the services of Shri Habib Mohd., S/o Mohd. Saddique, ex-daily wage Driver in the office of DEP (E-I.O.B),

Chandigarh, w.e.f. 1-8-90 is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 17-10-08 for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The prescribed authority of the management made a statement that the management has agreed to provide job to Mrs. Salma widow of Habib Mohammad through contractor as per policy of the Government. On this assurance the widow of the workman withdraw reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as set in in Lok Adalat Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

17-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3158.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार जम्मू एवं कश्मीर बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ नं.-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 17/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/305/2002-आईआर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3158.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 17/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of J & K Bank Ltd. , and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-12012/305/2002-IR(B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**RETD SHRI GRANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COMMISSION,
CHANDIGARH**

Case No. I.I.R. 172/2003

Shri Rakesh Singh, No. 2 Shri Keshav Ram, No. 4, Banjara
House, Chandi, P.O. Ghazipur-120001

Venus

- (i) The Manager, J&K Bank Ltd., Panchkula, State of
Sikhs, P.O. Jalandhar-144001
(ii) Mr. C. S. Rao, J&K Bank Ltd., Panchkula, State of
Sikhs, P.O. Jalandhar-144001.

APPENDIX

For the Workmen:

No. 1

For the Management:

No. 2

172/2003

4.11.2008

Case No. I.I.R. 172/2003 was notified on 20.11.2002
305/2002 (I.I.R.) dated 27-11-2002, has a reference to the
following dispute by this Tribunal before it:

1. Whether the claim of the workmen regarding
disability compensation, lump sum gratuity and
allowance in the service of J&K Bank Ltd.,
Agra, dated 19.10.2002, which amounts to Rs. 10,000/-
is admissible in view of the fact that the
workmen concerned were engaged in the capacity of
"Bankers" and not "Bank Clerks" which is the
basis of the claim.

2. Whether, in view of the fact that the said
claim of the workmen is that they are entitled to the
refered to by the Central Government under the scheme
called "Bankers" and not "Bank Clerks" as per the
order dated 19.10.2002, whether the claim of the
workmen regarding disability compensation, lump sum
allowance and gratuity is admissible in view of the
reference to the Central Government in the order dated
19.10.2002, that the workmen concerned are not
eligible for the same.

Case No. I.I.R. 172/2003 was decided on
20.11.2008.

Retd Shri Granendra Kumar Sharma, Presiding Officer, Central
Industrial Tribunal-Cum-Labour Commission, Chandigarh,
Chandigarh, dated 21.11.2008 (मुख्य वकील के द्वारा दिनांक 21.11.2008 को द्वारा
दिया गया)

Case No. I.I.R. 172/2003-Agra, dated 11.
03.2008, is hereby

New Delhi, the 11th November, 2008

S.O. 3159. In pursuance of Section 17 of the
Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central
Government hereby publishes the award (No. 3159
of 2004) of the Central Government Industrial Tribunals and
Labour Court, No. 1, Chandigarh as given in the Annexure,
in the Industrial Dispute between the management of
Northern Railway and their workers received by the
Central Government on 18.11.2008.

Case No. I.I.R. 277/2003 IR(B-1)

ATM KUMAR, Legal Counsel

ANNEXURE

**RETD SHRI GRANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COMMISSION,
CHANDIGARH**

Case No. I.I.R. 172/2003

Mr. Bharat Patel, Legal Advisor, P.C. Ghazipur
Chandi, P.O. Ghazipur, 120001, Disputing, dated 18.
11.2008.

For the Workmen:

The Divisional Railway Manager, Northern
DRM Complex, Ambala Cantt, Haryana-123001

For the Management:

APPENDIX

For the Workmen:

No. 1

For the Management:

No. 2

AWARD

Passed on 21.11.2008

Central Government's order notification No. 144612
277/2003 IR (B-1) dated 21.11.2004, has referred the
following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the claim of the management of D.R.M.
Northern Railway, Ambala Cantt, in terminating the
services of Shri D.P. Patel, No. 1, of senior rank, is
legal? If not, to what extent he is entitled to?"

2. None is present, so is called, and no other legal
counsel for the management is present. The differences are
referred by the Central Government to the year 2004. It is
called several times but already 11.11.08. At this stage
have no option otherwise than to discuss the claim of a
workman in reference to his presentment and his right to
reference to the Central Government. According to
the reference is return of his rank. Let the Central
Government be informed of the above on 21.11.2008
Chandigarh,

21.11.08

Atm Kumar, Legal Counsel

No. 1, 144612/2003-Agra

का.आ. 3160. इन दो दिनों में दोनों पक्षों के
(1947 का) 141 वाले अधिकारों के अन्तर्गत सभी विधि-विधानों के
सभी कानूनी बेकाम विधि-विधानों के अन्तर्गत दोनों पक्षों

कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-। चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 293/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 05-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/200/2000-आईआर(बी-1)]
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3160.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 293/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of J&K Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-12012/200/2000-IR(B-1)]
AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I.D. 293/2000

Shri Navin Chopra C/o Tek Chand Sharma, 25 Sant
Nagar, Civil Lines, Ludhiana
....Applicant

Versus

The Chief Manager, Personnel, J&K Bank Ltd., Central
Office, Srinagar.Respondent

APPEARANCES

For the workman : None

For the Management : Shri Ashutosh Vajpayee.

AWARD

Passed on 8-10-2008

Central Govt. vide notification No. L-12012/200/2000-IR(B-1), dated 16-8-2000, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of J&K Bank Ltd. in terminating the services of Shri Navin Chopra S/o Shri Rajinder Chopra without issuing him any notice/Charge sheet is legal and just? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. None is present on behalf of the workman. Learned counsel for the management is present. The reference was referred by the Central Government in the year 2000. Case called several times. It is already 1.15 pm. At this stage, I have no option otherwise then to dismiss the claim of workman in reference for non-prosecution and return the reference to the Central Govt. as such. Accordingly, the

reference is returned as such. Let the Central Government be informed File be consigned.

Chandigarh.

8-10-08 G.K. SHARMA, Presiding Officer
नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3161.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रथमतंत्र के संबद्ध नियोजनों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-। चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 72/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 05-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/200/2006-आईआर(सी एम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3161.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 72/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 05-11-2008.

[No. L-22012/200/2006-IR (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I.D. 72/2007

Sh. Mitha Singh son of Shri Chand Singh, V&PO : Dugat
Kalan, Patiala.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region 31-A, Chandigarh
....Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/200/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Mitta Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this issue, once the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarh

18-10-2008 Camp, Patiala.

पट्टी दिल्ली, ५ नवम्बर, २००८

का.आ. 3162. ओमेंगिक विवाद अधिकार, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसार में कोडीय संवेदा भास्तीय खाता नियम के प्रयोगसंबंध के संबंद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुच्छेद 5 विविध ओमेंगिक विवाद में एवं इन सहार ओमेंगिक अधिकार नं. 1, नाईटिक नं. 54/2007 का प्रस्तावन करते हैं, जो कोशीय साकार का 5-11-2008 प्राप्त हुआ है।

[का.आ. 22012/191/2006- नं. २००८-१२५३-१०]

अजय कुमार गंगा, राजन अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3162.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 54/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-

cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. I-22012/191/2006-1R (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Clerk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH.

Case I.D. No. 54/2007

Sh. Bhinder Singh, Son of Shri Gurjial Singh, V&PO,
Burado, Patiala, (Punjab) ... Applicant

versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
... Respondent
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh
... Respondent

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the Management : Smt Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. I-22012/191/2006-1R (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Bhinder Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when

available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraws, the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3163.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 76/2007) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/196/2006-आई.आर.(सी एम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3163.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 76/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/196/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case I.D. No. 76/2007

Sh. Pargat Singh son of Shri Chota Singh, V&PO:Shadi
Hari Thana, Tehsil Dirba, Sangrur Applicant
Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh . . . Respondents

APPEARANCES

For the workman : None

For the Management : Shri Partminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

The Central Government vide notification No. L-22012/197/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Pargat Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Case repeatedly called. Workman is not present. Representative of the management is present. It is informed by representative of the workman that workman has expired. No application has been filed on behalf of the workman for LRs. No claim statement has been filed. Therefore, I have no option but to return the reference as such to the Central Government because the claim, if any has been abated. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3164.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 75/2007) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/197/2006-आई.आर.(सी एम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3164.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 75/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/197/2006-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 75/2007

Sh. Amrik Singh, Son of Shri Modan Singh, V&PO: Jhular Thana, Tehsil Dirba, Sangrur ... Applicant
Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh ... Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. I-22012/176/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Amrik Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraws the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the

reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala

महाराष्ट्र, ३ नवंबर, 2008

का.आ. 3165 - जनरल कैफियत अधिनियम 1947

(1947 का 14) की धरण ८ के अनुच्छेद में केन्द्रीय सरकार आदेश खात्र नियम के प्रबंधनत्र के संसदीय विधेयकों और उनके कामकाज के बारे, अनुबंध में निर्दिष्ट अंदाजानुसार उत्तराधि में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-।, नामांगत क प्राप्त (प्रदर्श रख्या 70/2007) को प्रकाशित करती है, जो कर्जीय सम्बाद को ५।।। २००८ को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल--22012/176/2006-गाइडर (सं. एम-1)]

अजय कुमार गौर, दस्तक अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S. O. 3165. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 70/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. I-22012/176/2006-IR (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 70/2007

Sh. Amrika Singh son of Shri Chanan Singh, V&PO: Shadi Hari Thana, Tehsil Dirba, Sangrur ... Applicant
Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. I-22012/176/2006-IR

(CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Amrika Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Camp Patiala

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3166.—ओटोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसारण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधात्मक के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औटोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औटोगिक अधिकारण नं.-I, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 59/2007) को प्रकाशित करते हैं, जो केन्द्रीय सरकार की 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[भ. एल-22012/163/2006-आईआर (सी एम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S. O. 3166.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 59/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/163/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRIGYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case I.D. No. 59/2007

Sh. Sattu Singh Son of Shri Hari Singh, V&PO: Data Singhwala, Jind.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab)
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L-22012/163/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Sattu Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department

the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workmen it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workmen individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workmen withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008 U.K. SHARMA, Presiding Officer
Camp Paonta

१५ दिसंबर, ५ नवम्बर, २००८

का.आ. 3167, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धरा 17 के अनुसरण में कंट्रीय स्पॉकर आवाय खाता नियम के प्रतिशेष के हमेशा लियोगके भौम उनके कमरामें जो बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में कंट्रीय स्पॉकर औद्योगिक अधिकारण ने-। चाणडीगढ़ के भौमार (संदर्भ संख्या 63/2007) को प्रकाशित करती है, जो कंट्रीय स्पॉकर का 05-11-2008 को प्राप्त हआ था।

[सं. एन-22012/131/2006-आई.आर.सी.प्रा. ११]

अजय कुमार गौड, हेस्क आधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3167. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 637/2007) of the Central Government Industrial Tribunal—Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 05-11-2008.

[No. L-220/E2/131/2006-IR (CM-H)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
CHANDIGARH**

Case ID No. 6342007

Sh. Balwan Singh Son of Shri Jaginder Singh, V&P A
Gurhali, Jind.Applicant

VERSUS

- (1) The District Manager, Food Corporation of India,
Patiala (Punjab).

(C) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region F-1-A, Chandigarh

.. Respondents

APPEARANCES

For the workman: Workman in person.

For the Management: Shri Partab Singh,
Advocate

ANSWER

Passed on 18th of October, 2018 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. 14220/12/131/2006 (R) (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Balwant Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred to in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3 The management turned up and opposed this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Ford Corporation of India, Patiala no n-disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of 'c' above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed & be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2023

Camp Punihai

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3168.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 41/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/129/2006-आईआर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3168.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 41/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/129/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case No. I.D. 41/2007

Sh. Janta Singh Son of Shri Jaggar Singh V & PO: Khadial Thana, Sunam, Sangrur.

..... Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

..... Respondents

APPEARANCES

- For the workman : Workman in person.
For the management : Shri Parminder Singh,
Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/129/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri

Janta Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above. the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3169.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 66/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/134/2006-आईआर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3169.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 66/2007) of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure I in the Industrial Dispute between the management, Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/1347/06 (B)-2008]
AJAY KUMAR GAUR, D.L.B., M.A.

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SINGH,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHANDIGARH**

Case I.B. No. 66/2007

Sh. Jagat Singh v/s Shri Mohan Singh & P.D. Pathak, etc.
Chandigarh

Versus

- (1) The Workman, Food Corporation of India, etc., (Petitioner).
- (2) The Regional Manager, Food Corporation of India, etc. Region, M-A, Chandigarh.

APPEARANCES

- For the Workman : Workman in person
For the Management : Shri Parminder Singh
Advocate

AWARD

Passed on 23rd of October, 2008 v. Annexure I

The Government vide notification No. L-22012/1347/06 (B)-2008 dated 23-10-2008 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"In view of the action of the management in refusing to pay wages of the workmen engaged under DPS, it is claimed that the management is not entitled to contract worker under DPS. It is further claimed that the other 103 workers engaged under DPS are also not entitled to wages. What relief is due to the workmen entitled?"

The present reference was made by the Presiding Officer, after the failure of conciliation proceedings before the Central Industrial Disputes Tribunal, New Delhi, in respect of the matter referred in the Schedule to the Conciliation and Arbitration Act, 1908, in which the claim prayed for declaring that the contract of engagement is integral and invalid.

1. The management turned up and opposed the reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 16-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workmen will be recruited with the workmen and when available out of the list of the present workmen in priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workmen it will bear the seniority list maintained by the Department itself. On the insistence the workmen withdrew his reference in the Adalat. This statement of the workmen was read over and explained to workmen individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workmen withdrew the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is remitted to the Central Government settled in Lok Adalat. Central Government be directed to file be consigned to record.

Chandigarh,

16-10-2008

Camp Patiala

G.K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

महेश्वरी, ५ नवंबर, २००८

कां. आ. 3170, अधिकारिक विवर अधिनियम, १९४७ (प्रा. १४) को धारा १३ के अनुसार में कांशीर माला अपरिवर्तनीय लाभ जिस के प्रभावत हो गए लियोजनों और उनके कार्यालय के बावजूद, अनुमध्य से निर्दिष्ट शीर्षकिक विवाद में वर्तमान लकड़ा लेन्टीज़ लाइसेन्स, चंडीगढ़ के नियम (संदर्भ सं. 65/2007) के अन्तर्गत खाली है, जो कांशीर माला को ३-१-२००८ को विकल्प दिया गया है।

सं. एल. १२०११८-२००६-३०/२८ (सं. १०१)

अधिकारिक विवर अधिनियम

New Delhi, the 5th November, 2008

कां. आ. 3170--In pursuance to section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (the Ref. No. 66/2007) of the Central Government Industrial Labour Court, New Delhi, dated 23-10-2008 in the Annexure, in the Industrial Dispute regarding the matter of the Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

See L-22012/1347/06 (B)-2008
AJAY KUMAR GAUR, D.L.B., M.A.

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 65/2007

Sh. Balbir Singh son of Shri Pal Singh V & P.C. Khangaroh
Gharachoti, Teh. Samana, Patiala.

..... Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala,
(Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of
India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

..... Respondents

APPEARANCES

- For the workman : Workman in person.
For the management : Shri Parminder Singh
Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/187/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Balbir Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New

Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18/10/2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

मई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3171.—औद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार भारतीय साध नियम के प्रबंधतान के संबद्ध नियोजकों और उनके कम्बारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्धोगिक अधिकार (नं.) चंडीगढ़ के पंचायत (संदर्भ सं. 48/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/175/2006-आईआर (सीएम-11)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3171.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No: 48/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/175/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 48/2007

Sh. Birbal Singh son of Shri Chanan Singh V & P.C. Jhaloor,
Thana Sangrur.

..... Applicant

Versus

settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh
18/10/2008

Camp Patiala G. K. SHARMA, Presiding Officer
नई दिल्ली, ८ नवम्बर, 2008

का. आ. 3172. ऑटोग्राफ तिवार अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केंद्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधनके संबंध में नियोजनों और उनके कर्मजारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ऑटोग्राफ तिवार में केंद्रीय सरकार ऑटोग्राफ अधिकारण नं. 1, चंडीगढ़ के एनाट (संदर्भ सं. 73/2007) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-2201/2008/2008-आईआर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3172.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 73/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-2201/2008/2008-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 73/2007

Sh. Balwinder Singh son of Shri Harneek Singh V & P.C., Badalgarh, Sangrur

... Applicant

Contra

- (1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

... Respondents

- (1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh

.....Respondents

APPEARANCES

For the workman Workman in person.

For the management : Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/175/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Birbal Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workmen withdrew the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the management : Shri Panninder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/199/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Balwinder Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. According to the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

G K. SHARMA, Presiding Officer

18-10-2008

Camp Patiala

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3173.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियंत्रण के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के एकाट (संदर्भ सं. 40/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/128/2006-आईआर (सोएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3173.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 40/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/128/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I.D. 40/2007

Sh. Harbilash Singh son of Shri Hamek Singh V & P O : Badalgarh Sangrur

... Applicant

Versus

- (1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab),
- (2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

.....Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the management : Shri Panninder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/128/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement to Shri Haribalan Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the order 165 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? if not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred to in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and illegal.

3. The management turned up and opposed the reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 the case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management and the workman agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdrew the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई विल्हेमी, ३ कम्पल्क, २००८

का.आ. 3174. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14 वां लाने के अनुसार में, कंदोवी वर्ष का सरलीय खाता प्रियम के प्रतिधिन जे संबंध नियंत्रकी और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में विस्तृत औद्योगिक विवाद में होना सरकार औद्योगिक अधिकारी वं. ।, चंडीगढ़ के चंडीगढ़ (संदर्भ नं. 18/2007) को प्रकाशित करती है, जो कंदोवी सरकार की १५-१०-०८ को प्राप्त हुआ था :

[सं. एल-22012/126/2006 आईआर (मोटम-1)]
श्रम कुपार गाँव, इन्द्र अधिकारी

New Delhi the 29 November, 2008]

S.O. 3174. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 18-2007) of the Central Government to Central Tribunal in Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and the workmen received by the Central Government on 18-10-08.

(Dated 29/11/2008) 126/2006-IR(CM-II)
A.I.D. 18/2007-LABOUR COURT, CHANDIGARH

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA K. SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-COURT OF LABOUR COURT-6, CHANDIGARH

Case No. I.D. 18/2007

Sh. Desa Singh son of Shri Balu Singh V & P.O. Jhacor Thana Dirba, Sangrur

Applicant

For the

(1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab), Patiala (Punjab)

(2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

Respondent

APPEARANCES

For the workman : Mr. Mani in person

For the management : Shri Haribalan Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government's notification No. 1-22012/126/2006 (R) (CM-II), dated 29-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Desa Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the order 165 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred to in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3175.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आयोग खात्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 51/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/190/2006-आईआर (सीएस-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3175.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 51/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/190/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH.**

Case No. I.D. 51/2007

Sh. Raja Singh son of Shri Maru Singh V & P O : Dugal Kalan, Patiala

... Applicant

Versus

- (1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

... Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the management : Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/190/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Raja Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the

seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नंद दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3176, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की तथा 17 के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार मरकीय छाती नियम के प्रबंधत्व के संघटन नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबम में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारी के ।, चैम्पियन के पंजाब (प्रदेश नं. 44/2007) को अन्वेषण करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[रि. नं. 22012/171/2006 आँजिल (सेक्टर 11)]
उत्तर कुमार गौहा, एम्स, अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3176.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 44/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. 1-22012/171/2006-IR(CM) 44]
MAY KUMAR GALUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 44/2007

Sh. Ajai Singh son of Shri Bhagwan Singh & N. K. Jhaluor Ihami, Senator

Appellant

Versus

(1) The District Manager,
Food Corporation of India,
Patiala, (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person

For the management : Shri Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. 1-22012/171/2006-IR (CM-H), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Ajaib Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3177.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार शुगरकेन ब्रॉडिंग इनस्टीट्यूट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 135/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/46/2003-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3177.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 135/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Sugarcane Breeding Institute, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-42012/46/2003-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 135/2004

Shri Jaimal, Son of Shri Dharam Singh Village-Samora, Poh Kheri Man Singh, Distt. Karnal. Applicant

Versus

The Head, Sugarcane Breeding Institute, Regional Centre, Agarsain Marg, Karnal 132001. Respondent

APPEARANCES

For the Workman : None

For the Management : Shri Amit Sharma, Advocate

AWARD

Passed on 21-10-2008

Central Government vide notification No. L-42012/46/2003-IR (CM-II), dated 4-03-2004, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Sugarcane Breeding Institute in not granting temporary status and also non-regularising of service of Sh. Jaimal S/o. Sh. Dharam Singh w.e.f. 4-7-1981 is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled to?"

2. None is present on behalf of the workman. Learned counsel for the management is present. The reference was

referred by the Central Government on the year 2004. Case called several times. It is already 1.15 p.m. At this stage, I have no option otherwise than to dismiss the claim of workman in reference for non-prosecution and return the reference to the Central Government as such. Accordingly, the reference is returned as such. Let the Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh

21-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3178.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 60/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/162/2006-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3178.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 60/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/162/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 60/2007

Shri Jaimal Singh, Son of Shri Pilla Singh V & PO: Jhallor, The Dirba, Sangrur. Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala. (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 8th of October 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/189/2006-JR (CM-II), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Jarnail Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled to?

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 16-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workers in priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the same, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-11-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

महीने दिवंगी, 5 नवम्बर, 2008

लोक अदालत के विवर अधिनियम 1947 का अन्तर्गत 17 के अनुसार में कंपनी सचिव या उनके सहायी द्वारा एक वैयक्तिक के संबंध विवादकों और उनके वार्षिकों के खिलाफ अदालत के विवाद औद्योगिक विवाद में कोट्रोन एवं न्याय औद्योगिक अधिकारी ने 1. भौदीगढ़ के पंचाट (जनरल सर्विसेज) को 1. विवाद दर्शाया है, जो कंपनी सरकार द्वारा 3-11-2008 को जारी कर दिया गया है, जो कंपनी सरकार द्वारा 3-11-2008 को जारी कर दिया गया है।

[L. No. L-22012/189/2006-आई आर (सीएन-11)]

मंजूर कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3179.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 69/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/189/2006-IR(CM-II)]
ATAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI CYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH.**

Case No. I. D. No. 69/2007

Shri Soma Singh, Son of Mukhtar Singh V & PO:
Kalsangarh Gharachan Patiala, (Punjab) .. .Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab). Patiala

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh .. .Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No L-22012/189/2006-JR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Soma Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled?

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for

its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workmen it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008 G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

S.O. 3180.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 17 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार भारतीय खाद्य सिलग के प्रबंधनत्र के संघटन नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारक नं. 1 चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 45/2007) को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/172/2006-आई आर (सीएम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3180.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 45/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/172/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case No. I.D. 45/2007

Shri Parkash Singh, Son of Nek Singh V & PO: Karnail,
Sangrur.Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh ...Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L- 22012/172/2006 (IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Parkash Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008 G.K. SHARMA, Presiding Officer

नंदि विनाई, ५ नवम्बर, 2008

का.आ. 3181.—ऑफिशियल विकाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घटा १७ के अनुसार से कंस्ट्रीय मरकार वालीय खाता नियम के प्रवधतत्र के संबद्ध नियोजकों और इनके कामदेवों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट आधिकारिक विकाद में कंस्ट्रीय मरकार ऑफिशियल अधिकरण नं. १, चार्डोगड़ के पंचाट (महर्ष म. ४६/२००७) की प्रकाशित करती है, जो कंस्ट्रीय मरकार घो. ५-१-२००८ के प्राप्त हुआ था।

[मं. एन. २२०१२/१३२००६-आई.आर. ८०४८] (पंचाट १८)

आज्ञा कुमार गोड़, उपक. ऑफिशियल

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3181.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 52/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

Mo. L-22012/13/2006-IR(CM-H) 11
AAY KUMAR GAIKAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. No. 52/2007

Shri Bala Singh, Son of Shri Ramchand V & P.D. Adalat,
Sangrur.
... Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab)
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 3-i-A Chandigarh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workmen: Workman at person

For the Management: Shri Parminder Singh Adalat

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. I-22012/13/2006-IR(CM-H), dated 25-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Bala Singh, Contract worker under Direct Payroll

System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what extent is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

The management turned up and opposes this reference.

As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the works and when available out of the list of the present workmen or priority in compliance of the Hari Singh High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record

Chandigarh,

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नंदि विनाई, ५ नवम्बर, 2008

का.आ. 3182.—ऑफिशियल विकाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घटा १७ के अनुसार में कंस्ट्रीय मरकार वालीय खाता नियम के प्रवधतत्र के संबद्ध नियोजकों और इनके कामदेवों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट आधिकारिक विकाद में कंस्ट्रीय मरकार ऑफिशियल अधिकरण नं. १, चार्डोगड़ के पंचाट (महर्ष म. ४६/२००७) की प्रकाशित करती है, जो कंस्ट्रीय मरकार घो. ५-१-२००८ जो प्राप्त हुआ था।

[मं. एन. २२०१२/१३२००६-आई.आर. ८०४८] (पंचाट १८)

आज्ञा कुमार गोड़, उपक. ऑफिशियल

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3182.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 46/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food

Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/173/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer
ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 46/2007

Shri Dharma Singh, Son of Shri Baldev Singh, V & PO:
Jhaloor Thana, Tehsil Dirba, Sangrur.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab),
(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh ...Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L- 22012/173/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Dharma Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority

list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3183.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 67/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/186/2006-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3183.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 67/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/186/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 67/2007

Shri Lachman Singh, Son of Shri Maghar Singh, V & PO:
Shadi Hari Thana, Sangrur.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab),
(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L-22012/194/2006-JR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Lachhman Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.
18-10-2008
Camp Patiala

G.K. SHARMA, Presiding Officer

*

नई दिल्ली, ३ नवम्बर, 2008

का.आ. 3184.—अंतर्राष्ट्रीय विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को भारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चांडीगढ़ के पेनट (संदर्भ म. 77/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को S-11-2(K)8 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/194/2006-आई आर (सीएम-II)]
अज्ञाय कमान गौड़ दस्तक शिक्षकान्

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3184.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 77/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No L-22012/194/2006-JR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Dusk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I. D. No. 77/2007

Shri Lal Singh, Son of Shri Ajit Singh, V & PO: Kahangarh, Gharachon, PO: Patran, Teh. Samana, Patiala, Punjab.Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh.Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L-22012/194/2006-JR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Lal Singh, Contract Worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in

the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008.

Camp Patiala G.K. SHARMA, Presiding Officer
कॉर्पोरेशन ऑफ फूड कंपनी, 5 नवम्बर, 2008

S.O. 3185.—ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार आरोपीय चालू नियम के प्रबंधान के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुकलन में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/क्रम न्यायालय नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 37/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एस-22012/125/2006-आई आर (सीएम-II)]

अवय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3185.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 37/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/125/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH.**

Case I. D. No. 37/2007

Shri Hans Lal, Son of

Shri Jangir Singh, V & PO: Khadial,

The Sunam, Sangrur.

...Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/125/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Hans Lal, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

Camp Patiala

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3186.—अंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय परख़ज़ अधिनियम के प्रबंधत्र के संबद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट अंदोलिक विवाद में केन्द्रीय समकार अंदोलिक अधिकारण नं. 1, चण्डोगढ़ के पंचाय (पंडि. सं. 56-2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार वो 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[म.एस.-22012/165/2006-आई.आए. (मीटिंग 31)]

अजय कुमार गौह, दंस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3186. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 56/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-Union Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/165/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. I.D. No. 56/2007

Shri Binder Singh, Son of
Shri Chanan Singh, V & PO: Jhaloor,
Thana, Sangrur ...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh. ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Panminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Panjala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/165/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Binder Singh, a contract worker under Direct Payment System along with the other 103 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up opposes this reference.

1. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workers on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. It may be consigned to record.

Chandigarh,

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3187.—अंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय समकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधत्र के संबद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट अंदोलिक विवाद में केन्द्रीय समकार अंदोलिक अधिकारण नं. 1, चण्डोगढ़ के पंचाय (पंडि. सं. 50-2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार वो 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[म.एस.-22012/165/2006-आई.आए. (मीटिंग 31)]

अजय कुमार गौह, दंस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3187.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 56/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-Union Labour

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
 (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A
 Chandigarh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

The Central Government vide notification No. L-22012/168/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Pamma Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Case repeatedly called. Workman is not present. Representative of the management is present. It is informed by the rep. of the workman that the workman has expired. No application has been filed on behalf of the workmen for LRs. No claim statement has been filed. Therefore, I have no option but to return the reference as such to the Central Government because the claim, if any has been abated. Central Govt. be informed. File be consigned to recd. I.S.

Chandigarh, G. K. SHARMA, Presiding Officer
 18-10-2008

राह दिल्ली, ५ नवम्बर, २००८

का.आ. 3189.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की अग १७ के अनुसार में कंपनीय सरकार प्रत्यक्ष खाता नियम के प्रत्येकत्व के सम्बद्ध नियोजनों और उनके क्रमागति व शीघ्र, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में कंपनीय सरकार औद्योगिक अधिकारण नं. १, चण्डगढ़ के पंचाट (संदर्भ म. ४३-२००८) की प्रकाशित करती है, जो कंपनीय सरकार को ५-११-२००८ की तुलना हुआ था।

[म. प्र. २२०१२/१७०/२००६-आई आ. (योग्य ११)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क ऑफिसर

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3189. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 43/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-

Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/170/2006-IR(CM-II)]
 AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
 PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
 INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1,
 CHANDIGARH**

Case No. I. D. 43/2007

Shri Gurmail Singh, Son of
 Shri Moden Singh V & PO: Jhaloer,
 Thana, Sangrur.

...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab)
 (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A.
 Chandigarh ... Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

The Central Govt. vide notification No. L-22012/170/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Gurmail Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified?" If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up opposes this reference.

4. As per office memorandum, dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of

the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. G. K. SHARMA, Presiding Officer
18-10-2008

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3190.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निपाम के प्रबंधनत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण नं. 1, चाण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 58/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था :

[सं. एल-22012/164/2006-आई आर (सीएम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3190.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 58/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

(No. L-22012/164/2006-IR(CM-II))
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. 58/2007

Shri Raj Singh, Son of
Shri Bachan Singh V & PO: Data,
Singhwala, Jind.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

The Central Govt. vide notification No. L-22012/164/2006/IR(CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Raj Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled

in Lok Adalat, Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh: G. K. SHARMA, Presiding Officer
18-10-2008
Camp Patiala

राज विद्यालय, ३ नवम्बर, २००८

का.आ. ३१८८ - अंग्रेजीक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की पारा १८ के अनुसार में कन्द्रीय सरकार द्वारा प्रखात नियम के प्रबंधन के लिए लियों जाकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुकूल में इंडिस्ट्रील अंग्रेजीक विवाद में कन्द्रीय सरकार द्वारा लिये अधिकारण नं. १, चार्टरेड कंपनी परिवर्तन (संदर्भ नं. ५१/२००८) को प्रकाशित करती है, जो अंग्रेजीय सरकार की ५-१-२००८ वी. अ. ३३।

(ल.पा. ११०१२००३-२००८-०५६ अर ५४० - ११)
प्राप्ति क्रमांक ५५, २००८ वी. अ. ३३

Dated D. 30, the 5th November, 2008.

S.O.: ३१८८. In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government by this publishes the award (Ref. No. C.I.D. 973 of the Central Government Industrial Tribunal) given from Court No. 1, Chandigarh as also in the Annexure to the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/133/2008-I&B/14-Ind]
SAVAKLIMAR GAUR, Legal Officer
ANNEXURE

**BEFORE SRI RAVI ANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COMMISSIONER,
CHANDIGARH**

Case No. I.D. No. 61/2008

Shri Preet Singh, Son of

Shri Mehar Singh & PO, Patra, Patiala,
Punjab.

Applicant

Versus

Shri G. K. Sharma
Presiding Officer
Camp Patiala

(2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India
Panjab Division - 1A
Chandigarh

...Respondent

ADVANCES

For the Workman: Shri Preet Singh in person

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L-22012/133/2008-IR (CM-II), dated 23-4-2008 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Preet Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management stand up opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman has the prescribed authority of the management made a written statement that the management has agreed that as far as possible of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the available workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workmen it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdrew his reference in Lok Adalat. This statement above was read out and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdrew the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat, Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh: G. K. SHARMA, Presiding Officer
18-10-2008
Camp Patiala

राज विद्यालय, ३ नवम्बर, २००८

का.आ. ३१९२ - अंग्रेजीक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की पारा १८ के अनुसार में कन्द्रीय सरकार द्वारा प्रखात नियम के प्रबंधन के लियों लियाजाकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुकूल में इंडिस्ट्रील विवाद में कन्द्रीय सरकार द्वारा लिये अधिकारण नं. १, चार्टरेड कंपनी परिवर्तन (संदर्भ नं. ५२/२००८) को प्रकाशित करती है, जो अंग्रेजीय सरकार की ५-१-२००८ वी. अ. ३३।

प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था :

[सं. एल-22012/192/2006-आई आर (सीएम-1)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3192.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 53/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/192/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 53/2007

Shri Gurjant Singh, Son of
Shri Chanan Singh V & PO: Jhaloor,
Thana, Tehsil-Dibra, Sangrur.Applicant

Versus

(1) The District Manager, Food
Corporation of India, Patiala,
(Punjab), Patiala
(2) The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Punjab Region, 31-A
ChandigarhRespondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Panninder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/192/2006-IR (CM-II), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Gurjant Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified ? If not, to what relief the workman entitled to?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh,
18-10-2008
Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3193.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधत्रों के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुकृथि में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 74/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-22012/198/2006-आई आर (सीएम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3193.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 74/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/198/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 74/2007

Shri Tarsem, Son of
Shri Maghar Singh V. Rajdhara, ...Applicant
PO: Shadihari, Sangrur.

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, SI-A Chandigarh ...Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/198/2006-IR (CM-II), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Tarsem Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled to ?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalaat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman

on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalaat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalaat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalaat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalaat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh,

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नंदे दिवानी, 3 नवम्बर, 2008

का.आ. 3194.—शोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा (१ के अनुसार में केन्द्रीय साकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधनत्र के संसद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औदाहित विवाद में केन्द्रीय साकार आईंगिक अधिकार नं. । चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 71/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय साकार का ३-१-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-22012/201/2006-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3194.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 71/2007) of the Central Government's Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. 1-22012/201/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case No. I. D. No. 71/2007

Shri Hans Raj, Son of
Shri Gurmail Singh V & PO: Badalgarh.
Sangrur. ...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh.
- ...Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD:

Passed on 18-10-2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/201/2006 (IR CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Hans Raj, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3195.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण ने। चाष्टीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 64/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/188/2006-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3195.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 64/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/188/2006-IR(CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case No. I. D. No. 64/2007

Shri Darshan Singh, Son of
Shri Budh Singh V & PO: Jhaloor
Thana, The Dirba, Sangrur.

...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh.
- ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman : Workman in person.

For the Management Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22042/188/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Deep Singh contract worker under Direct Payment System at par with the other 108 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the power delegated for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposed this reference.

4. As per order of the tribunal dated 24-7-2008, this case was fixed in the Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held at the office premises of Food Corporation of India, Patiala for a disposal of the matter, the main issue and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management have, a joint statement, that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the terms and when available one of the test of the present warrant on priority in competence of the Hon'ble High Court, New Delhi order, dated 16-2-2006. The management has also agreed that while advertising the workman it will honor the seniority list maintained by the department. It will be this assurance the workman will go to his respective Lok Adalat. This statement above was taken over and explained to workmen in direct form and hence the agreed to settle his case in Lok Adalat. In view of the above, the tribunal can withdraw the present reference in Lok Adalat. Against this, the reference is returned to the Central Government to be settled in Lok Adalat. Central Government be informed to file be copy to this tribunal.

Chandigarh

18-10-2008

Camp Officer

R.K. SHARMA, President, C.I.T.

17 अक्टूबर, 2008

क्रमांक 3156 - अधिकारी विवर अंक 43 - प्रा. 1 (1947 का) नं. 17, द. अनुदर्शन कोर्ट विभाग अधिकारी स्थायी नियमित एवं अन्य कर्मचार के बीच, अनुदर्शन विभाग अधिकारी विवर में कठोर समाज सेवकों के

अधिकारण नं. 1, चण्डीगढ़ के विषय (संदर्भ सं. 39/2007) को प्रकाशित करती है, जो क्रमांक दस्तावेज़ नं. 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012-17/2006-आई आर (सीएम-II)]
प्रस्तुत गुरुमार गौड़, देस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3196.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 39/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

No. L-22042/188/2006-IR(CM-II)
RANJIT KUMAR CAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 39/2007

Shri Gulzara Singh, Son ...
Shri Deep Singh, V & P. N. Sainpur,
Kamalpur, Sangrur, ... Applicant

, ... Respondent

(1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).

(2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Jalandhar, Chandigarh.

, ... Respondent

APPENDICES

For the Workman: ... Workman in person

For the Management: Shri Pernender Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22042/188/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Gulzara Singh contract worker under Direct Payment System at par with the other 108 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.

3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3197.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-I, चपड़ीमढ़ी के घंचाट (संदर्भ संख्या 95/1994, 97/1994, 99/1994) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/1/1993-आई आर (डो. यू.)/(सो-II)]

[सं. एल-42012/3/1993-आई आर (डो. यू.)/(सो-II)]

[सं. एल-42012/5/1993-आई आर (डो. यू.)/(सो-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3197.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 95/1994, 97/1994, 99/1994) of the Central Government Industrial

Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-42012/1/1993-IR(DU)(C-I)]

[No. L-42012/3/1993-IR(DU)(C-II)]

[No. L-42012/5/1993-IR(DU)(C-III)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR, SHARMA
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH

Case I.D. Nos. 95/94, 97/94, 99/94

- (1) Shri Dayanand S/o Shri Guljari R/o Luhari Jattu, Tehsil Bhawanikhera, Distt.-Bhiwani
- (2) Shri Jai Bhagwan R/o Mandana, Tehsil Bhawanikhera, Distt.-Bhiwani.
- (3) Shri Suresh S/o Shri Muni Lal, H.No.105, Labour Colony, Bhiwani, Distt. Bhiwani.

...Applicants

Versus

The Executive Engineer, Stores and Arrears Division
B.B.M.B., Bhiwani, Haryana. Respondent

APPEARANCES

For the workman: Sri. Hardayal Singh

For the management: Sri. Jyoti Kaushal

AWARD

Passed on 14-10-2008

These three references namely I.D. No. 95/94, Ref. No. L-42012/1/93-IR (DU)(C-II), dated 24-8-94, Shri Dayanand Vs. Bias Project, I.D. No. 97/94, Ref. No. L-42012/3/93-IR(DU)(C-II), dated 24-8-94, Shri Jai Bhagwan Vs. Bias Project and I.D. No. 99/94, Ref. No. L-42012/5/93-IR(DU)(C-III), dated 24-8-94, Shri Suresh Vs. Bias Project are similar in nature. Common question of facts and law are involved in all these references and the question to be adjudicated is also the same whether the termination of each of the workman by the Bias Project, Bhiwani w.e.f. 28-2-90 are just, fair and legal? and whether each workmen are entitled for any relief? Accordingly, all the references are answered by single Award.

I.D. No. 95/94 will be leading file and a copy of the award will be placed in the files of I.D. No. 97/94 and I.D. No. 99/94.

I have gone through the pleadings of parties which are in form of statement of claim filed by the workman and written statement filed by/on behalf of the management of respondent. It is claimed by the workman that they were appointed on different dates in the year 1987 on the post of Mali as daily waged workers. They have completed 240 days of work preceding to the date of their termination from services without any notice or retrenchment compensation. Accordingly their termination was held in law and illegal. As the juniors to them were retained in service and few new hands were recruited by the Bias Project, they are entitled for reinstatement into the services.

The management of respondent Bias Project denied the facts raised by the workman and alleged that on completion of the Project services of all the daily waged workers were terminated as per the provisions of Industrial Disputes Act. Notice was given to them which they refuse to receive and all the three workmen also refused to receive the retrenchment compensation. The Bias Project is not in existence. There is no work BCB nor any worker/employee physically in position under BCB. Only some notional posts are continued in BCB which are being managed by the Officers of BBMB in dual capacity. It has also been alleged by the management of respondent that none of the workmen has completed 240 days of work preceding to the date of their termination, hence, they were not entitled for any retrenchment compensation. Instead of that, they were afforded the opportunity for getting one month advance salary and the retrenchment compensation as desired by Industrial Disputes Act, which they refused. Both of the parties adduced the oral evidence and filed the documentary evidence as well.

I have heard learned counsels for the parties and pursued all the materials on record.

Learned counsel for the workmen has argued that as per evidence of management it was the part completion of the Project on which the services of the workmen were terminated which is against the provisions of Industrial Disputes Act. It has also been alleged by learned counsel for the workmen that few new hands were recruited after the termination of the services of the workmen which entitles the workmen for their reinstatement into the services. Learned counsel for the management of Bias Project has argued that as the work of the Project was over, no work was left for the workmen their services were ordered to be terminated under the provisions of Industrial Disputes Act, and no new recruitment were made after the termination of their services.

In the statement of claim, all the workmen have alleged that no notice was given nor retrenchment compensation paid, but in the cross-examination every workmen has admitted that the notice was served upon them but they refused to accept the same. It shows that intention of the management was conveyed to them that their services were

no more required. The actik dated 27-2-90 is on record which shows that services of say workmen were no more required w.e.f. 28-2-90. Vide this notice the management also asked every workmen to receive one month salary in lieu of notice and retrenchment compensation from the SIDC/W S/D II DB, Bhiwani. Services of this notice is admitted by all the workmen. Order no. 293 dated 8-3-90 regarding the retrenchment of duty wagers is also on record which also shows the intention of the management to retrenched the daily waged workers including the three workmen whose claim is in question in these references. As on completion of the work, the management shows its intention to give one month salary in lieu of one month notice and retrenchment compensation in compliance of the provisions of Industrial Disputes Act, the termination of the workmen cannot be said to be illegal under the provisions of Industrial Disputes Act.

Another issue to be answered by this Tribunal is whether the management has violated the policy of last come first go and appoint any new hands after the termination of the services of the workmen? The workmen have to prove before this Tribunal that new hands were recruited after the termination of their services. There is a causal statement made by all the workmen in their cross-examination that Ram Parasao had been appointed after their termination. Witnesses of the management in his cross-examination have denied this contention. It was a casual statement made by each workmen without narrating and disclosing the post and place of posting on which the worker so recruited was working and recording the addresses. The documents which have been filed by the management proved that there was no violation of the rule of last come first go and no new hands were recruited. As per the documents filed by the management, it is evident that all the workmen working in a particular wing were retrenched as per the provisions of Industrial Disputes Act as their services were no more required. Accordingly, all these references are answered in positive that the action of the management of Bias Project Bhiwani in terminating the services of all the three workmen were just, fair and legal?

So far as the next part of the reference is concerned which is to what relief are the workmen entitled, I am of the view that as the workmen have yet not received one month salary in lieu of the notice and retrenchment compensation, they are entitled to receive the same with 9% interest from 28-2-90 till the date of payment. The non-payment of one month salary in lieu of notice and retrenchment compensation was on ground of the conduct of the workmen, so, no other relief compensation can be awarded to any of the workman. Accordingly, the management of respondent is directed to provide to the workmen or deposited the same in the Tribunal one month salary in lieu of the notice which was due at the time of the termination of the services of the workmen and retrenchment

compensation along with 9% interest thereon from 28-2-90 till the date of payment within one month from the publication of the award. Central Government be informed. File be consigned.

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

क्रा.आ. 3198.—केन्द्रीय सरकार, लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 10 के अनुसरण में, वर्ष 2007-2008 के लिए उक्त अधिनियम के अधीन लेखाओं का विवरण और वित्त पोषित क्रियाकलापों की रिपोर्ट अनुसूची। और अनुसूची-2 के अनुसार क्रमशः निम्न प्रकार से प्रकाशित करती है :

वर्ष 2007-2008 के लिए लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि के लेखाओं का विवरण

अनुसूची-1

आय

01-04-2007 को आरंभिक बकाया रु. 139.05 करोड़

वर्ष 2007-2008 के दौरान अंतरिक उपकर रु. 21.52 करोड़

कुल आय रु. 160.57 करोड़

व्यय

मुख्य शीर्ष-2230

01.106-लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि 01.106.03 - प्रशासन

लेखा का शीर्ष इकाई (हजार रुपए में)

03.01.01 बेतन 9050

03.01.02 मजदूरी 109

03.01.03 अतिकाल भता 24

03.01.06 चिकित्सीय उपचार 289

03.01.11 घरेलू यात्रा व्यय 459

03.01.13 कार्यालय व्यय 1980

03.01.14 किराया दरें और कर 497

03.01.16 प्रकाशन 12

03.01.21 सामग्री और प्रदाय 94

03.01.26 विज्ञापन और ग्राहक 21

03.01.27 लघु कार्य 67

03.01.28 वृत्तिक सेवाएं 40

03.01.50 अन्य प्रधार 6

योग

12648

01.106- लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क श्रम कल्याण निधि 01.106.04 -स्वास्थ्य

| लेखा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|---------------|-------------------|-----------------|
| 04.00.01 | बेतन | 29212 |
| 04.00.02 | मजदूरी | 215 |
| 04.00.03 | अतिकाल भता | 6 |
| 04.00.06 | चिकित्सीय उपचार | 259 |
| 04.00.11 | घरेलू यात्रा व्यय | 375 |
| 04.00.13 | कार्यालय व्यय | 2706 |
| 04.00.14 | किराया दर और कर | 608 |
| 04.00.16 | प्रकाशन | 30 |
| 04.00.21 | सामग्री और प्रदाय | 4100 |
| 04.00.31 | सहायता अनुदान | 7357 |
| 04.00.50 | अन्य प्रधार | 1405 |
| | योग | 46273 |

01.106- लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क श्रम कल्याण निधि 01.106.06 -शिक्षा

| लेखा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|---------------|-------------------------|-----------------|
| 06.00.01 | बेतन | 4406 |
| 06.00.06 | चिकित्सीय उपचार | 53 |
| 06.00.11 | घरेलू यात्रा व्यय | 77 |
| 06.00.13 | कार्यालय व्यय | 85 |
| 06.00.14 | किराया, दर और कर | 21 |
| 06.00.21 | सामग्री और प्रदाय | 119 |
| 06.00.34 | छात्रवृत्ति और वृत्तिका | 15706 |
| 06.00.50 | अन्य प्रधार | 1701 |
| | योग | 22168 |

01.106- लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क श्रम कल्याण निधि 01.106.07 -प्रारंभजन

| लेखा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|---------------|-------------------|-----------------|
| 07.00.01 | बेतन | 919 |
| 07.00.06 | चिकित्सीय उपचार | 45 |
| 07.00.11 | घरेलू यात्रा व्यय | 20 |
| 07.00.13 | कार्यालय व्यय | 5 |
| 07.00.14 | किराया, दर और कर | 53 |
| 07.00.21 | सामग्री और प्रदाय | 46 |
| 07.00.31 | सहायता अनुदान | 75 |
| 07.00.50 | अन्य प्रधार | 221 |
| | योग | 1384 |

01.106- लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि 01.106.05 - आवास

| लेखा का सीर्ज इकाई | (हजार रुपय में) |
|----------------------------------------------------------|-----------------|
| 04.01.01 बेतन | 316 |
| 04.01.06 विकित्सीय उपचार | 19 |
| 04.01.42 एकमुश्त उपचार | 65 |
| 04.02.31 निष्प लागत गृह निर्माण स्कीम | 1030 |
| 04.03.31 अपना स्व घृह निर्माण करो
स्कीम रहायता अनुदान | 668 |
| कुल आवास | 2348 |
| योग (2230) | 84821 |

लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि स्वास्थ्य

| | |
|------------------------------------------------------------------------------|-----------------|
| भोटर यान | 172 |
| मशीनरी और उपस्कर | 12 |
| कुल स्वास्थ्य (4250) | 184 |
| लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि भनोरंजन | |
| भोटर यान | 42 |
| योग भनोरंजन (4250) | 42 |
| योग (4250) | 226 |
| कुल योग | 85047 |
| कुल आय | ₹. 160.57 करोड़ |
| कुल व्यय | ₹. 8.50 करोड़ |

अनुसूची-2

वर्ष 2007-2008 के दौरान लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान - कल्याण निधि के अधीन वित्तपरिवित क्रियाकलाप

| क्रम सं. | क्रियाकलाप का नाम | इकाई |
|----------------|----------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| क. स्वास्थ्य : | | |
| 1. | स्थिर-सह-गविशीत/स्थिर एलोर्पेंथिक और स्थिर आयुर्वेदिक औषधालय | 16 |
| 2. | लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों के लिए अस्पताल | 93 |
| 3. | आयुर्धालय/अस्पतालों में उपचार किए गए रोगियों की संख्या | 255403 |
| 4. | कैंसर से पीड़ित लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों का उपचार | 6 |

| क्रम सं. | क्रियाकलाप का नाम | इकाई |
|--------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| 5. | हृदय रोग का उपचार | 10 |
| 6. | गुर्दा रोग का उपचार | 1 |
| 7. | खान कर्मकारों की नसबंदी के लिए भन संबंधी प्रतिकर का संदर्भ | 1 |
| 8. | विधवा/विधूर को पुत्री के विवाह में व्यय के लिए वित्तीय सहायता | 3 |
| 9. | अंत्येष्टि के लिए विनीय सहायता | 1 |
| ख. आवास | | |
| 10. | अपना स्वगृह निर्माण करो स्कीम, सामृहिक गृह निर्माण स्कीम, टाइप 1 और 2 गृह निर्माण स्कीम के अधीन स्वीकृत गृहों की संख्या | 9 |
| ग. शिक्षा | | |
| 11. | लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों के स्कूल जाने वाले बालकों को शास्त्रज्ञ और अन्य वित्तीय सहायता प्रदान करना | 13851 |
| 12. | वर्दी/पाठ्यपुस्तकों का प्रदान | 6957 |
| घ. भनोरंजन | | |
| 13. | टोबी सेट | 1 |
| 14. | लौह अयस्क खान, मैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों के लिए किड्डों, खेलकूद, सामाजिक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों का आयोजन | 22 |
| 15. | खेलकूद के सापान दी खरोद | 2 |
| 16. | कर्मकार चात्रा विश्वमग्रह | 1352 |
| इ. जल प्रदाय | | |
| 17. | बड़ी खानों को सहायता | 1 |

[क. सं. एस-२३०१५/१०४ - इन्व्यू ११]

अनिल स्वरूप, महानिदेशक (श्रम कल्याण)/संयुक्त भावित

New Delhi, the 11th November, 2008

S.O. 3198.—In pursuance of Section 10 of the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976), the Central Government hereby publishes the statement of accounts and the report of the activities financed under the said Act, the year 2007-2008 as per Schedule-I and Schedule-II, respectively, as under :

**STATEMENT OF ACCOUNTS OF IRON ORE
MINES, MANGANESE ORE MINES AND CHROME
ORE MINES LABOUR WELFARE FUND FOR THE
YEAR 2007-2008**

SCHEDULE-I

INCOME

| | |
|-----------------------------------------------|--------------------------|
| Opening Balance as on 1-4-2007 | Rs 139.05 crores |
| Cess transferred during the year
2007-2008 | Rs. 21.52 crores |
| Total Income | Rs. 160.57 crores |

EXPENDITURE

Major Head 2230

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and
Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.03—Administration

| Head of Account | Units | (Rs. in thousand) |
|-----------------|-----------------------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 03.01.01 | Salaries | 9050 |
| 03.01.02 | Wages | 109 |
| 03.01.03 | Overtime Allowance | 24 |
| 03.01.06 | Medical Treatment | 289 |
| 03.01.11 | Domestic Travel Expenses | 459 |
| 03.01.13 | Office Expenses | 1980 |
| 03.01.14 | Rents, Rates and Taxes | 497 |
| 03.01.16 | Publication | 12 |
| 03.01.21 | Supply and Material | 94 |
| 03.01.26 | Advertisement and Publicity | 21 |
| 03.01.27 | Minor Work | 67 |
| 03.01.28 | Professional Services | 40 |
| 03.01.50 | Other Charges | 6 |
| Total | | 12648 |

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and
Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.04—Health

| Head of Accounts | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------|--------------------|-------------------|
| 4 | 5 | 6 |
| 04.00.01 | Salaries | 29212 |
| 04.00.02 | Wages | 215 |
| 04.00.03 | Overtime Allowance | 6 |
| 04.00.06 | Medical Treatment | 259 |

| | | 3 |
|----------|--------------------------|--------------|
| 04.00.11 | Domestic Travel Expenses | 375 |
| 04.00.13 | Office Expenses | 2706 |
| 04.00.14 | Rents, Rates and Taxes | 608 |
| 04.00.16 | Publication | 30 |
| 04.00.21 | Material and Supply | 4100 |
| 04.00.31 | Grants-in-aid | 7357 |
| 04.00.50 | Other Charges | 1405 |
| | Total | 46273 |

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and
Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.06—Education

| Head of Accounts | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------|--------------------------|-------------------|
| 6 | 7 | 8 |
| 06.00.01 | Salaries | 440 |
| 06.00.06 | Medical Treatment | 53 |
| 06.00.11 | Domestic Travel Expenses | 77 |
| 06.00.13 | Office Expenses | 85 |
| 06.00.14 | Rents, Rates and Taxes | 21 |
| 06.00.21 | Material and Supply | 119 |
| 06.00.34 | Scholarships and Stipend | 15706 |
| 06.00.50 | Other Charges | 1701 |
| | Total | 22168 |

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and
Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.03—Recreation

| Head of Accounts | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------|--------------------------|-------------------|
| 7 | 8 | 9 |
| 07.00.01 | Salaries | 919 |
| 07.00.06 | Medical Treatment | 45 |
| 07.00.11 | Domestic Travel Expenses | 20 |
| 07.00.13 | Office Expenses | 5 |
| 07.00.14 | Rents, Rates and Taxes | 53 |
| 07.00.21 | Material and Supply | 46 |
| 07.00.31 | Grants-in-aid | 75 |
| 07.00.50 | Other Charges | 221 |
| | Total | 1384 |

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.05—Housing

| Head of Accounts | Unit- | (Rs. in thousand) |
|------------------|-------------------------|-------------------|
| 07-01-01 | Salaries | 516 |
| 07-01-06 | Medical Treatment | 19 |
| 07-01-42 | Lumpsum Provision | 65 |
| 07-02-31 | Low Cost Housing Scheme | 1080 |
| 07-03-31 | BYOIS-Grants-in-aid | 668 |
| | Total Housing | 2348 |
| | Total (2230) | 84821 |

Major Head 4250

Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

Health

| | |
|--------------------------|-----|
| Motor Vehicle | 172 |
| Machinery and Equipments | 12 |
| Total Health (4250) | 184 |

Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

Recreation

| | |
|-------------------------|-------------------|
| Motor Vehicle | 42 |
| Total Recreation (4250) | 42 |
| Total (4250) | 226 |
| Grand Total | 85907 |
| Total Income | Rs. 160.57 crores |
| Total Expenditure | Rs. 8.50 crores |

SCHEDULE-II

Activities Financed under the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund during the Year 2007-08

| S. No. | Name of the activity | Units |
|--------|----------------------|-------|
| 1 | | 3 |

A. HEALTH:

| | |
|----------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| 1. Static-cum-Mobile/Static Allopathic and Static Ayurvedic Dispensaries. | 16 |
| 2. Hospitals for the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines workers. | 93 |
| 3. Number of patients treated in dispensaries/hospitals. | 255903 |

| 1 | 2 | 3 |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|---|
| 4. Treatment of Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Workers suffering from Cancer. | 6 | |
| 5. Treatment for Heart Disease | 10 | |
| 6. Treatment for Kidney Disease | 1 | |
| 7. Payment of Monetary Compensation for sterilization to Mines workers. | 1 | |
| 8. Financial assistance for wedding expenses to widow's/widower's daughter. | 3 | |
| 9. Financial assistance for funeral expenses | 1 | |

B. HOUSING :

| | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
| 10. Number of houses sanctioned under Build Your Own House Scheme, Group Housing Scheme, Type-I and II Housing Scheme. | 9 |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|

C. EDUCATION :

| | |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| 11. Award of scholarship and other financial assistance to the school going children of Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Workers | 13851 |
| 12. Supply of uniform/text books | 6957 |

D. RECREATION :

| | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|
| 13. Television Set | 1 |
| 14. Organising sports, games, social and cultural activities for Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Workers. | 22 |
| 15. Purchase of sports material | 2 |
| 16. Workers visiting holiday homes | 1252 |

E. WATER SUPPLY

| | |
|-----------------------------|---|
| 17. Assistance to big mines | 1 |
|-----------------------------|---|

[F. No. S-23025/1/08-W.11]

ANIL SWARUP, Director General (Labour Welfare) Jt. Secy.

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का.आ. 3199.—केंद्रीय सरकार, नौदी कमेकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 10 के अनुसार में, वर्ष 2007-2008 के लिए उक्त अधिनियम के अधीन लेगाइंस का वितरण और वित्तपोषित क्रियाकलापों की रिपोर्ट, अनुसूची-1 और अनुसूची-2 के अनुसार कमश: निम्न प्रकार से प्रकाशित करती है :

वर्ष 2007-2008 के लिए बीड़ी कर्मकार कस्त्याण निधि के सेवाओं का विवरण

अनुसूची-1

आय

| | |
|-------------------------------------|------------------|
| 01-04-2007 को अर्थभिक बकाया | रु. 24.24 करोड़ |
| वर्ष 2007-2008 के दौरान अंतरिक उपकर | रु. 184.62 करोड़ |
| कुल आय | रु. 208.86 करोड़ |

ब्यय

मुख्य शीर्ष-2230

01.109 बीड़ी कर्मकार कस्त्याण निधि

01.109.04 - प्रशासन

| सेवा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|-----------------------------|------|-----------------|
| 05-00-01 वेतन | | 26931 |
| 05-00-02 मजदूरी | | 220 |
| 05-00-03 अतिकाल भत्ता | | 69 |
| 05-00-06 चिकित्सीय उपचार | | 972 |
| 05-00-11 घरेलू यात्रा व्यय | | 1932 |
| 05-00-13 कार्यालय व्यय | | 7053 |
| 05-00-14 किराया, दरें और कर | | 1409 |
| 05-00-16 प्रकाशन | | 118 |
| 05-00-27 लघु कार्य | | 27 |
| 05-00-28 वृत्तिक सेवाएं | | 91 |
| 05-00-50 अन्य प्रभार | | 75 |
| | योग | 38897 |

| 1 | 2 | 3 |
|----------|---------------------|--------|
| 04-00-16 | प्रकाशन | 48 |
| 04-00-21 | सामग्री और प्रदाय | 57563 |
| 04-00-26 | विज्ञापन और प्रकाशन | 154 |
| 04-00-27 | लघु कार्य | 1995 |
| 04-00-50 | अन्य प्रभार | 34114 |
| | योग | 346989 |

01.109 बीड़ी कर्मकार कस्त्याण निधि

01.109.03 - शिक्षा

| सेवा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|----------------------------------|------|-----------------|
| 03-00-26 विज्ञापन और प्रकाशन | | 413 |
| 03-00-34 छात्रवृत्ति और वृत्तिका | | 789996 |
| 03-00-50 अन्य प्रभार | | 43482 |
| | योग | 833891 |

01.109 बीड़ी कर्मकार कस्त्याण निधि

01.109.05 - शिक्षा

| सेवा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|------------------------------|------|-----------------|
| 02-00-01 वेतन | | 502 |
| 02-00-03 अतिकाल भत्ता | | 10 |
| 02-00-06 चिकित्सीय उपचार | | 21 |
| 02-00-11 घरेलू यात्रा व्यय | | 40 |
| 02-00-13 कार्यालय व्यय | | 34 |
| 02-00-21 सामग्री और आपूर्ति | | 10 |
| 02-00-26 विज्ञापन और प्रकाशन | | 154 |
| 02-00-27 लघु कार्य | | 60 |
| 02-00-50 अन्य प्रभार | | 605 |
| | योग | 1282 |

01.109 बीड़ी कर्मकार कस्त्याण निधि

01.109.01 - आयास

| सेवा का शीर्ष | इकाई | (हजार रुपए में) |
|-----------------------------------------|---------------|-----------------|
| 01-03-01 वेतन | | 112 |
| 01-01-31 अपना स्वागृह निर्माण करो स्कीम | | 93038 |
| | सहायता अनुदान | |
| 01-02-33 सामूहिक गृह निर्माण सहायकी | | 16000 |

| 1 | 2 | 3 |
|------------------------------------------------------|----------------------------|-----------|
| 06-00-33 | सहायकी | 1,254,121 |
| | कुल आयम् 2230 | 10,1673 |
| | भूख्य शीर्ष (2230) के अधीन | 26,5832 |
| | कुल व्यय | |
| मुख्य शीर्ष (2200) के दूसरे दाता 01.00.31-- | 1,254,121 | |
| साधारण अनुदान | | |
| मुख्य शीर्ष (3601) के अधीन कुल व्यय | 1,254,121 | |
| मुख्य शीर्ष (4250) बोडी कर्मकार कल्याण निधि स्वाक्षर | | |
| मोटर चाल | 83,891 | |
| पश्चिमी और उत्तरकर | 1243 | |
| वीग (4250) | 9674 | |
| कुल व्यय | 234,2395 | |
| कुल आय | 208,86 करोड़ | |
| कुल व्यय | 234,2395 | |

अनुभूमि-2

वर्ष 2007-2008 के दौरान बोडी कर्मकार कल्याण निधि के अधीन वित्तयोग्यित क्रियाकलाप

| क्रम सं. | क्रियाकलाप का नाम | इकाइयाँ |
|------------|-----------------------------------------------------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 |
| क. स्थायकः | | |
| 1. | शिवर-दृष्टि चलन स्थायर एलोपेधिक और स्थिर आवृत्तिक शीघ्रधारण | 214 |
| 2. | बोडी कर्मकारों के लिए अस्पताल | 96 |
| 3. | शिवीलापीन अस्पताल (पूरा होने के विकास) | 91 |
| 4. | बोडी कर्मकारों वैज्ञानिक मरीज | 21,27,29,66 |
| 5. | ट्रैकी अस्पताल में अधिभोग औसत रेट्या | 1,284 |
| 6. | संविक के प्रोडक्ट बोडी कर्मकारों का आवासीय उपचार | 488 |
| 7. | जैकर गो विलून बोडी कर्मकारों का डाक्या | 112 |
| 8. | प्रातिक्रिया रिपोर्ट में निर्दित बोडी कर्मकारों का आवासीय उपचार | 11 |
| 9. | अमरे क्रय करने के लिए बोडी कर्मकारों का वित्तीय सहायता | 3,083 |
| 10. | माइक्रो बोडी कर्मकारों के लिए ज्ञाते ग्रन्तीयों का स्वीकृत | 4,491 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| 11. | बोडी कर्मकारों के विवाह के लिए अनुदान | 1,2 |
| 12. | हृदय रोगों के लिए बोडी कर्मकारों का उपचार | 178 |
| 13. | गुरु प्रत्यासंपत्ति के लिए में बोडी कर्मकारों का उपचार | 31 |
| 14. | आर्टेस्ट के लिए 1,254,121 रुपये | 1,254,121 |
| 15. | लघु वीथारिङ का उपचार | 18 |
| 16. | स्त्री रोग का उपचार | 18 |
| 17. | उपचारमुक्तीकरण का उपचार | 3 |
| 18. | विश्वा विद्युत के उपचार का उपचार का विवाह व्यय | 1,1 |
| | छ. समाजिक उपचार | |
| 19. | समृद्ध वीमा योग्यता | 1,65,161 |
| | ग. आवास | |
| 20. | एकीकृत गृह अनुदान व्यवस्था के लिए अनुदान लोकोक्ति गृहों का संरक्षण | 29,133 |
| | घ. शिक्षा | |
| 21. | बोडी कर्मकारों के लिए 1,254,121 रुपये का संरक्षण | 1,254,121 |
| 22. | बोडी कर्मकारों के लिए लग्न वालों के लिए 1,254,121 रुपये का संरक्षण | 1,254,121 |
| | ड. प्रनोर्मेशन | |
| 23. | श्रव्य-दृश्य रोगों के लिए चारों ओं मालाम से बोडी कर्मकारों को लिए 1,254,121 रुपये का संरक्षण | 6 |
| 24. | बोडी कर्मकारों के लिए लग्न वालों, लंबनक्षम, सामाजिक और संस्कृतेवाले क्रियाकलाप आयोजित | 3 |
| 25. | विश्वाम सूह में 20, 24, 30, 36, 42, 48, 54, 60, 66, 72, 78, 84, 90, 96, 102, 108, 114, 120, 126, 132, 138, 144, 150, 156, 162, 168, 174, 180, 186, 192, 198, 204, 210, 216, 222, 228, 234, 240, 246, 252, 258, 264, 270, 276, 282, 288, 294, 296, 302, 308, 314, 320, 326, 332, 338, 344, 350, 356, 362, 368, 374, 380, 386, 392, 398, 404, 410, 416, 422, 428, 434, 440, 446, 452, 458, 464, 470, 476, 482, 488, 494, 496, 502, 508, 514, 520, 526, 532, 538, 544, 550, 556, 562, 568, 574, 580, 586, 592, 598, 604, 610, 616, 622, 628, 634, 640, 646, 652, 658, 664, 670, 676, 682, 688, 694, 696, 702, 708, 714, 720, 726, 732, 738, 744, 750, 756, 762, 768, 774, 780, 786, 792, 798, 804, 810, 816, 822, 828, 834, 840, 846, 852, 858, 864, 870, 876, 882, 888, 894, 896, 902, 908, 914, 920, 926, 932, 938, 944, 950, 956, 962, 968, 974, 980, 986, 992, 998, 1004, 1010, 1016, 1022, 1028, 1034, 1040, 1046, 1052, 1058, 1064, 1070, 1076, 1082, 1088, 1094, 1096, 1102, 1108, 1114, 1120, 1126, 1132, 1138, 1144, 1150, 1156, 1162, 1168, 1174, 1180, 1186, 1192, 1198, 1204, 1210, 1216, 1222, 1228, 1234, 1240, 1246, 1252, 1258, 1264, 1270, 1276, 1282, 1288, 1294, 1296, 1302, 1308, 1314, 1320, 1326, 1332, 1338, 1344, 1350, 1356, 1362, 1368, 1374, 1380, 1386, 1392, 1398, 1404, 1410, 1416, 1422, 1428, 1434, 1440, 1446, 1452, 1458, 1464, 1470, 1476, 1482, 1488, 1494, 1496, 1502, 1508, 1514, 1520, 1526, 1532, 1538, 1544, 1550, 1556, 1562, 1568, 1574, 1580, 1586, 1592, 1598, 1604, 1610, 1616, 1622, 1628, 1634, 1640, 1646, 1652, 1658, 1664, 1670, 1676, 1682, 1688, 1694, 1696, 1702, 1708, 1714, 1720, 1726, 1732, 1738, 1744, 1750, 1756, 1762, 1768, 1774, 1780, 1786, 1792, 1798, 1804, 1810, 1816, 1822, 1828, 1834, 1840, 1846, 1852, 1858, 1864, 1870, 1876, 1882, 1888, 1894, 1896, 1902, 1908, 1914, 1920, 1926, 1932, 1938, 1944, 1950, 1956, 1962, 1968, 1974, 1980, 1986, 1992, 1998, 2004, 2010, 2016, 2022, 2028, 2034, 2040, 2046, 2052, 2058, 2064, 2070, 2076, 2082, 2088, 2094, 2096, 2102, 2108, 2114, 2120, 2126, 2132, 2138, 2144, 2150, 2156, 2162, 2168, 2174, 2180, 2186, 2192, 2198, 2204, 2210, 2216, 2222, 2228, 2234, 2240, 2246, 2252, 2258, 2264, 2270, 2276, 2282, 2288, 2294, 2296, 2302, 2308, 2314, 2320, 2326, 2332, 2338, 2344, 2350, 2356, 2362, 2368, 2374, 2380, 2386, 2392, 2398, 2404, 2410, 2416, 2422, 2428, 2434, 2440, 2446, 2452, 2458, 2464, 2470, 2476, 2482, 2488, 2494, 2496, 2502, 2508, 2514, 2520, 2526, 2532, 2538, 2544, 2550, 2556, 2562, 2568, 2574, 2580, 2586, 2592, 2598, 2604, 2610, 2616, 2622, 2628, 2634, 2640, 2646, 2652, 2658, 2664, 2670, 2676, 2682, 2688, 2694, 2696, 2702, 2708, 2714, 2720, 2726, 2732, 2738, 2744, 2750, 2756, 2762, 2768, 2774, 2780, 2786, 2792, 2798, 2804, 2810, 2816, 2822, 2828, 2834, 2840, 2846, 2852, 2858, 2864, 2870, 2876, 2882, 2888, 2894, 2896, 2902, 2908, 2914, 2920, 2926, 2932, 2938, 2944, 2950, 2956, 2962, 2968, 2974, 2980, 2986, 2992, 2998, 3004, 3010, 3016, 3022, 3028, 3034, 3040, 3046, 3052, 3058, 3064, 3070, 3076, 3082, 3088, 3094, 3096, 3102, 3108, 3114, 3120, 3126, 3132, 3138, 3144, 3150, 3156, 3162, 3168, 3174, 3180, 3186, 3192, 3198, 3204, 3210, 3216, 3222, 3228, 3234, 3240, 3246, 3252, 3258, 3264, 3270, 3276, 3282, 3288, 3294, 3296, 3302, 3308, 3314, 3320, 3326, 3332, 3338, 3344, 3350, 3356, 3362, 3368, 3374, 3380, 3386, 3392, 3398, 3404, 3410, 3416, 3422, 3428, 3434, 3440, 3446, 3452, 3458, 3464, 3470, 3476, 3482, 3488, 3494, 3496, 3502, 3508, 3514, 3520, 3526, 3532, 3538, 3544, 3550, 3556, 3562, 3568, 3574, 3580, 3586, 3592, 3598, 3604, 3610, 3616, 3622, 3628, 3634, 3640, 3646, 3652, 3658, 3664, 3670, 3676, 3682, 3688, 3694, 3696, 3702, 3708, 3714, 3720, 3726, 3732, 3738, 3744, 3750, 3756, 3762, 3768, 3774, 3780, 3786, 3792, 3798, 3804, 3810, 3816, 3822, 3828, 3834, 3840, 3846, 3852, 3858, 3864, 3870, 3876, 3882, 3888, 3894, 3896, 3902, 3908, 3914, 3920, 3926, 3932, 3938, 3944, 3950, 3956, 3962, 3968, 3974, 3980, 3986, 3992, 3998, 4004, 4010, 4016, 4022, 4028, 4034, 4040, 4046, 4052, 4058, 4064, 4070, 4076, 4082, 4088, 4094, 4096, 4102, 4108, 4114, 4120, 4126, 4132, 4138, 4144, 4150, 4156, 4162, 4168, 4174, 4180, 4186, 4192, 4198, 4204, 4210, 4216, 4222, 4228, 4234, 4240, 4246, 4252, 4258, 4264, 4270, 4276, 4282, 4288, 4294, 4296, 4302, 4308, 4314, 4320, 4326, 4332, 4338, 4344, 4350, 4356, 4362, 4368, 4374, 4380, 4386, 4392, 4398, 4404, 4410, 4416, 4422, 4428, 4434, 4440, 4446, 4452, 4458, 4464, 4470, 4476, 4482, 4488, 4494, 4496, 4502, 4508, 4514, 4520, 4526, 4532, 4538, 4544, 4550, 4556, 4562, 4568, 4574, 4580, 4586, 4592, 4598, 4604, 4610, 4616, 4622, 4628, 4634, 4640, 4646, 4652, 4658, 4664, 4670, 4676, 4682, 4688, 4694, 4696, 4702, 4708, 4714, 4720, 4726, 4732, 4738, 4744, 4750, 4756, 4762, 4768, 4774, 4780, 4786, 4792, 4798, 4804, 4810, 4816, 4822, 4828, 4834, 4840, 4846, 4852, 4858, 4864, 4870, 4876, 4882, 4888, 4894, 4896, 4902, 4908, 4914, 4920, 4926, 4932, 4938, 4944, 4950, 4956, 4962, 4968, 4974, 4980, 4986, 4992, 4998, 5004, 5010, 5016, 5022, 5028, 5034, 5040, 5046, 5052, 5058, 5064, 5070, 5076, 5082, 5088, 5094, 5096, 5102, 5108, 5114, 5120, 5126, 5132, 5138, 5144, 5150, 5156, 5162, 5168, 5174, 5180, 5186, 5192, 5198, 5204, 5210, 5216, 5222, 5228, 5234, 5240, 5246, 5252, 5258, 5264, 5270, 5276, 5282, 5288, 5294, 5296, 5302, 5308, 5314, 5320, 5326, 5332, 5338, 5344, 5350, 5356, 5362, 5368, 5374, 5380, 5386, 5392, 5398, 5404, 5410, 5416, 5422, 5428, 5434, 5440, 5446, 5452, 5458, 5464, 5470, 5476, 5482, 5488, 5494, 5496, 5502, 5508, 5514, 5520, 5526, 5532, 5538, 5544, 5550, 5556, 5562, 5568, 5574, 5580, 5586, 5592, 5598, 5604, 5610, 5616, 5622, 5628, 5634, 5640, 5646, 5652, 5658, 5664, 5670, 5676, 5682, 5688, 5694, 5696, 5702, 5708, 5714, 5720, 5726, 5732, 5738, 5744, 5750, 5756, 5762, 5768, 5774, 5780, 5786, 5792, 5798, 5804, 5810, 5816, 5822, 5828, 5834, 5840, 5846, 5852, 5858, 5864, 5870, 5876, 5882, 5888, 5894, 5896, 5902, 5908, 5914, 5920, 5926, 5932, 5938, 5944, 5950, 5956, 5962, 5968, 5974, 5980, 5986, 5992, 5998, 6004, 6010, 6016, 6022, 6028, 6034, 6040, 6046, 6052, 6058, 6064, 6070, 6076, 6082, 6088, 6094, 6096, 6102, 6108, 6114, 6120, 6126, 6132, 6138, 6144, 6150, 6156, 6162, 6168, 6174, 6180, 6186, 6192, 6198, 6204, 6210, 6216, 6222, 6228, 6234, 6240, 6246, 6252, 6258, 6264, 6270, 6276, 6282, 6288, 6294, 6296, 6302, 6308, 6314, 6320, 6326, 6332, 6338, 6344, 6350, 6356, 6362, 6368, 6374, 6380, 6386, 6392, 6398, 6404, 6410, 6416, 6422, 6428, 6434, 6440, 6446, 6452, 6458, 6464, 6470, 6476, 6482, 6488, 6494, 6496, 6502, 6508, 6514, 6520, 6526, 6532, 6538, 6544, 6550, 6556, 6562, 6568, 6574, 6580, 6586, 6592, 6598, 6604, 6610, 6616, 6622, 6628, 6634, 6640, 6646, 6652, 6658, 6664, 6670, 6676, 6682, 6688, 6694, 6696, 6702, 6708, 6714, 6720, 6726, 6732, 6738, 6744, 6750, 6756, 6762, 6768, 6774, 6780, 6786, 6792, 6798, 6804, 6810, 6816, 6822, 6828, 6834, 6840, 6846, 6852, 6858, 6864, 6870, 6876, 6882, 6888, 6894, 6896, 6902, 6908, 6914, 6920, 6926, 6932, 6938, 6944, 6950, 6956, 6962, 6968, 6974, 6980, 6986, 6992, 6998, 7004, 7010, 7016, 7022, 7028, 7034, 7040, 7046, 7052, 7058, 7064, 7070, 7076, 7082, 7088, 7094, 7096, 7102, 7108, 7114, 7120, 7126, 7132, 7138, 7144, 7150, 7156, 7162, 7168, 7174, 7180, 7186, 7192, 7198, 7204, 7210, 7216, 7222, 7228, 7234, 7240, 7246, 7252, 7258, 7264, 7270, 7276, 7282, 7288, 7294, 7296, 7302, 7308, 7314, 7320, 7326, 7332, 7338, 7344, 7350, 7356, 7362, 7368, 7374, 7380, 7386, 7392, 7398, 7404, 7410, 7416, 7422, 7428, 7434, 7440, 7446, 7452, 7458, 7464, 7470, 7476, 7482, 7488, 7494, 7496, 7502, 7508, 7514, 7520, 7526, 7532, 7538, 7544, 7550, 7556, 7562, 7568, 7574, 7580, 7586, 7592, 7598, 7604, 7610, 7616, 7622, 7628, 7634, 7640, 7646, 7652, 7658, 7664, 7670, 7676, 7682, 7688, 7694, 7696, 7702, 7708, 7714, 7720, 7726, 7732, 7738, 7744, 7750, 7756, 7762, 7768, 7774, 7780, 7786, 7792, 7798, 7804, 7810, 7816, 7822, 7828, 7834, 7840, 7846, 7852, 7858, 7864, 7870, 7876, 7882, 7888, 7894, 7896, 7902, 7908, 7914, 7920, 7926, 7932, 7938, 7944, 7950, 7956, 7962, 7968, 7974, 7980, 7986, 7992, 7998, 8004, 8010, 8016, 8022, 8028, 8034, 8040, 8046, 8052, 8058, 8064, 8070, 8076, 8082, 8088, 8094, 8096, 8102, 8108, 8114, 8120, 8126, 8132, 8138, 8144, 8150, 8156, 8162, 8168, 8174, 8180, 8186, 8192, 8198, 8204, 8210, 8216, 8222, 8228, 8234, 8240, 8246, 8252, 8258, 8264, 8270, 8276, 8282, 8288, 8294, 8296, 8302, 8308, 8314, 8320, 8326, 8332, 8338, 8344, 8350, 8356, 8362, 8368, 8374, 8380, 8386, 8392, 8398, 8404, 8410, 8416, 8422, 8428, 8434, 8440, 8446, 8452, 8458, 8464, 847 | |

the said Act, the year 2007-2008 as per Schedule-I and Schedule-II, respectively, as under :—

**STATEMENT OF ACCOUNTS OF BEEDI
WORKERS WELFARE FUND FOR THE YEAR
2007-2008**

SCHEDULE I

INCOME

| | |
|-------------------------------------------------------|--------------------------|
| Opening Balance as on 1-4-2007 | Rs 24.24 crores |
| Cess transferred during the year
2007-2008 | Rs. 184.62 crores |

Total Income

EXPENDITURE

01-100 - Bondi Markets Welfare Fund

1.100.05 – Administration

| Head of Accounts | Units | (Rs. in thousand) |
|-------------------------|--------------------------|--------------------------|
| 05-00-01 | Salaries | 26931 |
| 05-00-02 | Wages | 220 |
| 05-00-03 | Overtime Allowance | 69 |
| 05-00-06 | Medical Treatment | 972 |
| 05-00-11 | Domestic Travel Expenses | 1932 |
| 05-00-13 | Office Expenses | 7053 |
| 05-00-14 | Rents, Rates and Taxes | 1409 |
| 05-00-16 | Publication | 118 |
| 05-00-27 | Minor Work | 27 |
| 05-00-28 | Professional Services | 91 |
| 05-00-50 | Other Charges | 75 |
| Total | | 38897 |

01.109—Beedi Workers Welfare Fund

1.109.04—Health

| Head of Account | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------------|--------------------------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 04-00-01 | Salaries | 228186 |
| 04-00-02 | Wages | 1905 |
| 04-00-03 | Overtime Allowance | 13 |
| 04-00-06 | Medical Treatment | 1607 |
| 04-00-11 | Domestic Travel Expenses | 3403 |
| 04-00-13 | Office Expenses | 10121 |
| 04-00-14 | Rents, Rates and Taxes | 7880 |

| 1 | 2 | 3 |
|--------------|-----------------------------|---------------|
| 04-00-16 | Publication | 48 |
| 04-00-21 | Material and Supply | 57563 |
| 04-00-26 | Advertisement and Publicity | 154 |
| 04-00-27 | Minor Work | 1995 |
| 04-00-50 | Other Charges | 34114 |
| Total | | 346989 |

01-109—Beedi Workers Welfare Fund

1.109.03—Education

| Head of Account | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------------|-----------------------------|--------------------------|
| 03-00-26 | Advertisement and Publicity | 413 |
| 03-00-34 | Scholarship and Stipend | 789996 |
| 03-00-50 | Other Charges | 43482 |

Total

—Beedi Workers Welfare

| Head of Account | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------------|--------------------------|--------------------------|
| 02-00-01 | Salaries | 502 |
| 02-00-03 | Overtime Allowance | 10 |
| 02-00-06 | Medical Treatment | 21 |
| 02-00-11 | Domestic Travel Expenses | 40 |
| 02-00-13 | Office Expenses | 34 |
| 02-00-21 | Material and Supply | 10 |
| 02-00-27 | Minor Work | 60 |
| 02-00-50 | Other Charges | 605 |
| | Total | 1282 |

01-109—Beedi Workers Welfare Fund

1.109.01—Housing

| Head of Account | Units | (Rs. in thousand) |
|------------------------|--------------------------------------------------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 01-03-01 | Salaries | 112 |
| 01-01-31 | BYOHS—Grants-in-aid | 93038 |
| 01-02-33 | GHS—Subsidies | 16000 |
| 06-00-33 | Subsidies | 775623 |
| | Total Housing 2230 | 1071573 |
| | Total expenditure under Major Head (2230) | 2105832 |

| | |
|----------------------------------------------------|--------------------------|
| Major Head-3601, EWS-01.00.31-Grants-in-aid | 186800 |
| Total expenditure under Major Head (3601) | 186800 |
| Major Head-4250 | |
| Beedi Workers Welfare Fund | |
| Health | |
| Motor Vehicle | 8380 |
| Machinery and Equipments | 1293 |
| Total (4250) | 9673 |
| Grand Total | 2302305 |
| Total Income | Rs. 208.86 crores |
| Total Expenditure | Rs. 230.23 crores |

SCHEDULE-II**Activities Financed Under the Beedi Workers Welfare Fund During the Year 2007-08**

| Sl. No. | Name of the activity | Units |
|-------------------|------------------------------------------------------------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 |
| A. HEALTH: | | |
| 1. | Static-cum-Mobile/Static Allopathic and Static Ayurvedic Dispensaries. | 304 |
| 2. | Hospitals for Beedi Workers | 06 |
| 3. | Hospitals under construction (nearly completion) | 01 |
| 4. | Patients treated in dispensaries/hospitals. | 7772986 |
| 5. | Average Bed Occupation in TB Hospitals. | 12884 |
| 6. | Domiciliary Treatment of Beedi Workers suffering from Tuberculosis | 688 |
| 7. | Treatment of Beedi Workers suffering from Cancer | 141 |
| 8. | Treatment of Beedi Workers suffering from Mental Diseases | 21 |
| 9. | Financial Assistance to Beedi Workers for purchase of Spectacles | 5083 |
| 10. | Maternity Benefit Scheme for Female Beedi Workers | 9480 |
| 11. | Payment of Monetary Compensation for Sterilization | 113 |
| 12. | Treatment of Beedi Workers in respect of Heart Diseases | 178 |
| 13. | Treatment of Beedi Workers in respect of Kidney Transplantation | 31 |
| 14. | Financial assistance for funeral | 1342 |

| 1 | 2 | 3 |
|----------------------------|-----------------------------------------------------------------------------|---------|
| 15. | Treatment of Minor Diseases | 26 |
| 16. | Treatment of Gyaneccological diseases | 18 |
| 17. | Treatment of Appendectomy | 5 |
| 18. | Wedding Expenditure of daughter of Widow/Widower beedi workers | 412 |
| B. SOCIAL SECURITY: | | |
| 19. | Group Insurance Scheme* | 1051361 |
| C. HOUSING: | | |
| 20. | Number of houses sanctioned under Integrated Housing Scheme. | 39133 |
| D. EDUCATION: | | |
| 21. | Award of Scholarship to the school going children of Beedi Workers | 628658 |
| 22. | Supply of Books/Uniforms to the school going children of Beedi Workers | 216561 |
| E. RECREATION: | | |
| 23. | Exhibition of films for Beedi Workers through Audio-Visual Sets/Cinema Vans | 6 |
| 24. | Organizing sports, games, social and cultural activities for Beedi Workers | 5 |
| 25. | Workers visited holiday homes | 1725 |

*All Identity Card holders of Beedi workers are covered.
[F.No. S-24025/27/08-W.I.]

ANIL SWARUP, Director General (Labour Welfare)/Jt Secy,
नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2008

का.आ. 3200.—कर्मचारी राज्य बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा । दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करते हैं, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उप धारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त को जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

| राजस्व ग्राम | राजस्व परगना | राजस्व तहसील | जिला |
|----------------|--------------|--------------|-------|
| 1. लहरगढ़ | झांसी | झांसी | झांसी |
| 2. भगवन्त पुरा | झांसी | झांसी | झांसी |
| 3. कोओ भावर | झांसी | झांसी | झांसी |
| 4. करारी | झांसी | झांसी | झांसी |
| 5. पिलोर | झांसी | झांसी | झांसी |
| 6. करगावा | झांसी | झांसी | झांसी |

[सं. एस. 38013/43/2008-एस.एस. 1]

एस. डी. जैविकर, अद्वर सचिव

New Delhi, the 12th November, 2008

S.O. 3200.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st December, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely :—

| Revenue Village | Revenue Pargana | Tehsil | District |
|------------------|-----------------|--------|----------|
| 1. Lehar Gird | Jhansi | Jhansi | Jhansi |
| 2. Bhagwantpura | Jhansi | Jhansi | Jhansi |
| 3. Kochha Bhawar | Jhansi | Jhansi | Jhansi |
| 4. Karai | Jhansi | Jhansi | Jhansi |
| 5. Pichhor | Jhansi | Jhansi | Jhansi |
| 6. Kargawan | Jhansi | Jhansi | Jhansi |

[No. S-38013/43/2008-SS.I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3201.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप धारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 [धारा 76 की उप धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपरबन्ध उड़ीसा राज्य के नियमिति भेजों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“अधिनियम के उक्त प्रावधान जिन भेजों में पहले ही लागू किए जा चुके हैं उनको छोड़कर गंजाम जिले में बरहमपुर को म्युनिसिपल सीमाओं के क्षेत्र इसमें शामिल हैं, तथा

1. गंजाम जिले में बरहमपुर तहसील के अंतर्गत रलपुर, शंकरपुर, मर्दराजपुर, सुंदरराजपुर, अंकुशपुर, सानकुशस्थली के राजस्व गांव
2. गंजाम जिले में छत्तपुर तहसील के अंतर्गत रघुनाथपुर, नरेन्द्रपुर के राजस्व गांव
3. गंजाम जिले में कोणिथी तहसील के अंतर्गत हलदीआपदर, रलभा, कोणिथी, हिन्जलापल्ली के राजस्व गांव शामिल हैं।”

[सं. एस. 38013/44/2008-इस.एस. 1]

एस. डॉ. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3201.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st December, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa namely :—

“The areas comprising of the Municipal limits of Behrampur in the district of Ganjam except the areas in which the said provisions of the Act have already been brought into force” and

1. The revenue villages of Ratanpur, Sankarpur, Mardarajpur, Sundarajpur, Ankushpur, Sanakusastali under the Tehsil Behrampur in the District of Ganjam.
2. The revenue villages of Raghunathpur, Narendrapur under Tehsil Chatrapur in the District of Ganjam, and
3. The revenue villages of Haladiapodar, Ralava, Konisi, Hinjalapalli under Tehsil of Konisi in the District of Ganjam.

[No. S-38013/44/2008-SS.I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3202.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के [अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 धारा 76 की उप धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपरबन्ध तमिलनाडु राज्य के नियमिति भेजों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

केन्द्र

I

2

- | | |
|------------------------------------------|------------------------|
| गोपिंदेश्विपाल नगर तालुक, | 1. बीरपाणडी-गापी बाड़न |
| हीरोड जिले में गोपिंदेश्विपाल नगर तालुक, | 2. परियूर |
| | 3. चोषमादेविकरै |
| | 4. आलुबकुलै (क) |
| | 5. आलुबकुलै (ख) |
| | 6. मोडचूर |
| | 7. कुल्लम्बालयम |
| | 8. कल्लियम (क) |

| 1 | 2 |
|---|--------------------------------------------------------------------|
| | ९. कलतियम (खः) |
| | १०. लक्ष्मणपट्टी
आदि के अंतर्गत अन्ते
वाले सानस्व गांज |
| | (स. एस. ३८०१३/४५/२००८-एस. एन. १)
एस. डी. जैवियर, अध्यक्ष मंत्री |

New Delhi, the 19th November, 2008.

S.O. 3202. In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st December, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely:-

| Centre Name | Areas Comprising the revenue villages of |
|-------------------------|------------------------------------------|
| Gopichettipalayam area | १. Veerapandi-Gopi-Tiruvi |
| Gopichettipalayam Taluk | २. Poyar |
| Erode district | ३. Cholannadevikkottai |
| | ४. Alukkuli(A) |
| | ५. Alukkuli(B) |
| | ६. Miedachur |
| | ७. Kullampalayam |
| | ८. Kolagjiyan(A) |
| | ९. Kolagjiyan(B) |
| | १०. Lakkaruppu |
| | [No. S-38013-45/2008-SS-II] |
| | ११. D. XAVIER, Under Secy |